हिंदी दैनिक

कोयलांचल संवाद

रांची व धनबाद से एक साथ प्रकाशित

Subscribe
Koylanchal samvad news

रांची, शनिवार, 18 अप्रैल, 2026 वर्ष : 13 अंक : 322 मूल्य : 3 रुपए

www.koylanchalsamvad.com

महिला आरक्षण बिलः लोकसभा में बरसे राहुल गांधी, कहा- भारत का... | राजनीतिक सरगर्मी बढ़ने का कारण, सरकार पर बढ़ता दबाव | पेट से लेकर दिल तक के लिए फायदेमंद मूली के पत्ते

संक्षिप्त खबरें

दर्दनाकः कार और बस में सीधी टक्कर के बाद लगी आग, छह लोग जिंदा जले

यादगिर (कर्नाटक): यादगिर जिले के सुरपुरा तालुक में शुक्रवार सुबह एक कार और प्राइवेट बस में सीधी टक्कर हो गई, जिसके बाद में दोनों वाहनों में आग लग गई. इस भयानक हादसे में कार में सवार छह लोग जिंदा जल गए. मरने वालों में कृष्ण नायक (52), अनंत कला नायक (45), शरणप्पा (36), निसर्ग शरणप्पा (30), उनके बेटे सिद्धार्थ शरणप्पा (3) और शशिकला (30) की मौत हो गई. मृतक शरणप्पा दंपती की दो बेटियों, अद्विका (5) और श्रीनिधि (1.5 साल) की हालत गंभीर है. उन्हें स्थानीय लोगों ने बचाया और अस्पताल पहुंचाया. पुलिस ने बताया कि सभी पीड़ित रिश्तेदार हैं. पुलिस के मुताबिक, कार में सवार लोग रायचूर जिले के सिरवार तालुक के रहने वाले हैं. यादगिर से गाड़ी उनके होमटाउन रायचूर जा रही थी, जबकि बस बेंगलुरु से कलबुर्गी जा रही थी. बस में सवार 20 यात्री सुरक्षित हैं. पुलिस ने बताया कि टक्कर के बाद कार और बस में आग लग गई और चंद मिनट में पूरी तरह जलकर राख हो गईं. शुरुआती जांच और चश्मदीदों के मुताबिक, कार का टायर फट गया और ड्राइवर का कंट्रोल खो गया और वह एक प्राइवेट बस से सीधी टकरा गई. इसके बाद कार में आग लग गई. यादगिर जिले के पुलिस अधीक्षक (SP) पृथ्वी शंकर ने बताया कि उसमें सवार छह लोगों की मौत हो गई. सूचना मिलने पर फायर और इमरजेंसी सर्विस के लोग मौके पर पहुंचे और आग बुझाई. सुरपुरा थाने की पुलिस भी मौके पर पहुंची और जांच की.

हजारीबाग–चतरा सीमा पर नक्सली नेटवर्क को बड़ा झटका

केरेडारी में सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच भीषण मुठभेड़, 15 लाख का इनामी सहदेव महतो समेत 4 ढेर

हजारीबागः पारसनाथ की पहाड़ियों से लेकर लुगूझुमरा, संघरी घाटी और कुंदा के जंगलों तक फैले माओवादी नेटवर्क को सुरक्षा बलों ने बड़ी कार्रवाई में करारा झटका दिया है। हजारीबाग जिले के केरेडारी थाना क्षेत्र अंतर्गत खपिया जंगल में शुक्रवार दोपहर करीब एक बजे सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच भीषण मुठभेड़ हुई। लगभग एक घंटे तक चली इस मुठभेड़ में चार उग्रवादी मारे गए, जिनमें 15 लाख रुपये का इनामी रीजनल कमेटी सदस्य सहदेव महतो भी शामिल है। इस कार्रवाई को झारखंड में नक्सल विरोधी अभियान की बड़ी सफलता माना जा रहा है।

गुप्त सूचना के आधार पर संयुक्त अभियानः पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पारसनाथ–लुगूझुमरा सीमावर्ती इलाके में माओवादी दस्ते की मौजूदगी की पुख्ता गुप्त सूचना मिली थी। सूचना में बताया गया था कि शीर्ष कैडर के उग्रवादी किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में इलाके में जमा हुए हैं। इसके बाद जिला पुलिस और कोबरा बटालियन की संयुक्त टीम ने रणनीति बनाकर खपिया जंगल में घेराबंदी की और सघन सर्च अभियान शुरू किया। जैसे ही सुरक्षाबल आगे बढ़े, माओवादियों ने अचानक अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी, जिससे पूरा इलाका गोलियों की आवाज से गूंज उठा।

एक घंटे चली भीषण मुठभेड़ः माओवादियों की फायरिंग का सुरक्षाबलों ने मुंहतोड़ जवाब दिया। जवानों ने मोर्चा संभालते हुए चारों ओर से जवाबी कार्रवाई की और माओवादियों को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। करीब एक घंटे तक चली मुठभेड़ के बाद सुरक्षाबलों को भारी पड़ता देख माओवादी भागने लगे, लेकिन चार उग्रवादी मौके पर ही ढेर हो गए। मुठभेड़ के दौरान किसी भी सुरक्षाकर्मी के घायल होने की सूचना नहीं है, जिसे अभियान की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

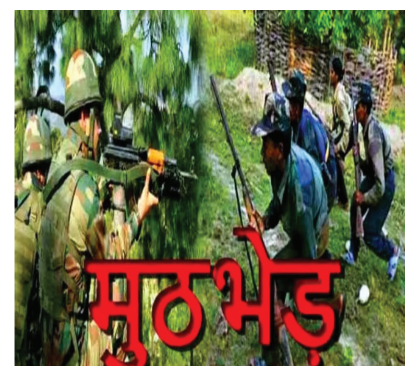

इनामी उग्रवादियों की पहचान, हथियारों की बड़ी बरामदगी

मुठभेड़ के बाद इलाके में चलाए गए सघन सर्च ऑपरेशन में चार शव, चार हथियार और बड़ी मात्रा में दैनिक उपयोग की सामग्री बरामद की गई। मारे गए उग्रवादियों की पहचान रीजनल कमेटी सदस्य सहदेव महतो (इनाम 15 लाख), जोनल कमेटी सदस्य रंजीत गंझू (इनाम 10 लाख), जोनल कमेटी सदस्य नताशा (गढ़चिरौली निवासी) तथा चतरा निवासी बुधन करमाली (इनाम 1 लाख) के रूप में की गई है। मौके से एके-47, कोल्ट एआर-15 राइफल, इंसास राइफल, कारतूस और अन्य नक्सली सामग्री जब्त की गई है।

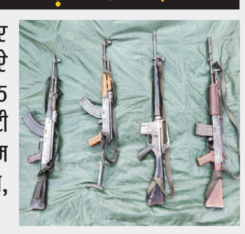

संगठन की कमर टूटने की उम्मीदः पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सहदेव महतो लंबे समय से पारसनाथ–लुगूझुमरा और हजारीबाग–चतरा सीमावर्ती क्षेत्र में माओवादी गतिविधियों का संचालन कर रहा था। वह संगठन की रणनीति, लेवी वसूली और हिंसक घटनाओं की योजना बनाने में अहम भूमिका निभाता था। उसके मारे जाने से न केवल माओवादी नेटवर्क को बड़ा नुकसान पहुंचा है, बल्कि संगठन की कमर टूटने की भी संभावना जताई जा रही है।

नक्सल प्रभावित इलाके में शांति की आसः गौरतलब है कि पारसनाथ–लुगूझुमरा क्षेत्र लंबे समय से नक्सल प्रभावित रहा है। माओवादी गतिविधियों के कारण यहां के ग्रामीण दहशत में जीवन यापन करते थे और सड़क, शिक्षा व स्वास्थ्य जैसे विकास कार्य भी प्रभावित होते रहे हैं। सुरक्षाबलों की इस निर्णायक कार्रवाई के बाद इलाके में नक्सली गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगने और शांति बहाली के साथ विकास कार्यों में तेजी आने की उम्मीद जताई जा रही है।

टीएमसी के लिए मैदान में उतरे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

पुरुलिया से होगी अभियान की शुरुआत, बांकुड़ा-मिदनापुर-झाड़ग्राम तक प्रचार

रांचीः झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 18, 19 और 20 अप्रैल को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के पक्ष में चुनाव प्रचार करेंगे. मुख्यमंत्री के दौरे की शुरुआत 18 अप्रैल को पुरुलिया जिले से होगी, जहां वे काशीपुर समेत तीन अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में जनसभाओं को संबोधित करेंगे. वे रांची से हेलीकॉप्टर के जरिए रवाना होंगे और शाम तक वापस लौटेंगे. फिर अगले दो दिनों तक उनका दौरा बांकुड़ा, मिदनापुर और झाड़ग्राम जैसे जिलों में भी प्रस्तावित है.

बिना प्रत्याशी उतारे टीएमसी को दिया समर्थनः झारखंड मुक्ति मोर्चा ने रणनीतिक रूप से इस बार बंगाल चुनाव में अपने उम्मीदवार नहीं उतारे हैं. पार्टी ने पहले ही ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी को पूर्ण समर्थन देने की घोषणा की थी. झामुमो महासचिव विनोद पांडेय के अनुसार, मुख्यमंत्री और पार्टी की स्टार प्रचारक कल्पना सोरेन भी इस अभियान में शामिल होकर टीएमसी उम्मीदवारों के पक्ष में माहौल बनाएंगी. पार्टी का मानना है कि आदिवासी बहुल इलाकों में झामुमो की पकड़ का फायदा सीधे तौर पर टीएमसी को मिलेगा.

क्षेत्रीय दलों की एकजुटता और 'सीमावर्ती' प्रभाव

हेमंत सोरेन का यह दौरा राजनीतिक दृष्टिकोण से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है. पश्चिम बंगाल के पुरुलिया और झाड़ग्राम जैसे जिले झारखंड की सीमा से सटे हैं, जहां संथाली और अन्य आदिवासी समुदायों की अच्छी संख्या है. यहां झामुमो का पारंपरिक प्रभाव रहा है. ऐसे में हेमंत सोरेन का प्रचार करना न केवल मतों के ध्रुवीकरण में सहायक होगा, बल्कि यह राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के खिलाफ क्षेत्रीय दलों की एकजुटता का एक बड़ा राजनीतिक संदेश भी है.

बंगाल में 23 और 29 अप्रैल को होने वाले मतदान से ठीक पहले हेमंत सोरेन का यह दौरा टीएमसी के लिए 'बूस्टर' साबित हो सकता है. झामुमो नेतृत्व ने स्पष्ट किया है कि वे पूरी मजबूती के साथ चुनावी मैदान में डटे रहेंगे ताकि "विभाजनकारी शक्तियों" को रोका जा सके. पुरुलिया की जनसभाओं के बाद 19 और 20 अप्रैल के कार्यक्रमों के लिए पार्टी ने विशेष तैयारी की है.

राज्यपाल संतोष गंगवार का सख्त निर्देश

विश्वविद्यालयों में संविदा नियुक्तियों पर ब्रेक, पुरानी बहालियों की होगी जांच

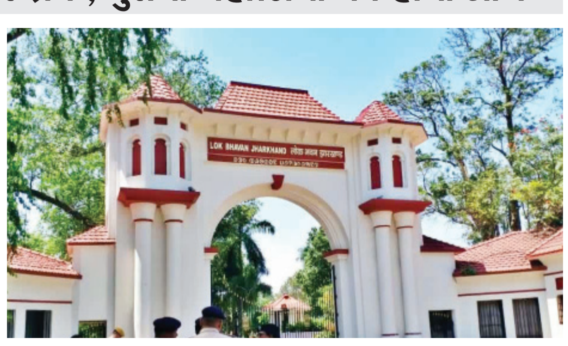

रांचीः राज्य के विश्वविद्यालयों में लंबे समय से चल रही अनियमितताओं की शिकायतों के बाद राज्यपाल सह कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार ने कड़ा रुख अपनाया है. उन्होंने सभी सरकारी विश्वविद्यालयों में तृतीय और चतुर्थ वर्ग के पदों पर संविदा के आधार पर की जा रही नियुक्तियों पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने का आदेश दिया है.

राज्यपाल ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी विश्वविद्यालय को ऐसे पदों पर कर्मियों की जरूरत होती है, तो उन्हें सीधे नियुक्त करने के बजाय राज्य सरकार द्वारा JAP-IT के माध्यम से सूचीबद्ध एजेंसियों से ही सेवाएं लेनी होंगी.

वित्तीय प्रबंधन के लिए नई व्यवस्था

विश्वविद्यालयों को वित्तीय अनुशासन में लाने के लिए भी अहम निर्देश दिए गए हैं. अब कोई भी विवि अपनी राशि चालू खाते में नहीं रख सकेगा. सभी फंड को बचत खाते या फिक्स्ड डिपॉजिट में रखना होगा और अधिकतम ब्याज दर देने वाले बैंक का चयन करना अनिवार्य होगा. इसके साथ ही वित्त विभाग के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए ही नए खाते खोले जाएंगे. साथ ही 2026-27 के बजट को सीनेट या सिंडिकेट से अनुमोदित कर लोकभवन को भेजना भी जरूरी किया गया है.

'लोकभवन से जारी आदेशों की जानकारी प्राप्त हुई है. विश्वविद्यालय प्रशासन इन निर्देशों का पूरी तरह पालन करेगा और जो भी आवश्यक कदम होंगे, उन्हें तय समय सीमा के भीतर लागू किया जाएगा.'
-गुरु चरण साहू, रजिस्ट्रार, रांची विश्वविद्यालय

तीन साल की नियुक्तियों का ब्योरा तलब

लोकभवन ने सभी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों से पिछले तीन वर्षों में की गई तृतीय और चतुर्थ वर्ग की संविदा नियुक्तियों का पूरा विवरण सात दिनों के भीतर उपलब्ध कराने को कहा गया है. इससे साफ संकेत है कि इन नियुक्तियों की गहन समीक्षा की जाएगी.

ओएसडी टू वीसी पर भी कार्रवाई

राज्यपाल ने कुलपतियों के विशेष कार्य पदाधिकारी (ओएसडी टू वीसी) के पद पर की गई नियुक्तियों को अवैध करार देते हुए ऐसे सभी कर्मियों को तत्काल उनके मूल पद पर वापस भेजने का निर्देश दिया है. आदेश में कहा गया है कि यह पोस्ट ऑफिशियली नहीं बनाई गई है, इसलिए इस पर किसी भी तरह की नियुक्ति और उससे जुड़े भुगतान मान्य नहीं होंगे.

मानद उपाधि पर भी नियंत्रण

अब विश्वविद्यालय बिना अनुमति के किसी को मानद डिग्री नहीं दे सकेंगे. डी.लिट या डीएससी जैसी उपाधियां देने से पहले लोकभवन से स्वीकृति लेना अनिवार्य होगा.

अग्रिम राशि का हिसाब

राज्यपाल ने शिक्षकों और कर्मचारियों द्वारा पूर्व में लिए गए सभी अग्रिमों का समायोजन कर 30 अप्रैल तक इसकी जानकारी देने का निर्देश भी जारी किया है.

उत्पाद सिपाही परीक्षा पेपर लीक केस : 28 आरोपियों की बेल पर सुनवाई, कोर्ट ने मांगी केस डायरी, कुल 166 है मामले में आरोपी

» इससे पहले 20 आरोपी भी दाखिल कर चुके हैं जमानत याचिका

रांचीः उत्पाद सिपाही भर्ती परीक्षा से जुड़े पेपर लीक मामले में गिरफ्तार कर जेल भेजे गए 28 आरोपियों की जमानत याचिका पर AJC योगेश कुमार की कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान कोर्ट ने केस डायरी मांगी है. अब अगली सुनवाई 20 अप्रैल को होगी.

जिन 28 आरोपियों ने जमानत याचिका दाखिल की है, उनमें अनिल कुमार यादव, विवेक कुमार सिंह, आकाश कुमार, शिवम सिंह, ममता कुमारी, मणिशंकर भगत, संजीत कुमार, संदीप कुमार, श्रीमती कुमारी, मोहम्मद मुख्तार अंसारी समेत अन्य शामिल हैं.

इससे पहले बुधवार को भी 20 आरोपियों ने जमानत याचिका दाखिल की थी. सभी ने कोर्ट में दलील थी कि उन्हें साजिश के तहत फंसाया गया है. कहा कि उन पर आपराधिक मुकदमा न चलाया जाए, नहीं तो उनका शैक्षणिक करियर समाप्त हो जाएगा.

दोहरी नागरिकता मामले में राहुल गांधी के खिलाफ दायर होगी एफआईआर, इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने दिया आदेश

लखनऊः लखनऊ हाईकोर्ट ने राहुल गांधी के खिलाफ मामला दर्ज करने का आदेश दिया है. दोहरी नागरिकता से जुड़े मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने आज ये फैसला सुनाया. कोर्ट ने कहा है कि राज्य सरकार या तो ख़ुद जांच करे या सेंट्रल एजेंसी को रेफर करके जांच कराये. लेकिन ये आरोप जांच का विषय है. यह मामला रायबरेली ट्रायल कोर्ट से ख़ारिज होने के बाद हाईकोर्ट पहुंचा था. लखनऊ की सांसद-विधायक अदालत ने कहा था कि वह नागरिकता के मुद्दे पर फैसला करने के लिए सक्षम नहीं है.

याचिकाकर्ता कर्नाटक का एक भाजपा कार्यकर्ता है. उन्होंने राहुल गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने और इस मामले में उनके खिलाफ विस्तृत जांच की मांग की थी. उन्होंने भारतीय न्याय संहिता, सरकारी गोपनीयता कानून, विदेशी अधिनियम और पासपोर्ट एक्ट के तहत गांधी के खिलाफ कई आरोप लगाए हैं.

लखनऊ की अदालत ने खारिज कर दी थी याचिकाः यह शिकायत शुरू में रायबरेली की विशेष सांसद-विधायक अदालत में दायर की गई थी, लेकिन शिकायतकर्ता विग्नेश की याचिका पर, इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने 17 दिसंबर, 2025 को उक्त आपराधिक शिकायत मामले को रायबरेली से लखनऊ स्थानांतरित कर दिया था. लखनऊ की सांसद-विधायक अदालत ने 28 जनवरी, 2026 को उक्त याचिका खारिज कर दी थी, जिसके खिलाफ याचिकाकर्ता ने उच्च न्यायालय का रुख किया था.

लोकसभा में संविधान संशोधन विधेयक पर गतिरोध, 298 सांसदों के समर्थन के बावजूद पारित नहीं हो सका प्रस्ताव

अमित शाह बोलेः महिला आरक्षण के खिलाफ है 'इंडी' गठबंधन, महिलाएं देख रही हैं कि रास्ते का रोड़ा कौन है

नई दिल्लीः महिला आरक्षण अधिनियम से जुड़ा 'संविधान (131वां) संशोधन विधेयक, 2026' शुक्रवार को लोकसभा में पारित नहीं हो सका। मत विभाजन के दौरान विधेयक के पक्ष में 298 जबकि विरोध में 230 सांसदों ने मतदान किया। संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए आवश्यक दो-तिहाई बहुमत नहीं मिलने के कारण यह विधेयक गिर गया। इसके साथ ही इससे जुड़े 'परिसीमन विधेयक, 2026' और 'संघ राज्य विधि (संशोधन) विधेयक, 2026' को भी आगे नहीं बढ़ाया जा सका।

संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि संविधान संशोधन विधेयक पारित नहीं होने की स्थिति में उससे संबंधित अन्य विधेयकों पर कार्यवाही संभव नहीं है। उल्लेखनीय है कि इस विधेयक के जरिए लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को 2029 के लोकसभा चुनाव से लागू करने का प्रावधान था।

इस मुद्दे पर सरकार और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिली। गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्षी दलों पर महिला आरक्षण का विरोध करने का आरोप लगाते हुए कहा कि देश की महिलाएं देख रही हैं कि उनके "रास्ते का रोड़ा" कौन है और आने वाले समय में विपक्ष को महिलाओं के आक्रोश का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि परिसीमन का विरोध करने वाले दल दरअसल अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की आरक्षित सीटों में बढ़ोतरी का भी विरोध कर रहे हैं।

अमित शाह ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रस्तावित परिसीमन से दक्षिण भारत के राज्यों को प्रतिनिधित्व के स्तर पर कोई नुकसान नहीं होगा। उन्होंने आंकड़ों के माध्यम से बताया कि सीटों की संख्या बढ़ने के बावजूद इन राज्यों का प्रतिशत लगभग समान रहेगा। साथ ही उन्होंने मुस्लिम आरक्षण की मांग को संविधान के विरुद्ध बताते हुए कहा कि भारतीय संविधान धर्म के आधार पर आरक्षण की अनुमति नहीं देता। गृह मंत्री ने यह भी साफ किया कि जाति जनगणना को टालने का आरोप निराधार है और इसकी प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है।

ईरान ने खोला होर्मुज स्ट्रेट, वाणिज्यिक जहाजों की आवाजाही फिर हुई सामान्य

तेहरानः ईरान ने रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य को वाणिज्यिक जहाजों के लिए खोलने का ऐलान किया है। ईरानी प्रशासन के अनुसार, अब कमर्शियल शिपिंग इस समुद्री मार्ग से नियमित रूप से गुजर सकेगी। इस फैसले को वैश्विक ऊर्जा बाजार और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए बड़ी राहत के रूप में देखा जा रहा है।

होर्मुज स्ट्रेट विश्व के सबसे व्यस्त और संवेदनशील समुद्री मार्गों में शामिल है, जहां से दुनिया के कुल कच्चे तेल का करीब एक-पांचवां हिस्सा गुजरता है। बीते कुछ समय से क्षेत्रीय तनाव, सैन्य गतिविधियों और सुरक्षा चिंताओं के कारण इस मार्ग पर आवागमन को लेकर अनिश्चितता बनी हुई थी, जिससे तेल कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा गया।

ईरान के इस निर्णय से एशिया, यूरोप और अमेरिका को तेल आपूर्ति करने वाले देशों और शिपिंग कंपनियों को राहत मिलने की उम्मीद है। विशेषज्ञों का मानना है कि होर्मुज स्ट्रेट के खुलने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्थिरता आएगी और कच्चे तेल की कीमतों पर दबाव कम होगा। यह कदम क्षेत्रीय तनाव घटाने और कूटनीतिक संतुलन बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें...

वन अधिकारी ने वन क्षेत्र में कार्य करते पकड़ा जेसीबी मशीन

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बाराडीह वन क्षेत्र में कार्य करते वन अधिकारी ने एक जेसीबी मशीन को पकड़ा है। वन क्षेत्र बाराडीह में शुक्रवार को जेसीबी मशीन से खेत का निर्माण कार्य करने की सूचना बरकट्ठा वन विभाग को मिली। जिसके पश्चात बरकट्ठा फारेस्टर पंकज कुमार ने घटनास्थल पर पहुंच कर जेसीबी मशीन को जप्त कर वन कार्यालय बरकट्ठा लाया। इस बाबत फारेस्टर ने बताया कि मामले का जांच पड़ताल किया जा रहा है। जिसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि वनरक्षी सिकंदर कुमार को इसकी जांच पड़ताल कर रिपोर्ट मांगी गई है। जानकारी हो कि खेत बनाने के कार्य में लगे जेसीबी मशीन जहां से पकड़ा गया है वहां आस पास पूरा वन क्षेत्र में आता है।

विधायक के सौजन्य आंगो में लगा 100 केवीए का नया ट्रांसफार्मर

बड़कागांव(हज़ारीबाग)। प्रखंड के आंगो गांव में बहुत दिनों से ट्रांसफार्मर खराब हो जाने से ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। इसके बाद आंगो के ग्रामीणो ने बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी को इसकी सूचना दी। जिस पर विधायक रौशन लाल चौधरी तत्परता दिखाते हुए बिजली विभाग से बात कर के तुरन्त ग्रामीणों को 100केवीए का नया ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराया। तत्पश्चात गांव के भाजपा आजसू नेता एवं कार्यकर्ताओं ने संयुक्त रूप से पिता काट एवं नारियल फोड़ कर ट्रांसफार्मर का उद्घाटन किया। जिसके बाद गांव में बिजली बहाल हुई। बिजली आते हैं ग्रामीणों के चेहरे में खुशी झलक उठी और ग्रामीणों ने विधायक रोशन लाल चौधरी को धन्यवाद दिया। मौके पर भाजपा नेता जगेश्वर तुरी,बढन तुरी, आजसू नेता नागेश्वर तुरी, सुरेश प्रसाद दांगी, मुरली महतो, राजेश महतो, अमन गंझू, आंगो पंचायत के उप मुखिया लालो महतो, आंगो पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि महेंद्र मांझी, फुलेशवर महतो, जमुना प्रसाद,शिबू महतो, बाबूलाल महतो, कुलदीप महतो, कलेश्वर महतो, प्रदीप भुईयां,तिलेश्वर महतो सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

ब्रह्मर्षि विकास मंच का 19-20 अप्रैल 2026 को अमल संघ सिदगोड़ा में सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार का भव्य आयोजन

जमशेदपुर । ब्रह्मर्षि विकास मंच द्वारा होने वाले सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार को लेकर बिस्टुपुर स्थित तुलसी भवन में एक प्रेसवार्ता आयोजित कर मंच के केंद्रीय अध्यक्ष राम नारायण शर्मा, संरक्षक राम प्रकाश पाण्डेय, कार्यकारी अध्यक्ष सुधीर कुमार सिंह, महासचिव मुकेश कुमार और कार्यक्रम के प्रभारी प्रभाकर शर्मा ने संयुक्त रूप से जानकारी साझा किया। प्रेसवार्ता में बताया गया कि आगामी 19 और 20 अप्रैल को ब्रह्मर्षि समाज के द्वारा सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार का आयोजन सिदगोड़ा स्थित अमल संघ मैदान में किया जा रहा है। इस आयोजन में 41 बटुकों का यज्ञोपवीत अभी तक सुनिश्चित हुआ है और कुछ बढ़ने की भी संभावना है। इस आयोजन का यह लगातार आठवां वर्ष है। इस आयोजन का मूल उद्देश्य आज कल के भाग दौड़ के समय में समाज अपने संस्कार के साथ बंधा रहे, सबका संस्कार समय पर हो, अर्थ की बचत हो, सामूहिक आने का संस्कार भी बने, समाज के लिए सहयोग बढ़ाना, समय की बचत हो । इस आयोजन को लेकर मंच पिछले डेढ़ महीने से लगातार बैठकों और संपर्क के माध्यम से प्रयास कर रहा है। अभी तक मंच की 15 इकाई ने जमशेदपुर में रहने वाले ब्रह्मर्षि समाज के हजारो घरों में संपर्क किया। यह कार्यक्रम समाज के प्रत्येक व्यक्ति के तन, मन और धन के सहयोग से हो रहा है। इस कार्यक्रम में यज्ञोपवीत हेतु बैकुण्ठवासी स्वामी रंग रामानुजाचार्य जी महाराज के महान कृपापात्र आचार्य डॉक्टर रंगेश शर्मा जी और उनकी 11 लोगों की टीम बिहार से आ रही है। 19 अप्रैल को मड़वा, मटकोंड आदि होंगे और दूसरे दिन जनेऊ होगा।

लैंडफिल में जाने वाले खाद्य कचरे को कम करने के लिए नए 'बल्क वेस्ट जनरेटर' दिशा-निर्देश लागू

जमशेदपुर । शहरी स्थिरता को सुदृढ़ करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, जमशेदपुर अक्षेस (JNAC) और टाटा स्टील UISL द्वारा आज सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट (SWM) नियम 2026 पर एक रणनीतिक कार्यशाला का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि ये नए नियम 1 अप्रैल, 2026 से प्रभावी हो चुके हैं। इस सत्र का नेतृत्व जेएनएसी के उपनगर आयुक्त कृष्ण कुमार ने किया, जिसमें मुख्य रूप से होटलों, रेस्टोरेंटों और बैंक्वेट हॉलों के लिए अनुपालन (compliance) पर जोर दिया गया। नए नियामक ढांचे के तहत, 20,000 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्रफल वाले, प्रतिदिन 5,000 लीटर से अधिक जल उपभोग करने वाले, या प्रतिदिन 100 किलोग्राम से अधिक कचरा उत्पन्न करने वाले संस्थानों को बल्क वेस्ट जनरेटर (BWG) की श्रेणी में रखा गया है। इन संस्थानों के लिए अब कचरे का 100% स्रोत पृथक्करण (source segregation) अनिवार्य है, जिसे गीला, सूखा, सैनिटरी और घरेलू खतरनाक कचरे की चार श्रेणियों में बांटना होगा। 2026 के नियमों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा यह है कि गीले कचरे का निपटान संस्थान के परिसर के भीतर ही बायो-मिथेनाइजेशन प्लांट या ऑर्गेनिक वेस्ट कन्वर्टर (OWC) के माध्यम से करना होगा। साथ ही, कचरे की रियल-टाइम ट्रैकिंग के लिए सभी जनरेटरों को ऑनलाइन पंजीकरण करना अनिवार्य है। गोष्ठी का समापन वैज्ञानिक निपटान की आवश्यकता और कचरे को इधर-उधर फेंकने पर सख्त रोक के निर्देश के साथ हुआ। व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने के लिए दिन में दो बार कचरा संग्रहण (collection) प्रणाली पर भी चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त, खाद्य कचरे को लैंडफिल तक जाने से रोकने के लिए विशेष निर्देश जारी किए गए, जिसमें खाद्य कचरे को सुअरों (piggeries) को खिलाने की प्रथा पर पूर्ण प्रतिबंध शामिल है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी जैविक कचरे का प्रबंधन मानक और स्वच्छ प्रक्रियाओं के माध्यम से किया जाए। यह पहल जमशेदपुर को स्वच्छ और सतत वातावरण प्रदान करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है ।

मानगो महापौर सुधा गुप्ता की अध्यक्षता में नगर निगम के मासिक बोर्ड बैठक का आयोजन, कई मूलभूत समस्याओं पर चर्चा

जमशेदपुर । एनएच 33 स्थित होटल रीवा में मानगो नगर निगम की मेयर सुधा गुप्ता एवं उप मेयर राहुल कश्यप तथा उप नगर आयुक्त कृष्ण कुमार की उपस्थिति में निगम के सभी वार्ड पार्षद गण के साथ बैठक की गई । बैठक में सहायक नगर आयुक्त आकिब जावेद, चंदन कुमार , सिटी मैनेजर निशांत कुमार , निर्मल कुमार सहित कार्यालय के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। महापौर सुधा गुप्ता को उप नगर आयुक्त कृष्ण कुमार के द्वारा पौधा देकर स्वागत किया गया । वहीं

उप महापौर और वार्ड पार्षद गण को भी पौधा देकर सम्मानित किया गया । बैठक के दौरान नगर निगम अंतर्गत संचालित सभी योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई और

महापौर की अनुमति से बोर्ड बैठक की कार्रवाई आरंभ की गई । बैठक में विभिन्न प्रस्ताव रखे गए जिन पर विशेष रूप से चर्चा की गई । नगर निगम क्षेत्र में साफ सफाई, स्ट्रीट लाइट, फॉगिंग कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने पर चर्चा किया गया। वहीं महापौर के द्वारा बैठक में बताया गया कि आने वाले बारिश मौसम को देखते हुए सभी छोटे एवं बड़े नालों की सफाई का कार्य पूर्ण किया जाए एवं सभी चापाकल की मरूमती कराए जाने की कार्य योजना पर भी विचार विमर्श किया गया । सफाई संवेदको के द्वारा पर्याप्त संख्या में साफ सफाई कार्यो में सफाई कर्मियों लगाने के लिए निर्देशित किया गया तथा वार्ड वाइज सफाई कर्मियों को लगाने एवं देखरेख करने पर चर्चा किया गया । प्रतिदिन सभी वार्डों में रूट निर्धारित करते हुए फॉगिंग करने पर विचार विमर्श किया गया। इस दौरान महापौर के द्वारा सभी वार्ड पार्षदों को ड्राई जॉन चिन्हित करते हुए लिस्ट उपलब्ध कराने की जानकारी दी गई ताकि उन क्षेत्रों में डीप बोरिंग या अन्य रूप से पानी उपलब्ध करने की सुविधा कराया जा सके। क्षेत्र में पाइपलाइन का विस्तार करते हुए जलापूर्ति उपलब्ध कराई जाने पर चर्चा किया गया ।

साथ ही बताया गया कि पानी की आपूर्ति के लिए इंटेक वेल आदि का निर्माण कराने की समस्या को दूर किया जाएगा , इसके लिए सरकार को पत्राचार भी किया जाएगा।

मानगो में ट्रैफिक जाम से निजात पाने के लिए कई तरह का निर्णय लिया गया एवं वेंडिंग जोन निर्माण हेतु जगह चिन्हित करने का भी निर्णय लिया गया। पूरे नगर निगम क्षेत्र में सुरक्षा की दृष्टिकोन से सीसीटीवी कैमरा , चौक चौराहा में लगाने पर चर्चा किया गया । बैठक में महापौर के द्वारा यह भी बताया गया की मानगों नगर निगम क्षेत्र के एंट्री होने के दौरान मुख्य सड़कों के ऊपर मुख्य द्वार बनाने पर चर्चा किया गया एवं बालिगुमा, पारडीह , मानगो बस स्टैंड , डिमना लेक आदि क्षेत्रों में लोहे या स्टील का बड़ा मुख्य द्वार बनाने एवं द्वार में मानगो नगर निगम का उल्लेख करने का निर्देश दिया गया। साथ ही महापौर के द्वारा बताया गया कि जैसे हम लोग घर को स्वच्छ रखते हैं उसी तरह से नगर निगम को भी स्वच्छ रखना है । प्रमुख चौक चौराहा पर ट्रैफिक सिग्नल लगाने आदि पर विचार विमर्श किया गया । महापौर के द्वारा मानगो नगर निगम अंतर्गत संचालित सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिर का निरीक्षण करने की बात कही गई। आयुष्मान आरोग्य मंदिर में आवश्यक सामग्री लगाने का निर्देश दिया गया एवं उलीडीह स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर को रिनोवेट करने पर चर्चा किया गया। कुमरूम बस्ती स्थित आश्रय गृह का निरीक्षण करने की बात कही गई । वार्ड समिति ,स्थाई समिति, जोनल समिति सहित अन्य समिति बनाने की सहमति दी गई । वार्ड वाइज स्वास्थ्य सुविधा हेतु मोबाइल क्लीनिक एम्बुलेंस चलाने का निर्णय लिया गया ।

वार्ड वाइज जन आरोग्य समिति बनाने का भी निर्णय लिया गया । मानगो नगर निगम कार्यालय हेतु कार्यालय भवन निर्माण करने का निर्णय लिया गया। बैठक में महापौर के द्वारा सभी को स्वच्छता का शपथ भी दिलाया गया । स्वच्छ भारत मिशन के तहत नगर निगम क्षेत्र को साफ सुथरा करते हुए उत्कृष्ट का स्थान लेने का निर्णय लिया गया ।

इसके अलावा कई तरह के योजनाओं एवं कार्यों पर मंथन किया गया एवं बेहतर मानगो बनाने हेतु कार्य करने का निर्णय लिया गया । इसके अलावा विभिन्न कई तरह की योजनाएं पर भी कार्य करने का निर्णय लिया गया। स्वच्छता शपथ के साथ-साथ धन्यवाद ज्ञापन के साथ बोर्ड बैठक की कार्रवाई समाप्त की गई ।

पुलिस ने लगातार हो रही चोरी की घटना का किया उद्भेदन, एक गिरफ्तार, 565 किताब बरामद

हज़ारीबाग। हजारीबाग जिला के इचाक थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रो आर एम उच्च विद्यालय चंदा मे हुई चोरी की घटना का उद्भेदन कर दिया। इस मामले में एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत मे भेज दिया है । साथ ही चोरी गए 565 किताब को भी बरामद कर लिया है। पुलिस ने राहुल कुमार (पिता ईश्वर प्रसाद मेहता) ग्राम उरुका, थाना इचाक को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। थाना प्रभारी गौतम कुमार ने बताया कि प्रो उच्च विद्यालय चंदा के लाइब्रेरी मे घुसकर किताब की चोरी किया था।इस संबंध मे विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष मंटू प्रसाद मेहता ने लिखित आवेदन दिया था। इसके बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए चोरी गए किताब के साथ अभियुक्त राहुल कुमार को गिरफ्तार कर शुक्रवार को न्यायिक हिरासत मे भेज दिया गया है। इधर इचाक पुलिस द्वारा लगातार चोरी की घटना का उद्भेदन करने से आम ग्रामीणों ने पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ा है। छापामारी दल मे पुलिस निरीक्षक जगलाल मुंडा, थाना प्रभारी गौतम कुमार, एएसआई मंगलदेव उरांव, सच्चिदानंद राय के अलावा पुलिस के जवान शामिल थे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में फोकल एमडीए कार्यक्रम को लेकर प्रखंड स्तरीय टास्क फोर्स की हुई बैठक

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में फोकल एमडीए कार्यक्रम को लेकर प्रखंड स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख रेणु देवी ने की व संचालन बीटीटी प्रकाश पंडित ने किया। एमपीडब्ल्यू अनिल कुमार ने फोकल एमडीए कार्यक्रम से संबंधित जानकारी लोगों को दी। बताया कि यह कार्यक्रम 20 अप्रैल से शुरू होकर 5 मई तक चलेगा। 20 तारीख को बुथ पर दवा खिलाया जाएगा एवं 21 तारीख से लेकर 5 मई तक सहिया दीदी घर-घर जाकर परिवार के सदस्यों को दवा खिलाएगी। इसके लिए कुल 16 गांवों को चिन्हित किया गया है। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ रत्ना रानी कुंज ने एचपीभी इंजेक्शन के बारे में जानकारी देते हुए कहा की 14 से 15 साल के बीच के किशोरियों को यह इंजेक्शन लगवाना है ताकि सर्वाइकल कैंसर से बचाव किया जाए. एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि 5 से 10 वर्ष के किशोर एवं किशोरियों को आयरन पिंकी गोली सप्ताह में एक गोली एवं 10 से 19 वर्ष के किशोर एवं किशोरियों को आयरन ब्लू गोली सप्ताह में एक गोली खाना है. एसटीएस विवेक कुमार ने बताया कि 100 डेज टीवी कैंपेन के तहत 23 गांवों में स्पेशल टीवी मैरिज स्क्रीनिंग का कार्य चल रहा है. जिसमे 23 गांव में 14 साल से ऊपर वाले को एक्स-रे भी किया जाएगा ताकि लोगों को टीबी बीमारी का जांच किया जा सके. बैठक में प्रखंड सूत्री अध्यक्ष प्रदीप प्रसाद, डॉ कार्तिक उरांव, प्रधान लिपिक सोनी रविदास, बीपीएम रंजीत कुमार सिंह, हेल्थ मैनेजर पंकज कुमार, सुपरवाइजर कुमारी संयुक्ता, जेएसएलपीएस नीरज कुमार, भवेश सिंह, बीटीटी नरोत्तम कुमार समेत काफी संख्या में लोग उपस्थित थे.

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में जमशेदपुर में प्रमुख जन गोष्ठी आयोजित

जमशेदपुर । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में जमशेदपुर स्थित तुलसी भवन के सभागार में एक गरिमामयी प्रमुख जन गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक एवं औद्योगिक क्षेत्रों से जुड़े अनेक गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय मजदूर संघ के अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री वी. सुरेंद्रन जी ने अपने विचार प्रस्तुत किए। अपने संबोधन में उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100 वर्षों की गौरवशाली यात्रा, उसके राष्ट्र जीवन में योगदान तथा समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उसके व्यापक कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने स्थापना काल से ही राष्ट्र को संगठित, सशक्त एवं संस्कारित बनाने का कार्य किया है। सेवा, समर्पण और संगठन के मूल मंत्र के साथ संघ ने समाज के प्रत्येक वर्ग को जोड़ने का प्रयास किया है। शिक्षा, सेवा, ग्राम विकास, स्वावलंबन तथा आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में संघ के स्वयंसेवकों का योगदान उल्लेखनीय रहा है। श्री सुरेंद्रन जी ने अपने वक्तव्य में "पंच परिवर्तन" की अवधारणा पर भी विशेष बल दिया। उन्होंने बताया कि सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी तथा नागरिक कर्तव्यों के पालन जैसे पांच प्रमुख आयामों के माध्यम से समाज में सकारात्मक और स्थायी परिवर्तन लाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने उपस्थित जनसमूह से इन विषयों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संघ का शताब्दी वर्ष केवल उत्सव का विषय नहीं, बल्कि आत्मचिंतन और समाज के प्रति अपने दायित्वों को और अधिक प्रभावी ढंग से निभाने का संकल्प लेने का अवसर है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे राष्ट्र निर्माण के इस महायज्ञ में सक्रिय भागीदारी निभाएं और अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहें। कार्यक्रम के दौरान विषय प्रवेश महानगर कार्यवाह रविंद्र नारायण जी ने किया व मंच संचालन सह महानगर कार्यवाह मृत्युंजय जी ने किया । मंच पर महानगर के सह संघचालक भास्कर जोशी जी की उपस्थिति रही ।

जमशेदपुर पहुँची भगवान परशुराम की भव्य प्रतिमा, 19 अप्रैल को होगी स्थापना

जमशेदपुर । राजस्थान की राजधानी जयपुर में निर्मित भगवान् परशुराम की भव्य प्रतिमा गुरुवार को जमशेदपुर पहुँच गई। यह प्रतिमा बागबेड़ा स्थित परशुराम भवन में सुरक्षित रखी गई है, जहां 19 अप्रैल को अक्षय तृतीया के अवसर पर विधिवत पूजन के बाद इसकी स्थापना की जाएगी। बताया जा रहा है कि करीब 1.80 लाख रुपये की लागत से संगमरमर से तैयार यह प्रतिमा काफी भारी है। इसके वजन को देखते हुए इसे वाहन से उतारने के लिए विशेष उपकरण और वाहन की सहायता लेनी पड़ी। प्रतिमा के शहर पहुँचने के साथ ही श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है। ब्राह्मण युवा शक्ति संघ के संस्थापक अप्पू तिवारी ने बताया कि भगवान परशुराम प्राकट्योत्सव के अवसर पर 19 अप्रैल को विधिवत पूजा-अर्चना के बाद प्रतिमा को परशुराम भवन में स्थापित किया जाएगा। इस आयोजन को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। वहीं पूर्व संध्या पर 18 अप्रैल को जुगसलाई से बागबेड़ा तक शोभा यात्रा का आयोजन निश्चित किया गया है ।

उन्होंने बताया कि फिलहाल आयोजन स्थल पर प्रतिमा स्थापना को लेकर सौंदर्यीकरण और अन्य आवश्यक कार्य अंतिम चरण में हैं। आयोजन को भव्य और आकर्षक बनाने के लिए विशेष सजावट की जा रही है, ताकि यह स्थल श्रद्धालुओं के लिए आस्था का प्रमुख केंद्र बन सके। मूर्ति स्थापित में मुख्य रूप से परशुराम भवन में विमलेश उपाध्याय, आनंदी ओझा, रामनाथ दुबे, मुन्ना मिश्रा, महेश मिश्र,अंकित आनंद, पवन ओझा, सोनू झा, रंजीत झा,समेत अन्य मौजूद रहे ।

वरीय पत्रकार जितेंद्र कुमार के पुत्र प्रीतेश ने CBSE 10वीं में 94% अंक लाकर किया नाम रोशन , बिना ट्यूशन के यूट्यूब से पढ़ाई कर हासिल की सफलता

जमशेदपुर । सीबीएसई 10वीं बोर्ड परीक्षा में वरीय पत्रकार जितेंद्र कुमार के पुत्र प्रीतेश कुमार ने 94 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार सहित पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। प्रीतिश ने बिना किसी ट्यूशन के केवल यूट्यूब के माध्यम से पढ़ाई कर यह मुकाम हासिल किया। उनके विषयवार अंक इस प्रकार हैं— अंग्रेज़ी में 93, संस्कृत में 98, गणित (स्टैंडर्ड) में 79, विज्ञान में 92, सामाजिक विज्ञान में 87 तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में 100 अंक प्राप्त किए। प्रीतेश ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, शिक्षकों और निरंतर मेहनत को दिया। उन्होंने बताया कि डिजिटल माध्यमों का सही उपयोग कर उन्होंने अपनी पढ़ाई को बेहतर बनाया।

भविष्य की योजना के तहत प्रीतिश कक्षा 11 में ह्यूमैनिटीज़ के साथ गणित विषय का चयन करेंगे और आगे चलकर पब्लिक सर्विस/सरकारी सेवा में अपना करियर बनाना चाहते हैं। वरीय पत्रकार जितेंद्र कुमार ने अपने पुत्र की इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए कहा कि अनुशासन, मेहनत और सही दिशा में प्रयास से बिना ट्यूशन के भी सफलता संभव है। उन्होंने अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरित किया कि वे आधुनिक संसाधनों का सकारात्मक उपयोग करें।

उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने समाहरणालय से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया "आठवां पोषण पखवाड़ा" जागरूकता रथ

दुमकाः उपायुक्त अभिजीत सिन्हा द्वारा समाहरणालय परिसर से "आठवां पोषण पखवाड़ा" के तहत जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उपायुक्त ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और कुपोषण के उन्मूलन के लिए आमजन को प्रेरित करना है। जागरूकता रथ 23 अप्रैल तक विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों का भ्रमण करेगा।

इसके बाद समाहरणालय सभागार में उपायुक्त की अध्यक्षता में समाज कल्याण विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने पहले की बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को योजनाओं का लाभ पात्र लाभुकों तक समयबद्ध एवं प्रभावी रूप से सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थिति, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, पोषण ट्रैकर,अपार आई डी रिपोर्ट, पेयजल, शौचालय एवं विद्युत व्यवस्था, पी एम-जन मन , धरती आबा सहित विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई। इसके साथ ही सक्षम आंगनबाड़ी केंद्रों में आधारभूत संरचना, पोषण वाटिका निर्माण, केंद्र भवन निर्माण/रख-रखाव/उन्नयन, रेन वाटर हार्वेस्टिंग एवं एम टी सी से संबंधित प्रगति की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि लाभुकों को योजनाओं का समुचित लाभ प्राप्त हो सके।बैठक के उपरांत उपायुक्त ने सहिया एवं सेविकाओं को शॉल एवं बंडी प्रदान की और पोषण पखवाड़ा 2026 के सफल आयोजन हेतु शपथ दिलाई।बैठक में उप विकास आयुक्त, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राँची।
सर्वसाधारण के लिए सूचना।

नाम–अंश कुमार, उम्र–12 वर्ष, उँचाई–4 फीट, रंग–गोरा, पहनावा–लाल सफेद टी शर्ट, सफेद जिन्स पहने हुए है।

उपरोक्त लापता/अपहृत लड़का अंश कुमार, उम्र–12 वर्ष, पिता–प्रकाश महतो, स्थायी पता–ग्राम सिठियो, थाना–सेन्हा, जिला–लोहरदगा, वर्तमान पता–ग्राम सिमलिया नया टोली, थाना–रातु, जिला–राँची जो दिनांक–07.04.2026 को अपने घर से बगैर बताए कहीं चले गए है जो आजतक अपने घर वापस नहीं आए है। जिसके संबंध में रातु थाना काण्ड सं0–114/2026, दिनांक–07.04.2026 दर्ज कर इनकी खोजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता/अपहृत लड़का कहीं मिलता/दिखता है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

Email ID(rnc-dcb@jhpolice.gov.in)

पुलिस उपाधीक्षक, मु0, द्वितीय, रॉची। – 9431706141
थाना प्रभारी, रातु, राँची। – 9431706175

वरीय पुलिस अधीक्षक, राँची।

PR 377742 Police(26-27)D

संक्षिप्त खबरें

फिजिक्सवाला की सीबीएसई 10वीं बोर्ड में रिकॉर्ड सफलता

संवाददाता रांचीः फिज़िक्सवाला (पीडब्ल्यू) के लिए आज का दिन गर्व और उत्सव का रहा, जब इसके कई विद्यार्थियों ने सीबीएसई कक्षा 10 बोर्ड परीक्षा 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उच्च अंक प्राप्त किए। इनमें कुछ विद्यार्थियों ने शत-प्रतिशत (100%) अंक हासिल कर देश में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों में पंजाब के फाजिल्का से वैभव अरोड़ा, गुजरात के अहमदाबाद से अमोलिक पंडिता और ओडिशा के भुवनेश्वर से आयुष्मान महापात्रा शामिल हैं, जिन्होंने 100 प्रतिशत अंक प्राप्त कर देश में सर्वोच्च स्थान हासिल किया। इसके अतिरिक्त, पीडब्ल्यू विद्यापीठ, जो फिज़िक्सवाला के तकनीक-सक्षम ऑफलाइन केंद्र हैं, ने रांची में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया। इस समारोह में शहर के उन विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया जिन्होंने सीबीएसई कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा 2026 में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। अपने अनुभव साझा करते हुए वैभव अरोड़ा ने कहा, "नियमित तैयारी, सतत अभ्यास और स्कूल व पीडब्ल्यू शिक्षकों के मार्गदर्शन ने मुझे पूर्ण अंक प्राप्त करने में मदद की। अमोलिक पंडिता ने बताया, "नियमित रिविजन और मॉक टेस्ट हल करना मेरे लिए 100% अंक लाने में बहुत सहायक रहा।" आयुष्मान महापात्रा ने कहा, "अनुशासन बनाए रखते हुए एक सुव्यवस्थित अध्ययन योजना का पालन करना मेरी सफलता की कुंजी रहा।

एच एम पब्लिक स्कूल का परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत

वैष्णवी कुमारी (90%)

संवाददाता, रांचीः एच एम पब्लिक स्कूल ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा 2026 में शत-प्रतिशत परिणाम दर्ज कर शानदार उपलब्धि हासिल की है। विद्यालय के टॉप-10 विद्यार्थियों में वैष्णवी कुमारी (90%), आदर्श प्रजापति (89.4%), दीप सेन (88.6%), समीर पांडे (87.8%), उत्तम कुमार (82.4%), नंदिनी कुमारी (82.4%), रिशिका कुमारी (82.2%), रोनित सिंह (80.2%), अभिषेक चौरसिया (80%) और आंचल कुमारी (80%) शामिल हैं। विषयवार उत्कृष्ट प्रदर्शन में अंग्रेजी में वैष्णवी कुमारी और दीप सेन (91), हिंदी में वैष्णवी कुमारी (93), गणित में समीर पांडे (85), विज्ञान में समीर पांडे (87), सामाजिक विज्ञान में आदर्श प्रजापति (94) तथा कंप्यूटर में दीप सेन (92) अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय के प्राचार्य अरविंद कुमार ने कहा कि इस वर्ष गणित और विज्ञान के प्रश्न अपेक्षाकृत कठिन थे, फिर भी छात्रों ने सराहनीय प्रदर्शन किया। उन्होंने इस सफलता का श्रेय छात्रों की मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के सहयोग को दिया। इस अवसर पर विद्यालय में विद्यार्थियों को बुलाकर शिक्षकों के साथ मुंह मीठा कराया गया।

ये छिपे संकेत भी बताते हैं पार्किंसन्स की शुरुआत

संवाददाता रांचीः पार्किंसन्स रोग को सबसे पहले "शेकिंग पाल्सी" के रूप में वर्णित किया गया था और यह डिमेंशिया के बाद दूसरा सबसे आम न्यूरोडीजेनेरेटिव डिसऑर्डर है। आमतौर पर लोग इसे केवल कंपन (ट्रेमर) से जोड़ते हैं, लेकिन जब कंपन के साथ गिरने की प्रवृत्ति और मूवमेंट में कमी दिखे, तो यह इस बीमारी का संकेत हो सकता है। इसे क्लच और गियर की खराबी की तरह समझा जा सकता है, जहां शरीर की गति और कोऑर्डिनेशन प्रभावित हो जाते हैं। डोपामिन शरीर में एक तरह के फ्यूल या लुब्रिकेंट की तरह काम करता है, जो स्मूथ मूवमेंट के लिए जरूरी है। मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, साकेत के न्यूरोलॉजी विभाग के सीनियर डायरेक्टर डॉ. मुकेश कुमार ने बताया "पार्किंसन्स एक प्रोग्रेसिव लेकिन मैनेजेबल बीमारी है, जिसमें सही इलाज और न्यूरोलॉजिकल देखभाल के साथ मरीज कई सालों तक सामान्य जीवन जी सकते हैं। इस बीमारी में डोपामिन और नॉरएड्रेनालिन जैसे न्यूरोट्रांसमीटर की कमी होने लगती है, जिससे हाथ, पैर, सिर या जबड़े में कंपन, शरीर में जकड़न, मूवमेंट का धीमा होना और संतुलन बिगड़ना जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। ये लक्षण तब सामने आते हैं जब दिमाग के एक हिस्से 'सब्सटैंशिया नाइग्रा' में डोपामिन बनाने वाली 60–80 प्रतिशत कोशिकाएं नष्ट हो चुकी होती हैं। यह बीमारी धीरे-धीरे विकसित होती है, जब दिमाग की कुछ कोशिकाएं डोपामिन बनाना कम कर देती हैं, जिससे शरीर की मूवमेंट प्रभावित होती है। शुरुआती पहचान अक्सर मुश्किल होती है, क्योंकि लक्षण धीरे-धीरे सामने आते हैं और कई बार 1–2 साल बाद स्पष्ट होते हैं। लगभग 25 प्रतिशत मरीजों में कंपन नहीं होता, जिससे डायग्नोसिस में देरी हो सकती है।

झारखंड स्टेट बार काउंसिल चुनाव 2026: युवा अधिवक्ता ललित यादव जीते, काउंटिंग जारी

रांची : झारखंड स्टेट बार काउंसिल के पंचवर्षीय चुनाव में पुरुष अधिवक्ताओं में दूसरा रिजल्ट आ गया है. 17 अप्रैल को (एलिमिनेट राउंड में) मतगणना में झारखंड हाईकोर्ट के युवा अधिवक्ता ललित यादव ने 677 का आंकड़ा को छू लिया है और जीत दर्ज कर ली है. हालांकि अभी इसकी अधिकारिक घोषणा होनी बाकी है. इससे पहले 13 अप्रैल को अब्दुल कलाम रसीदी ने यह आंकड़ा प्राप्त किया था और चुनाव जीते थे. मतगणना में इलेक्ट (जीत दर्ज) होने के लिए 677 का कोटा निर्धारित किया गया है. अब 16 पुरुष अधिवक्ता चुने जाने हैं. पांच महिला अधिवक्ता पहले ही जीत दर्ज कर चुकी है. दो महिला अधिवक्ता का चयन मनोनयन के आधार पर होना है.

चाईबासा नो इंट्री मामले को लेकर आंदोलन समिति के प्रतिनिधियों ने राज्यपाल संतोष गंगवार से की भेंट

समिति ने आंदोलन के औचित्य के बारे में राज्यपाल को विस्तार से अवगत कराया

चाईबासा / रांची : नो इंट्री आंदोलन समिति चाईबासा कोल्हान के प्रतिनिधियों ने लोकभवन में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मुलाकात की. इस दौरान समिति के प्रतिनिधियों ने चाईबासा क्षेत्र में नो इंट्री की व्यवस्था को लागू करने तथा ग्रामीणों के न्यायपूर्ण अधिकारों की रक्षा हेतू केस वापस करने हेतु ठोस कदम उठाने की मांग की.

मुलाकात के दौरान समिति के प्रतिनिधियों ने क्षेत्र की वर्तमान स्थिति, ग्रामीणों की समस्याओं और नो इंट्री आंदोलन के औचित्य के बारे में विस्तार से अवगत कराया. इस दौरान राज्यपाल ने समिति की मांगों को गंभीरता से सुना और सकारात्मक रुख अपनाते हुए मुख्यमंत्री से इस मामले में मुलाकात कर शीघ्र मिलने को कहा.

मामले पर त्वरित कार्रवाई करते हुए जिले के उपायुक्त चंदन कुमार से दूरभाष पर संपर्क कर वर्तमान परिस्थिति की जानकारी ली और शीघ्र समाधान करने का निर्देश दिया. साथ ही चाईबासा के विधायक सह परिवहन मंत्री दीपक बिरुआ से भी फोन बात करने की कोशिश की.

राज्यपाल से मिलने के बाद संयोजक रमेश बालमुचू ने जानकारी दी कि राज्यपाल की सकारात्मक प्रतिक्रिया से समिति को आशा बंधी है. कोल्हान क्षेत्र के ग्रामीणों के लंबे समय से लंबित न्यायपूर्ण मांगों पर शीघ्र ध्यान दिया जाएगा.

ये हैं नो इंट्री आंदोलन समिति चाईबासा कोल्हान की मांगे-

-चाईबासा "नो एंट्री" 2025 लाठीचार्ज मामले में सभी स्थानीय ग्रामीणों पर लगाए गए समस्त मुकदमे (155/2025 और 171/2025) तुरंत वापस लिए जाए.
-एमडीआर-177 (चाईबासा बाईपास), एएच-75ई एवं एनएच-220 पर नो एंट्री नियम लागू किया जाए.
-घायल ग्रामीणों को उचित चिकित्सा सहायता एवं अन्य क्षतिपूर्ति प्रदान की जाए.
-लाठीचार्ज की घटना की निष्पक्ष न्यायिक जांच कराई जाए तथा दोषी अधिकारियों पर उचित कार्रवाई की जाए.
-भविष्य में स्थानीय जनता की ऐसी न्यायोचित मांगों को शांतिपूर्ण ढंग से सुनने तथा समाधान निकालने का स्थायी तंत्र विकसित किया जाए.

क्या है मामलाः कोल्हान के चाईबासा शहर के बाईपास एमडीआर 177 में सड़क दुर्घटना को रोकने के लिए नो एंट्री लगाने की मांग को लेकर 27 सितंबर 2025 को मंत्री दीपक बिरुवा को मांग पत्र दिया जाना था. जिसमें हजारों लोग तम्बो चौक चाईबासा में हजारों लोग जुटे थे. जिसके बाद आंदोलनकारी और पुलिस के बीच हिंसक झड़प भी हुई थी. जिसके बाद मंत्री के आवास के समीप अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करने, सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने और पुलिस पर पथराव करने के आरोप में 16 लोगों को जेल भेजा गया था. जबकि 73 नामजद और 500 से अधिक अज्ञात लोगों के खिलाफ मुफस्सिल थाना में 28 सितंबर को मामला दर्ज किया गया था.

समिति ने लिया है पैदल न्याय यात्रा का निर्णयः संयोजक रमेश बालमुचू ने जानकारी दी कि मांगों को पूरा कराने के लिए आंदोलन पूर्णतः शांतिपूर्ण तरीके से चलाया जा रहा है. आगामी 26 अप्रैल से 1 मई तक चाईबासा से रांची मुख्यमंत्री आवास तक पैदल न्याय यात्रा होगी. जिसमें सैकड़ों लोग शामिल होंगे. नो इंट्री आंदोलन समिति कोल्हान पूरे कोल्हान क्षेत्र के आदिवासी-ग्रामीणों के हितों की रक्षा के लिए निरंतर प्रयासरत है और न्याय मिलने तक आंदोलन जारी रखने का संकल्प लिया है.

प्रतिनिधिमंडल में ये थे शामिलः झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मिलने वाले प्रतिनिधि मंडल में समिति के संयोजक रमेश बालमुचू, महेंद्र जामुदा, रवि बिरुली, रेयांस सामड, साधु बानरा, उषारानी सवैयां और सुमी लागूरी शामिल थे.

लोकभवन में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मिले मलखंब खिलाड़ी

रांची : झारखंड के प्रतिभाशाली मलखंब खिलाड़ियों ने लोकभवन में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से शिष्टाचार मुलाकात की. ये खिलाड़ी प्रथम खेलो इंडिया जनजातीय खेल 2026 के तहत छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर स्थित सरगुजा गांधी स्टेडियम में आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेकर लौटे हैं. इस प्रतियोगिता में झारखंड को कस्य पदक मिला है.

इस अवसर पर झारखंड राज्य मलखंब एसोसिएशन के महासचिव डॉ. अजय झा ने राज्यपाल को जानकारी दी कि राज्य के खिलाड़ियों ने बालक-बालिका दोनों वर्गों में शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल रैंकिंग में कांस्य पदक हासिल किया है.

राज्यपाल ने इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए खिलाड़ियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं. उन्होंने कहा कि झारखंड में खेलों के प्रति गहरी रूचि है और यहां के खिलाड़ी अपनी मेहनत, प्रतिभा और अनुशासन के दम पर राष्ट्रीय स्तर पर राज्य का नाम रोशन कर रहे हैं.

संतोष कुमार गंगवार ने खिलाड़ियों को आगे भी निरंतर अभ्यास और समर्पण के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की.

राजधानी में गैस की कालाबाजारी का भंडाफोड़, चुटिया इलाके से 250 से अधिक सिलेंडर बरामद

रांची : जिले के चुटिया इलाके में दो जगहों पर गैस की कालाबाजारी के खिलाफ जिला प्रशासन और पुलिस की टीम ने छापेमारी की. यह छापेमारी साईं कॉलोनी और पावर हाउस इलाके में की गयी. छापेमारी के दौरान एक गोदाम में छिपाकर रखे करीब 250 से अधिक गैस सिलेंडर बरामद हुए, जिसे पुलिस की टीम ने जब्त कर लिया. जानकारी के अनुसार, गोदाम में अवैध तरीके से गैस सिलेंडर को स्टॉक किया गया था और ब्लैक में ऊंचे दामों पर बेचा जा रहा था. मामले की जानकारी मिलने के बाद जिला प्रशासन और पुलिस की टीम ने छापेमारी की तो गैस सिलेंडर की कालाबाजारी व जमाखोरी का खुलासा हुआ.

सिटी डीएसपी ने बताया कि सूचना मिली थी कि चुटिया इलाके में अवैध तरीके से गैस की कालाबाजारी हो रही है, जिसके बाद छापेमारी की गई. इस गिरोह में कौन-कौन शामिल हैं, इसका पता लगाया जा रहा है. इस मामले में जो भी संलिप्त होंगे, उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा.

लायन सुजीत को सेकेंड वाईस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर बनने पर बधाई

संवाददाता रांचीः लायन सुजीत कुमार को सेकेंड वाईस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर बनने पर बधाई एवं लायंस क्लब द्वारा आयोजित समागम कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए संस्था द्वारा आभार प्रकट की गई।

रांची,लायन सुजीत कुमार को सेकेंड वाईस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर बनने एवं लायंस क्लब द्वारा जमशेदपुर में आयोजित समागम कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए लायंस क्लब ऑफ रांची गैलेक्सी के अध्यक्ष लायन पूनम सिंह,सचिव लायन डॉ.अंजना सिंह,कोषाध्यक्ष लायन रीता सिंह सहित लायन प्रीति,लायन वीणाश्री,लायन रीता जी,लायन सविता जी, लायन पद्मा जी,लायन सुनीता जी,लायन ललिता जी,लायन अनीता जी,लायन कामिनी जी एवं छात्र क्लब पर्यावरण मंच(यूनिट,छात्र क्लब ग्रुप)के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा,संरक्षक शुभम चौधरी, नमिता देवी, कुमार शीला साहू, नीलम शर्मा आदि आदि द्वारा लायन सुजीत कुमार सेकेंड वाईस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर को बधाई दी गई और लायंस क्लब द्वारा जमशेदपुर में आयोजित समागम कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आयोजको के प्रति आभार प्रकट की गई।

रांची की नदियों के संरक्षण के लिए बनेगा अर्बन रिवर मैनेजमेंट प्लान, एमएसडब्लूजी की बैठक में हुई चर्चा

रांची : शहर की नदियों और जल निकायों के संरक्षण, प्रबंधन और पुनर्जीवन को लेकर नगर निगम ने पहल शुरू की है. नगर आयुक्त सुशांत गौरव की अध्यक्षता में मल्टी स्टेकहोल्डर वर्किंग ग्रुप (एमएसडब्लूजी) की बैठक हुई, जिसमें अर्बन रिवर मैनेजमेंट प्लान (यूआरएमपी) तैयार करने पर विस्तार से चर्चा हुई.

यह प्लान राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान (एनआईयूए) और राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) द्वारा वर्ल्ड बैंक के सहयोग से तैयार की जा रही है. बैठक से पहले एनआईयूए की टीम ने शहर के विभिन्न जल स्रोतों और क्षेत्रों का सर्वेक्षण भी किया.

बैठक में फ्लडप्लेन संरक्षण, नदियों को प्रदूषण मुक्त बनाना, जल निकायों का पुनर्जीवन, जैव विविधता संरक्षण, ट्रीटेड वॉटर का पुनः उपयोग, स्टॉर्म वाटर व भूजल प्रबंधन, इको-फ्रेंडली रिवरफ्रंट विकास, सीवरेज सिस्टम और जन-जागरूकता जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हुई.

बैठक में बताया गया कि 'नमामि गंगे' कार्यक्रम के तहत गंगा बेसिन के 60 शहरों के लिए यूआरएमपी तैयार किया जा रहा है, जिसमें रांची भी शामिल है. योजना के तहत हरमू नदी, शहरी क्षेत्र की स्वर्णरेखा नदी और शहर के प्रमुख तालाबों व झीलों के संरक्षण और पुनर्जीवन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा.

नगर आयुक्त सुशांत गौरव ने कहा कि शहर के इकोसिस्टम को संतुलित रखने के लिए सभी विभागों और नागरिकों की भागीदारी जरूरी है. इस बात पर जोर दिया कि जल निकायों के स्थायी संरक्षण के लिए लोगों के व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाना होगा.

इसके साथ ही सुशांत गौरव ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इस योजना को अभियान के रूप में चलाकर तय समय में लक्ष्य हासिल किए जाएं.

इस दौरान एनएमसीजी के पूर्व महानिदेशक राजीव रंजन मिश्रा, अपर नगर आयुक्त संजय कुमार, सुडा के उप निदेशक अतुल कुमार, SAMETI के डायरेक्टर विकाश कुमार, एनआईयूए के प्रोजेक्ट लीड राहुल सचदेवा समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे.

धर्मांतरण के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय का फैसला स्वागत योग्यः फूल चंद तिर्की

संवाददाता, रांची : केंद्रीय सरना समिति के केंद्रीय अध्यक्ष फूलचंद तिर्की ने धर्मांतरण के खिलाफ आए सर्वोच्च न्यायालय के हालिया फैसले को स्वागत योग्य बताया है। उन्होंने कहा कि 16 फरवरी 2026 को Digbal Tandi बनाम छत्तीसगढ़ राज्य मामले में न्यायालय ने ग्राम सभाओं द्वारा बाहरी हस्तक्षेप, विशेषकर मिशनरी गतिविधियों पर लगाए गए प्रतिबंधों को उचित ठहराया है। यह निर्णय जनजातीय समुदायों की परंपरा, संस्कृति और सामाजिक एकता की रक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। फूलचंद तिर्की ने कहा कि यह फैसला ऐतिहासिक रूप से भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि महान आदिवासी नेता भगवान बिरसा मुंडा जैसे महापुरुषों ने जनजातीय अस्मिता की रक्षा पर बल दिया था। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि पूर्व में न्यायालय स्पष्ट कर चुका है कि प्रलोभन, दबाव या धोखे से किया गया धर्मांतरण मौलिक अधिकार नहीं है। उन्होंने चिंता जताई कि शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का दुरुपयोग कुछ जगहों पर धर्मांतरण के साधन के रूप में हो रहा है, जिससे सामाजिक असंतुलन बढ़ सकता है। तिर्की ने कहा कि ग्राम सभाओं को मिले संवैधानिक अधिकारों से जनजातीय अस्मिता का संरक्षण और मजबूत होगा।

झारखंड चैम्बर ऑफ कॉमर्स के रिटेल ट्रेड उप समिति की बैठक

संवाददाता रांची : झारखंड चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के रिटेल ट्रेड उप समिति की बैठक चैम्बर भवन में सम्पन्न हुई। बैठक में खुदरा व्यापारियों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर विस्तृत विमर्श किया गया। बैठक के दौरान ई-कॉमर्स के बढ़ते प्रभाव से खुदरा व्यापारियों को हो रही परेशानियों पर विशेष रूप से विमर्श किया गया। सदस्यों ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर उत्पादों की कीमत खुदरा दुकानों की तुलना में अधिक है जिससे उपभोक्ताओं को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। उपभोक्ताओं से अपील की गई कि वे किसी भी वस्तु की खरीदारी से पूर्व मूल्य का उचित मिलान अवश्य करें।

ट्रेड लाइसेंस के मुद्दे पर भी चर्चा हुई। एक व्यापारी द्वारा यह जानकारी दी गई कि उन्होंने 5 वर्षों के लिए ट्रेड लाइसेंस लिया था, किंतु वार्ड संख्या में परिवर्तन के कारण न तो उन्हें नया लाइसेंस प्राप्त हुआ और न ही पूर्व में जमा राशि की वापसी हो सकी। इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए चैम्बर उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने आश्वासन दिया कि आगामी 21 अप्रैल को चैम्बर भवन में नगर निगम के सहयोग से ट्रेड लाइसेंस कैंप का आयोजन किया जाएगा। कैंप में इस तरह की समस्याओं का निराकरण सुगमता से कराने का प्रयास भी किया जायेगा।

बैठक में फूड लाइसेंस के नए प्रावधानों पर भी चर्चा की गई। रिटेल ट्रेड उप समिति के चेयरमैन योगेंद्र पोद्दार ने कहा कि संबंधित विभाग के पदाधिकारी व्यापारियों को नए नियमों एवं रिन्यूअल प्रक्रिया के संबंध में जागरूक करें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा न हो। बैठक का समापन व्यापारियों की समस्याओं के शीघ्र समाधान हेतु समन्वित प्रयासों के संकल्प के साथ किया गया। बैठक में चैम्बर उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया, उप समिति चेयरमैन योगेन्द्र प्रसाद पोद्दार, सदस्य अशोक अग्रवाल, संजय कुमार बोड़ा, कृष्ण कुमार गोयल, दीपक कुमार अग्रवाल, श्याम अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

अक्षय तृतीया अनंत पुण्य, समृद्धि और शुभारंभ का दिव्य पर्व : संजय सर्राफ

संवाददाता रांची :विश्व हिंदू परिषद सेवा विभाग एवं श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के प्रांतीय प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा है कि अक्षय तृतीया भारतीय संस्कृति का एक अत्यंत पवित्र और महत्वपूर्ण पर्व है,जो इस वर्ष 20 अप्रैल को श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। कई लोग 19 अप्रैल को भी यह पर्व मनाएंगे, हिंदू पंचांग के अनुसार यह पर्व वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को आता है।अक्षय शब्द का अर्थ है- जिसका कभी क्षय न हो, अर्थात इस दिन किए गए शुभ कर्म, दान-पुण्य, जप-तप और आराधना का फल कभी समाप्त नहीं होता, बल्कि वह अनंत काल तक बढ़ता रहता है।अक्षय तृतीया का धार्मिक और पौराणिक

महत्व अत्यंत व्यापक है। मान्यता है कि इसी दिन भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम का जन्म हुआ था, इसलिए इसे परशुराम जयंती के रूप में भी मनाया जाता है। इसके अतिरिक्त, इसी पावन तिथि पर महाभारत जैसे महान ग्रंथ की रचना का शुभारंभ हुआ था, जब महर्षि वेदव्यास ने भगवान गणेश को इसका लेखन करने के लिए प्रेरित किया। यह दिन ज्ञान, सृजन और धर्म के संगम का प्रतीक माना जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, इसी दिन भगवान श्रीकृष्ण ने अपने परम मित्र सुदामा की दरिद्रता को समाप्त कर उन्हें समृद्धि का आशीर्वाद दिया था। यह कथा न केवल मित्रता की सच्चाई को दर्शाती है, बल्कि यह भी सिखाती है कि सच्ची भक्ति और निष्कपट भाव से की गई प्रार्थना अवश्य फलदायी होती है। यही कारण है कि अक्षय तृतीया को समृद्धि, विश्वास और संबंधों की दृढ़ता का प्रतीक माना जाता है।

अक्षय तृतीया को अबूझ मुहूर्त के रूप में भी जाना जाता है। इसका अर्थ है कि इस दिन किसी भी शुभ कार्य के लिए विशेष मुहूर्त देखने की आवश्यकता नहीं होती। विवाह, गृह प्रवेश, नया व्यवसाय शुरू करना, भूमि पूजन, वाहन या आभूषण खरीदना-सभी कार्य इस दिन अत्यंत शुभ माने जाते हैं। विशेष रूप से सोना-चांदी खरीदने की परंपरा इस दिन बहुत प्रचलित है, क्योंकि यह विश्वास है कि इस दिन खरीदी गई वस्तुएं समृद्धि में निरंतर वृद्धि करती हैं। इस पर्व का एक महत्वपूर्ण पक्ष दान-पुण्य भी है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन जल से भरे घड़े, अन्न, सत्तू, गुड़, वस्त्र और अन्य आवश्यक वस्तुओं का दान करने से व्यक्ति को अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। यह न केवल आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करता है, बल्कि समाज में सहयोग और सहानुभूति की भावना को भी सुदृढ़ करता है।अक्षय तृतीया का मुख्य उद्देश्य मनुष्य को धर्म, परोपकार और सद्कर्म की ओर प्रेरित करना है।

यह पर्व हमें यह सिखाता है कि जीवन में किए गए अच्छे कार्य कभी व्यर्थ नहीं जाते, बल्कि उनका प्रभाव दीर्घकाल तक बना रहता है। यह पर्व हमें समाज में जरूरतमंदों की सहायता करने, प्रेम और भाईचारे को बढ़ावा देने तथा सामूहिक समृद्धि के लिए कार्य करने की प्रेरणा देता है।

आज के समय में, जब भौतिकता बढ़ रही है, यह पर्व हमें मानवीय मूल्यों की ओर लौटने का संदेश देता है। अंततः अक्षय तृतीया केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि जीवन को सार्थक और समृद्ध बनाने का एक अवसर है।

स्कूली बसों में सुरक्षा की अनदेखी से बच्चों पर खतराःहालिया घटनाओं के बाद झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन का कड़ा रुख

संवाददाता, रांचीः रांची जिले में लगातार सामने आ रही आपराधिक घटनाओं, विशेषकर नाबालिग बच्चियों के साथ दुष्कर्म जैसी जघन्य वारदातों ने समाज को झकझोर कर रख दिया है। इन घटनाओं के बीच स्कूली बसों और वैन में बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि हाल के मामलों में एक आरोपी का स्कूल वैन चालक होना अत्यंत चिंताजनक है। यह न केवल कानून-व्यवस्था की कमजोरी दर्शाता है, बल्कि स्कूल परिवहन व्यवस्था में भारी लापरवाही को भी उजागर करता है। उन्होंने बताया कि चार दिन पूर्व ही एसोसिएशन की

ओर से रांची के उपायुक्त को ज्ञापन सौंपकर स्कूली बस व वैन चालकों के अनिवार्य पुलिस वेरिफिकेशन और सुरक्षा मानकों की जांच की मांग की गई थी, लेकिन अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। अजय राय के अनुसार, अधिकांश स्कूली बसें केवल ड्राइवर और खलासी के भरोसे चल रही हैं, जबकि कई वैन सिर्फ चालक के सहारे संचालित हो रही हैं, जो बच्चों की सुरक्षा से सीधा समझौता है।

उन्होंने यह भी कहा कि सर्वोच्च न्यायालय और परिवहन विभाग के निर्देशों के बावजूद स्कूली वाहनों में अधिकृत स्टाफ की अनिवार्य मौजूदगी की अनदेखी हो रही है। घटनाओं से अभिभावकों में आक्रोश और भय का माहौल है। अजय राय ने चेताया कि बच्चों की सुरक्षा से कोई समझौता बर्दाश्त नहीं होगा और जिला प्रशासन को तत्काल सख्त व प्रभावी कदम उठाने चाहिए, ताकि अभिभावकों का भरोसा बहाल हो सके।

संक्षिप्त खबरें...

जमशेदपुर में तेलंगाना व बेंगलुरु के साहू समाज प्रतिनिधियों का भव्य स्वागत

जमशेदपुर। अखिल भारतीय सैनिक साहू महासभा के जिला अध्यक्ष राकेश साहू के नेतृत्व में साकची स्थित एक होटल में तेलंगाना साहू समाज के प्रदेश अध्यक्ष अशोक कुमार साहू एवं बेंगलुरु जिला अध्यक्ष कृष्णा साहू के जमशेदपुर आगमन पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस अवसर पर अतिथियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी गईं। मौके पर राकेश साहू ने कहा कि जमशेदपुर में साहू समाज सशक्त और संगठित रूप से कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय संगठन द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों का पालन पूरी निष्ठा के साथ किया जाता है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि संगठन को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली बैठकों में जिला स्तर से सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। इस अवसर पर मुख्य रूप से विदेशी साव, वरीय उपाध्यक्ष शिवलोचन शाह, राहुल रंजीत कुमार साव, अरुण साहू, शैलेंद्र कुमार तथा पहलाद साहू सहित समाज के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

स्वच्छता के प्रति जिला प्रशासन ने दिखाई सख्ती, होगी बड़ी कार्रवाई

पाकुड़ः पाकुड़ नगर में साफ-सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया। एसडीओ साइमन मरांडी, एसडीपीओ डी.एन. आजाद, नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी अमरेंद्र कुमार चौधरी एवं टाउन थाना प्रभारी अनिल कुमार गुप्ता ने संयुक्त रूप से शहर के प्रमुख चौक-चौराहों और सार्वजनिक स्थलों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने आम नागरिकों को स्पष्ट निर्देश दिया कि शहर को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग करें और कचरे को इधर-उधर न फेंककर नगर परिषद द्वारा संचालित कचरा संग्रहण गाड़ियों में ही डालें कार्यपालक पदाधिकारी ने बताया कि बार-बार चेतावनी के बावजूद कुछ लोग सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी फैला रहे हैं, जो बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि स्कूल, कॉलेज, धार्मिक स्थल, मुख्य सड़क और बाजार जैसे स्थानों पर कचरा फैलाते पकड़े जाने पर संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ बीएनएसएस (BNSS) की धाराओं एवं पुलिस अधिनियम के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इतना ही नहीं, ऐसे लोगों का नाम गुंडा पंजी में भी दर्ज किया जाएगा। प्रशासन ने साफ किया कि स्वच्छता को लेकर अब किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और शहर को साफ-सुथरा बनाए रखने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा।

बुंदेल समाज में सामाजिक समरसता को लेकर संगोष्ठी का हुआ आयोजन

कोयलांचल संवाद संवाददाता, इटखोरी(चतरा)ः स्थानीय जगन्नाथ होटल में शुक्रवार को चय परगना बुंदेल समाज द्वारा समाज की सामाजिक समरसता और समाज में फैली कुरीतियों पर एक विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता हजारपति के प्रतिनिधि रसिक शिरोमणि ने किया, वहीं मंच संचालन मनोज कुमार सिंह ने किया। सर्वप्रथम देश के पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर सिंह की 99वीं जयंती पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। इस कार्यक्रम में चय परगना के बुंदेल समाज के 167 गांवों के प्रतिनिधि उपस्थित हुए। बुंदेल समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी हरिश्चंद्र सिंह ने कहा कि हमें समाज में फैल रही कुरीतियों को जड़ से मिटाना होगा। तभी हम स्वच्छ बुंदेल समाज का निर्माण कर सकते है। इसके लिए हमें अंतर्जातीय विवाह पर अंकुश लगाना , युवकों को शराबपान जैसे दुर्व्यव्यसनों से रोकने समेत कई सामाजिक मुद्दों पर पहल करने की आवश्यकता पर बल दिया गया और साथ ही यह भी बताया गया कि संगठन में बाल होता है और संगठन का बोल ही समाज को एक मजबूती प्रदान करता है इसलिए सबसे बड़ी बात यह है कि समाज के सभी लोगों को सामाजिक स्तर पर संगठित होने की जरूरत है। बुंदेल समाज के इस विचार संगोष्ठी में दर्जनों वक्ताओं ने अपने अपने विचार मंच के माध्यम से रखें। साथ ही पूरी मठ एवं सिंदवारी मठ का कैसे विकास हो इस पर चर्चा गहन रूप से की गई।

इटखोरी के पितीज में गांव चलो बस्ती चलो अभियान चलाया गया सिमरिया विधायक हुए शामिल

कोयलांचल संवाद संवाददाता, इटखोरी(चतरा)ः प्रखण्ड क्षेत्र के पितीज पंचायत में गांव चलो बस्ती चलो अभियान चलाया गया। अभियान के मुख्य अतिथि सिमरिया विधायक कुमार उज्ज्वल दास प्रमुख अतिथि सिमरिया विधानसभा के पूर्व विधायक प्रत्याशी सुजीत भारती कार्यक्रम प्रभारी शिवकुमार राणा कार्यक्रम की अध्यक्षता मण्डल अध्यक्ष कमलेश कुमार सिंह विधायक प्रतिनिधि देवकुमार सिंह मण्डल मंत्री सह सांसद प्रतिनिधि व पंचायत समिति सदस्य रूबी देवी इंद्रदेव सिंह रंजीत कुमार शक्ति सिंह अनुज कुमार दांगी समेत अन्य शामिल हुए और उन्होंने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं, सुझावों एवं अपेक्षाओं को सुना। साथ ही भारतीय जनता पार्टी की रीति-नीति, संगठन के मूल्यों तथा केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी साझा की गई, ताकि प्रत्येक पात्र व्यक्ति इन योजनाओं का लाभ ले सके। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों का सम्मान किया गया एवं उनके अनुभव भी सुने गए। इस मौके पर विधायक कुमार उज्ज्वल दास ने कहा कि यह अभियान जनसेवा, विश्वास और विकास के संकल्प को और अधिक सशक्त बनाने का प्रभावी माध्यम बनता जा रहा है, जो संगठन और समाज के बीच मजबूत संबंध स्थापित कर रहा है। कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों से संवाद कर रहे हैं और उन्हें सरकार की योजनाओं की जानकारी दे रहे हैं। लोगों की समस्याओं को सुनकर मौके पर ही समाधान का प्रयास किया जा रहा है।

सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से खलारी पुलिस ने जांच अभियान चलाया

खलारी/डकराः थाना क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से खलारी पुलिस ने शुक्रवार को व्यापक जांच अभियान चलाया। इस दौरान खलारी डीएसपी रामनारायण चौधरी, खलारी थाना प्रभारी इंस्पेक्टर जयदीप टोप्पो के साथ संयुक्त रूप से डकरा एवं केडीएच क्षेत्र के कंटाघरों का औचक निरीक्षण किया गया, साथ ही केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत सुरक्षा में तैनात कर्मियों की भी जांच की गई।

अभियान के तहत पुलिस टीम ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए तैनात कर्मियों से आवश्यक जानकारी ली और उन्हें सतर्क रहने के निर्देश दिए। डीएसपी ने स्पष्ट रूप से कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी कर्मियों को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी के साथ करना होगा।

इसी क्रम में खलारी-पिपरवार थाना सीमा पर स्थित पूर्णाडीह पुल के समीप सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। पुलिस ने इस दौरान आने-जाने वाले वाहनों को रोककर उनकी तलाशी ली तथा कागजातों की जांच की। संदिग्ध प्रतीत होने वाले वाहनों और व्यक्तियों से गहन पूछताछ भी की गई।

डीएसपी ने बताया कि क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस तरह के औचक निरीक्षण और वाहन जांच अभियान आगे भी लगातार चलाए जाते रहेंगे। उन्होंने आम लोगों से भी अपील की कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

अभियान के दौरान पुलिस बल पूरी मुस्तैदी के साथ मौजूद रहा और पूरे क्षेत्र में सुरक्षा का माहौल सुनिश्चित किया गया।

कार की चपेट में आने से युवक की मौत

तमाड़ : थाना क्षेत्र के रांची टाटा मार्ग पर नावाडीह मोड़ के निकट कार की चपेट में आने से 40 वर्षीय युवक सोमा मुंडा की मौत हो गया। घटना शुक्रवार शाम साढ़े चार बजे की है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार बुरुटोला जोपनो निवासी सोमा अड़की भोज खाने के लिए गया था।अड़की से घर वापस लौटने के क्रम में गाड़ी से नावाडीह मोड पर उतरा। नावाडीह मोड पर उतरने के बाद पैदल अपने घर जाने के लिए सड़क पार कर रहा था। इसी क्रम में टाटा से रांची की ओर जा रही एक कार जिसका नंबर डब्लू बी 44 एच- 5392 कि चपेट में आ गया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्रामीणों के सहयोग से 108 एंबुलेंस से तमाड़ अस्पताल लाया गया। जहां इलाज के क्रम में युवक ने दम तोड़ दिया। पुलिस शव को अपने कब्जे में कर थाना ले आया है। पोस्टमार्टम के लिए शनिवार की सुबह रिम्स रांची भेजा जाएगा।

भारथी कॉलेज ऑफ एजुकेशन,कंदरी,माण्डर, रांची में पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन, प्राचार्या ने विजयी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर प्रोत्साहित किया

मांडरः के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान भारथी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, कंदरी , माण्डर में शुक्रवार को बी.एड. सत्र 2025-27 के विद्यार्थियों के लिए एक दिवसीय पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस रचनात्मक मंच पर भावी शिक्षकों ने अपनी कल्पनाओं को रंगों के माध्यम से कैनवास पर उतारकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं कॉलेज की प्राचार्या डॉ. दीपाली पराशर ने अपने संबोधन के साथ किया। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि, "कला हमारे विचारों और भावनाओं की सूक्ष्म अभिव्यक्ति है। एक शिक्षक के लिए सृजनात्मक होना अनिवार्य है, क्योंकि यही गुण शिक्षण को प्रभावी और रोचक बनाता है। आज के प्रतिभागियों ने अपनी कला से सिद्ध कर दिया है कि उनमें अपार क्षमताएं हैं।"

सामाजिक, सांस्कृतिक और समसामयिक विषयों पर आधारित इस कड़े मुकाबले में निर्णायक मंडल ने प्रथम स्थान में नेहा लकड़ा और हर्षित मड़की,द्वितीय स्थान में सपना बाखला एवं अंकित खलखो तथा तृतीय स्थान में शशि प्रेमी खलखो और मासूमा नगमा का चयन किया। इसके साथ ही, उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अंजलि तिग्गा, अनिमा उरांव, जॉनसन केरकेट्टा, रोज मेरी नाग एवं आनंद एक्का को 'एक्सीलेंस कैटेगरी' में चयनित किया गया।

विभागाध्यक्ष श्री राकेश कुमार राय ने विद्यार्थियों के कौशल की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह के दौरान प्राचार्या और विभागाध्यक्ष द्वारा सभी विजयी और उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम के अंत में सहायक प्राध्यापिका डॉ. रिभा कुमारी ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। उन्होंने कॉलेज प्रबंधन, प्राचार्या एवं सभी संकाय सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस आयोजन की सफलता का मुख्य श्रेय विद्यार्थियों के उत्साह और अनुशासन को जाता है। इस अवसर पर कॉलेज के सभी शिक्षक, कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

बिजली दर वृद्धि के विरोध में दुमका और पाकुड़ में भाजपा का जोरदार धरना-प्रदर्शन

दुमकाः झारखंड सरकार द्वारा बिजली दर में की गई भारी वृद्धि के विरोध में शुक्रवार को दुमका भाजपा ने जिलाध्यक्ष रूपेश मंडल के नेतृत्व में महुआडंगाल स्थित बिजली विभाग कार्यालय के समक्ष जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और आम नागरिक मौजूद रहे तथा राज्य सरकार के खिलाफ जमकर आक्रोश व्यक्त किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व सांसद अभयकांत प्रसाद, पूर्व सांसद सुनील सोरेन और जरमुंडी विधायक देवेंद्र कुंवर शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री मृणाल मिश्रा ने किया।धरने को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद अभयकांत प्रसाद ने राज्य सरकार को जनविरोधी और असंवेदनशील बताते हुए कहा कि चुनाव के समय किए गए वादों से जनता को भ्रमित कर सत्ता में आई सरकार अब बिजली दर में बेतहाशा वृद्धि कर आम जनता की कमर तोड़ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि 200 यूनिट मुफ्त बिजली का झूठा सपना दिखाकर अब बढ़े हुए दर के माध्यम से वसूली की जा रही है, जो जनता के साथ धोखा है।पूर्व सांसद सुनील सोरेन ने कहा कि राज्य की बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। लगातार बिजली कटौती, जले हुए ट्रांसफार्मरों का समय पर नहीं बदला जाना और स्मार्ट मीटर के नाम पर आर्थिक शोषण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को एकमुश्त भारी-भरकम बिल देकर परेशान किया जा रहा है, जो पूरी तरह अन्यायपूर्ण है। भाजपा इस मुद्दे को सड़क से सदन तक उठाएगी।

वहीं, जरमुंडी विधायक देवेंद्र कुंवर ने कहा कि बिजली दर में वृद्धि से किसान, गरीब और छोटे व्यवसायी सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति यूनिट 50 पैसे और शहरी क्षेत्रों में 55 पैसे की वृद्धि ने आम जनजीवन को संकट में डाल दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने इस निर्णय को वापस नहीं लिया तो भाजपा पूरे राज्य में उग्र आंदोलन करेगी।

जिलाध्यक्ष रूपेश मंडल ने कहा कि यह आंदोलन जनता की आवाज है और सरकार को इसे गंभीरता से लेना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी जनहित के मुद्दों पर संघर्ष जारी रखेगी।

इधर पाकुड़ में बिजली बिल बढ़ाये जाने को लेकर भाजपा द्वारा विरोध प्रदर्शन

पाकुड़ : राज्य में एक अप्रैल से राज्य सरकार द्वारा बिजली दर बढ़ाने के विरोध में में शुक्रवार को बिजली कार्यालय के बाहर भारतीय जनता पार्टी ने धरना प्रदर्शन किया। धरना प्रदर्शन का नेतृत्व जिलाध्यक्ष सरीता मुर्मू ने किया। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार जनता को 200 यूनिट बिजली फ्री देने के नाम पर छलावा कर रही है, जिससे राज्य की जनता अपने आप को ठगा महसूस कर रही है। बिजली दर में भारी वृद्धि कर जनता को लूटने का काम किया जा रहा है। इतना ही नहीं गर्मी पड़ते ही बिजली की आंख मिचौली भी शुरू हो गई है। शहर से लेकर गांव तक खराब पड़े बिजली ट्रांसफार्मर को सालों तक बदला नहीं जाता है। दूसरी तरफ स्मार्ट मीटर लगाकर जनता को परेशान किया जा रहा है।

राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ताओं के लिए बिजली बिल में प्रति यूनिट 50 पैसे और शहरी घरेलू, उपभोक्ताओं के लिए 55 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि से आम उपभोक्ताओं को सड़क पर उतरने के लिए मजबूर कर दिया है। उद्योग धंधा और कृषि कार्य भी बिजली दर में वृद्धि से बुरी तरह प्रभावित हुआ है। किसानों की कमर टूट गई है।

यह विरोध प्रदर्शन राज्य सरकार को त्राहिमाम संदेश भी है और चेतावनी भी। अगर राज्य सरकार इस जन विरोधी फैसले को वापस नहीं लेती है तो भाजपा इस आंदोलन को और व्यापक करेगी। ऐसे हालात में आंदोलन के लिए पूरी तरह से राज्य सरकार जिम्मेवार होगी।

मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष अमृत पांडे, अनुग्राहित साहा, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष बाबूधन मुर्मू, दुर्गा मरांडी, धर्मेंद्र त्रिवेदी, पंकज साहा के अलावा अन्य मौजूद थे।

जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा को लेकर जिले में निषेधाज्ञा लागू

19 अप्रैल को 15 केंद्रों पर दो पालियों में होगी परीक्षा, प्रशासन पूरी तरह अलर्ट

पाकुड़ः झारखंड लोक सेवा आयोग, रांची एवं उपायुक्त, पाकुड़ के आदेश के आलोक में झारखंड संयुक्त असैनिक सेवा (सीधी भर्ती) प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा- 2025 का आयोजन दिनांक 19 अप्रैल 2026 को जिले के 15 परीक्षा केंद्रों पर किया जाएगा। परीक्षा दो पालियों में आयोजित होगी—प्रथम पाली पूर्वाह्न 10:00 बजे से 12:00 बजे तक तथा द्वितीय पाली अपराह्न 03:00 बजे से 05:00 बजे तक। परीक्षा के सफल, शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त संचालन हेतु जिला प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारी की गई है। सभी परीक्षा केंद्रों पर दण्डाधिकारी, उड़नदस्ता, गश्ती दल, जोनल दण्डाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं पर्याप्त पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है।

200 मीटर परिधि में लागू रहेगी निषेधाज्ञा

अनुमंडल दण्डाधिकारी, पाकुड़ साईमन मरांडी द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा- 163 के तहत परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर की परिधि में दिनांक 19 अप्रैल को परीक्षा प्रारंभ से एक घंटा पूर्व से संध्या 06:00 बजे तक निषेधाज्ञा लागू की गई है।

इन गतिविधियों पर रहेगी रोक

निषेधाज्ञा के दौरान निम्नलिखित गतिविधियां पूर्णतः प्रतिबंधित रहेंगी- पांच या अधिक व्यक्तियों का एक स्थान पर एकत्रित होना, भीड़ लगाना या भ्रमण करना।किसी भी प्रकार के हथियार (आग्नेयास्त्र, लाठी, डंडा, तीर-धनुष आदि) लेकर चलना या प्रदर्शन करना।जुलूस, रैली, सभा,धरना या प्रदर्शन का आयोजन करना। परीक्षा से असंबंधित व्यक्तियों का केंद्र परिसर में प्रवेश परीक्षार्थियों को किसी भी प्रकार की अनुचित सहायता प्रदान करना।

इनको मिलेगी छूट

परीक्षार्थी, परीक्षा कार्य में संलग्न पदाधिकारी/कर्मी, दण्डाधिकारी एवं प्रतिनियुक्त पुलिस बल को इस निषेधाज्ञा से छूट प्रदान की गई है।

उल्लंघन पर होगी कड़ी कार्रवाई

निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध भारतीय न्याय सुरक्षा संहिता की धारा-223 के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने सभी अभ्यर्थियों एवं आमजनों से सहयोग की अपील करते हुए परीक्षा को स्वच्छ, शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न कराने का आग्रह किया है।

न्यायालय, अपर जिला दण्डाधिकारी, विधि व्यवस्था, गया

बिहार सरकार

प्रेस विज्ञप्ति

अति अल्पकालीन सूचना

उत्पाद अधिहरण वाद : नोटिस बनाम

बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम, 2016 के प्रावधानों के तहत् जब्त वाहनों के विरूद्ध जिला दण्डाधिकारी, गया के आदेशानुसार अधोहस्ताक्षरी न्यायालय में चल रहे अधोलिखित उत्पाद अधिहरण वादों में संबंधित वाहन मालिकों के लिये आवश्यक सूचना :–

क्र0	उत्पाद अधिहरण वाद सं0/वर्ष	संबंधित थाना कांड सं0/उत्पाद वाद सं0/दिनांक	जब्त वाहन का विवरण	जब्त वाहन के मालिक का नाम/पता	अभ्युक्ति
1	30/2025 बिहार सरकार बनाम रिशु राज भारद्वाज	उत्पाद वाद सं0–169/25 (शेरघाटी) दिनांक–03.06.2025	होण्डा SP मोटरसाईकिल पंजीकरण संख्या–JH02BA6668 इंजन सं0–JC73ED0052484 चेचिस सं0–ME4JC739KKB025290	रिशु रंजन भारद्वाज, पिता–विरेन्द्र सिंह पता–गेरूआ, पो0–आरू गेरूआ, थाना–हंटरगंज, जिला–चतरा, झारखण्ड। पिन कोड–825401	
2	45/2025 बिहार सरकार बनाम श्रीमती शान्ति कुमारी	उत्पाद वाद सं0–234/25 (शेरघाटी) दिनांक–06.08.2025	मारूती सुजुकी वैगनार (कार) जिसकी पंजीकरण सं0–JH01Q6501, इंजन सं0–F10DN4283632 चेचिस स0–MA3EED81S00459809	श्रीमती शान्ति कुमारी, पिता–कात्यायनी शंकर सिंह, पता–फ्लैट नं0–233, देवी मंदिर, हेसल, थाना–राँची, जिला– राँची, झारखण्ड।	
3	50/2025 बिहार सरकार बनाम टेरेसा टोपो,	उत्पाद वाद सं0–928/25 (सदर) दिनांक–24.08.2025	डिजायर जिसकी पंजीकरण सं0– JH01EY4067, इंजन सं0– K12NP4181291, चेचिस स0–MBHCZFB3SNM361118	टेरेसा टोपो, पिता–करियस टोपो, पता–बारा बागलपुर निची टोला, थाना–पुन्दग जिला–राँची, झारखण्ड। पिन कोड–834004	
4	51/2025 बिहार सरकार बनाम विनिता गुप्ता	उत्पाद वाद सं0–874/25 (सदर) दिनांक–13.08.2025	मारूती सुजुकी फ्रोनेक्स डेल्टा पंजीकरण सं0–JH01FU7728, इंजन सं0–K12NP7548121, चेचिस स0–MBHKWD13SRG326191	विनिता गुप्ता, पिता–अरूण गुप्ता, पता–सिनजो, थाना–लातेहार जिला–लातेहार, झारखण्ड। पिन कोड–822126	
5	52/2025 बिहार सरकार बनाम कुन्दन कुमार	उत्पाद वाद सं0–822/25 (सदर) दिनांक–01.08.2025	सुपर स्पलेन्डर मोटरसाईकिल पंजीकरण सं0– JH02AU9537, इंजन सं0– JA06EPJHA00215, चेचिस स0–MBLJAR133JHA00675	कुन्दन कुमार, पिता–अरूण कुमार, पता–मरहेदी ताजपुर, थाना–चौपारण जिला–हजारीबाग, झारखण्ड। पिन कोड–825406	
6	56/2025 बिहार सरकार बनाम रनधीर विश्वकर्मा	उत्पाद वाद सं0–833/25 (सदर) दिनांक–04.08.2025	हिरो स्पलेन्डर मोटरसाईकिल पंजीकरण सं0– JH03F2634, इंजन सं0–07D15E35358, चेचिस स0–07D16F41329	रनधीर विश्वकर्मा, पिता–शिव नारायण विश्वकर्मा,पता+पो0–नवाजयपुर, थाना–पाटन, जिला–पलामु। झारखण्ड	
7	57/2025 बिहार सरकार बनाम रीना कुमारी	उत्पाद वाद सं0–842/25 (सदर) दिनांक–06.08.2025	हिरो स्पलेन्डर प्लस मोटरसाईकिल पंजीकरण सं0– JH03AA8780, इंजन सं0–HA11EYLHC63338, चेचिस स0–MBLHAW121LHC10148	रीना कुमारी, पिता–दुखन यादव, ग्राम–नवडीहा, पो0+थाना–नवडीहा बाजार, जिला–पलामु। झारखण्ड, पिन कोड–822113	
8	63/2025 बिहार सरकार बनाम रिशु कुमार	उत्पाद वाद सं0–1072/25 (सदर) दिनांक–23.09.2025	डिजायर VXI पंजीकरण सं0– JH01EG9636, इंजन सं0– K12NN9113227 चेचिस स0–MA3CZFB3SMC784533	रिशु कुमार, पिता–कृष्णदेव दांगी, पता–पेक्सा, पो0–बड़ीसखी, थाना–गिधौर, जिला–चतरा, झारखण्ड, बिहार। पिन–825408	
9	64/2025 बिहार सरकार बनाम विमलेश कुमार	उत्पाद वाद सं0–1031/25 (सदर) दिनांक–18.09.2025	मोटरसाईकिल पंजीकरण सं0– JH01AS7956, इंजन सं0– DKGBUM09124 चेचिस स0–MD2DHDKZZUCM90582	विमलेश कुमार, पिता–सरजु सिंह, पता–C/O बजरंग साव, करखुटी, पो0+थाना–खुटी, जिला–राँची, झारखण्ड, बिहार। पिन–835210	
10	64/2025 बिहार सरकार बनाम मनीष कुमार	उत्पाद वाद सं0–1078/25 (सदर) दिनांक–24.09.2025	होण्डा सिटी कार पंजीकरण सं0– JH05J2355, इंजन सं0–L15A30023333, चेचिस स0–MAKGD851H4N109293	मनीष कुमार, पिता–ललन प्रसाद, ग्राम–UID 390823365587 कुश्वाहा हाउस नं0–93, कॉलोनी जमशेदपुर, जिला–पूर्वी सिंहभूम, झारखण्ड पिन–831011	

एतद् द्वारा उपर्युक्त अधिहरण वादों से संबंधित जब्त वाहनों के मालिकों को सूचित किया जाता है कि आपके वाहन के विरूद्ध अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में चल रहे संबंधित अधिहरण वाद में अबतक आपके द्वारा न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत नहीं किये जाने की स्थिति में इस प्रेस–विज्ञप्ति के माध्यम से अंतिम रूप से आपको सूचित किया जाता है कि उपर्युक्त वादों में सुनवाई की अगली निर्धारित तिथि दिनांक–09.05.2026 को 02:30 बजे अपराह्न में अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिकृत विद्वान अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना–अपना पक्ष साक्ष्य सहित रखें अन्यथा अधियाचना में उल्लेखित तथ्यों/साक्ष्यों के आधार पर जब्त वाहन के अधिहरण हेतु नियमानुसार अग्रेतर कार्रवाई कर दिया जायेगा।

इसे ताकीद जाने।

अपर जिला दण्डाधिकारी
विधि व्यवस्था, गया

PR- 001047 (Excise) 2026-27

विस्तृत सूचना www.state.bihar.gov.in/prdbihar पर भी देखी जा सकती है।

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार

संक्षिप्त खबरें...

कटिहार में सेंसस 2027 को लेकर स्व-गणना शुरू

कटिहार. जनगणना-2027 के तहत स्व-गणना प्रक्रिया शुक्रवार, 17 अप्रैल 2026 से शुरू हो गई है। डिजिटल इंडिया की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। इस पहल के तहत, बिहार और कटिहार जिले सहित पूरे देश के नागरिक अब घर बैठे ऑनलाइन माध्यम से अपने परिवार की जानकारी दर्ज कर सकते हैं। यह स्व-गणना अभियान 17 अप्रैल से 1 मई 2026 तक चलेगा। इसके बाद, 2 मई से 31 मई 2026 के बीच पारंपरिक तरीके से घर-घर जाकर मकान सूचीकरण और सत्यापन का कार्य किया जाएगा। प्रशासन का मानना है कि यह डिजिटल पहल जनगणना प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सटीक और तेज बनाएगी। इस अभियान में भागीदारी के लिए पूर्व उपमुख्यमंत्री और कटिहार के सदर विधायक तारकिशोर प्रसाद, महापौर उषा देवी अग्रवाल, उप महापौर मंजूर खान और एमएलसी अशोक अग्रवाल ने संयुक्त रूप से लोगों से अपील की है। उन्होंने बताया कि सरकार ने प्रक्रिया को सरल और सुविधाजनक बनाया है, जिससे नागरिक स्वयं पोर्टल पर जाकर स्व-गणना कर सकते हैं। नागरिकों को सरकार के आधिकारिक पोर्टल se.census.gov.in पर कुल 33 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। स्व-गणना प्रक्रिया पूरी होने पर प्रत्येक परिवार को एक विशेष SE ID मिलेगी, जिसे भविष्य के संदर्भ के लिए सुरक्षित रखना अनिवार्य होगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनगणना अधिनियम 1948 के तहत एकत्रित की गई सभी जानकारियां गोपनीय रहेंगी। इनका उपयोग केवल सरकारी आंकड़ों के संकलन के लिए किया जाएगा। यह डिजिटल पहल जनगणना प्रक्रिया को पारंपरिक तरीके से ऑनलाइन माध्यम में ले आई है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि आम जनता इस नई पहल में कितनी सक्रिय भागीदारी निभाती है।

नवादा में जिला पदाधिकारी ने की जनसुनवाई

नवादा. नवादा में बिहार सरकार के 'सबका सम्मान-जीवन आसान' निश्चय के तहत जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में शुक्रवार को यह जनसुनवाई हुई, जिसमें आम नागरिकों की समस्याओं को सुना गया और उनके त्वरित समाधान के लिए कार्रवाई की गई। इस जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों द्वारा कुल 25 शिकायतें दर्ज कराई गईं। जिला पदाधिकारी ने कई शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया। शेष मामलों को संबंधित विभागीय अधिकारियों को जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजा गया। जनसुनवाई के दौरान कई तरह की शिकायतें सामने आईं। इनमें नवादा सदर थाना क्षेत्र के गोनावा निवासी अमरेंद्र कुमार सिंह द्वारा नाली और रास्ते को अवरुद्ध करने का मामला, गोड़धोवा के नवल पासवान द्वारा दाखिल-खारिज पर रोक लगाने का आवेदन शामिल था। इसके अतिरिक्त, सिरदला थाना क्षेत्र के सिंघौल के सोनू यादव ने अतिक्रमण हटाने और कौआकोल के उखड़िया टोला की अनीशी कुमारी ने नल-जल योजना से संबंधित शिकायतें दर्ज कराईं। जिला पदाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को सभी मामलों का समयबद्ध, पारदर्शी और नियमानुसार निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। यह जनसुनवाई केवल जिला स्तर पर ही नहीं, बल्कि अपर समाहर्ता, नवादा सदर/रजौली अनुमंडल सहित जिले के ग्राम पंचायत, थाना, अंचल, प्रखंड और अनुमंडल स्तर के सभी सरकारी कार्यालयों में भी आयोजित की गई। यह व्यवस्था प्रत्येक सप्ताह सोमवार और शुक्रवार को लागू की गई है ताकि आमजनों को सरकारी कार्यों में असुविधा न हो।

सहरसा में मेंटली कमजोर बच्ची की मौत

सहरसा. सहरसा के सदर थाना क्षेत्र में एक 12 वर्षीय किशोरी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। पुलिस को पॉइजनिंग (विषाक्तता) की आशंका है और मामले की जांच की जा रही है। मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। मृत किशोरी की पहचान सहरसा नगर निगम क्षेत्र के भेड़धरी वार्ड नंबर 25 निवासी शैलेश शर्मा की पुत्री छोटी कुमारी उर्फ सीमा के रूप में हुई है। वह अपने परिवार की चार बहनों में सबसे छोटी थी। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है। हालांकि, परिजन इस मामले में कुछ भी स्पष्ट बताने से बच रहे हैं, जिससे घटना और भी रहस्यमय बनी हुई है।

लंग्स में इंफेक्शन के चलते वेंटिलेटर पर पशुपति पारस

पटना. राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (रालोजपा) के प्रमुख और पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस पिछले 4 दिनों से अस्पताल में भर्ती हैं। कंकड़बाग के प्राइवेट अस्पताल के आईसीयू में उनका इलाज चल रहा है। उनकी हालत में थोड़ा सुधार हो रहा है, लेकिन सांस लेने में लगातार परेशानी है। उनका ट्रीटमेंट पीएमसीएच के डॉक्टर आनंद कुमार कर रहे हैं। डॉक्टर्स के मुताबिक, पशुपति कुमार पारस के लंग्स का संक्रमण बहुत बढ़ा हुआ है। इससे ऑक्सीजन लेवल में गिरावट दर्ज की जा रही है। इसी वजह से उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया है। पशुपति पारस की पत्नी शोभा देवी अस्पताल में रहकर लगातार उनकी देख भाल कर रही है। उन्होंने बताया कि उनकी हालत में पहले से सुधार हुआ है, लेकिन अब भी खतरा बना हुआ है। 10 साल पहले चेस्ट का ऑपरेशन हुआ था, उस समय भी लंग्स में ज्यादा संक्रमण हो गया था। जानकारी के मुताबिक, पशुपति पारस को सांस लेने की समस्या पुरानी है। पहले भी सांस लेने में परेशानी हुई थी तो ऑपरेशन करना पड़ा था। डॉक्टर की सलाह के बाद पिछले कई सालों से हर दिन स्टीम ले रहे हैं। पशुपति को पिछले कई दिनों से सांस लेने में दिक्कत आ रही थी, लेकिन 13 अप्रैल की रात अचानक सांस लेने में ज्यादा तकलीफ शुरू हुई और चक्कर आने लगे। इसके बाद अस्पताल में भर्ती करना पड़ा।
चिराग पासवान को अपने चाचा के बीमार होने की सूचना मिली। इसके बाद वो 2 बार अस्पताल पहुंचे और चाचा की स्वास्थ्य की जानकारी ली। अस्पताल के बेड पर लेटे पशुपति पारस ने जैसे ही चिराग को देखा वो भावुक हो गए। उन्होंने अपने भतीजे को गले लगाया।

गर्लफ्रेंड से शादी के लिए मोबाइल टावर पर चढ़ा युवक

भागलपुर. भागलपुर में गर्लफ्रेंड को बुलाने के लिए युवक 100 फीट ऊंचे मोबाइल के टावर पर चढ़ गया। वो उससे शादी करना चाहता है, पर लड़की का भाई को ये रिश्ता पसंद नहीं है। ताराडीह गांव के सुबोध राय का बेटा भास्कर कुमार (21) गुरुवार शाम 8 बजे टावर चढ़ा था। उसे समझाने की काफी कोशिश की गई, पर वो नहीं उतरा। जिसके बाद परिजन ने किसी दूसरी लड़की को बुलाकर भास्कर कुमार को कहा कि तुम्हारी प्रेमिका आ चुकी है, तुम भी नीचे आ जाओ। जिसके बाद देर रात करीब 2 बजे भास्कर कुमार नीचे उतरा। 6 घंटे तक वो टावर पर ही चढ़ा रहा। नीचे आने के बाद पुलिस ने उससे पूछताछ की। घटना जगदीशपुर थाना क्षेत्र के बलुआचक की है। जब भास्कर कुमार टावर पर चढ़ रहा था तब बगल की चाय दुकान पर बैठे लोगों ने उसे देख लिया था, उनलोगों ने पुलिस को सूचना दे दी थी। सूचना मिलते ही डायल-112 की टीम स्थानीय पुलिस के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने पहले युवक को समझाने की कोशिश की, लेकिन वह अपनी जिद पर अड़ा रहा। इसके बाद पुलिस ने युवक की पहचान कर उसके परिजनों को सूचना दी। कुछ ही देर में परिजन भी मौके पर पहुंच गए और उसे नीचे उतरने के लिए मनाने लगे, लेकिन युवक किसी की बात सुनने को तैयार नहीं था।

लव मैरिज के बाद युवती ने नदी में लगाई छलांग

खगड़िया. खगड़िया में गुरुवार को एक नवविवाहिता ने नदी में छलांग लगा दी। सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। SDRF की टीम नदी में युवती की तलाश कर रही है। घटना नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत बलुआही स्थित बुढ़ी गंडक पुल की है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवती कुछ देर तक पुल पर टहलती रही। दोपहर में आवाजाही कम होने का फायदा उठाकर उसने अपना सुसाइड नोट, फोटो और चप्पल पुल पर ही छोड़कर नदी में कूद गई। आसपास खेल रहे बच्चों ने शोर मचाया, लेकिन तब तक युवती गंडक नदी में लापता हो चुकी थी। स्थानीय लोगों ने पुल पर मिले सुसाइड नोट और फोटो पुलिस को सौंप दिए हैं। पुलिस ने मौके से युवती की चप्पल भी बरामद की है। सुसाइड नोट में दिए गए मोबाइल नंबर के आधार पर परिजनों को घटना की सूचना दी गई। बताया जाता है कि युवती की पहचान हीरामणि के रूप में हुई है। उसने बेलदौर थाना क्षेत्र के पनसलवा गांव निवासी विकास कुमार से 4 माह पहले लव मैरिज किया था। लेकिन शादी के बाद से ही ससुराल में विवाद शुरू हो गया था। परिजन का आरोप है कि पति और ससुराल पक्ष लगातार दहेज की मांग कर रहे थे, जिसमें बाइक और कैश शामिल थी।

सीएम ने परिवार के साथ हरिहरनाथ मंदिर में की पूजा: 20 मिनट गर्भगृह में रहे मुख्यमंत्री; मंदिर के बाहर पुलिस ने दिया गार्ड ऑफ ऑनर

पटना. मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शुक्रवार को सोनपुर के हरिहरनाथ मंदिर में परिवार के साथ पूजा की। सीएम के साथ उनका परिवार भी था। मुख्यमंत्री करीब 20 मिनट तक गर्भगृह में रहे। मंदिर पहुंचते ही सबसे पहले पुलिस ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इसके बाद सीएम को देखते ही कार्यकर्ता जुट गए। मंदिर प्रशासन ने भी मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इस दौरान कड़ी सुरक्षा की गई थी। सुबह मुख्यमंत्री ने नीतीश कुमार की स्टाइल में जनता दरबार लगाया। जनता दरबार में लोगों की भीड़ दिखाई दी। सम्राट ने लोगों की शिकायतें सुनीं। सुरक्षा जांच और रजिस्ट्रेशन के बाद लोगों को अंदर एंट्री दी गई। मसौढ़ी से जनता दरबार में पहुंचे बुजुर्ग ने कहा, बिहार में भ्रष्टाचार और अफसरशाही चरम पर है। सम्राट के आने से अपराधी बिहार छोड़कर भागेंगे। उनमें डर बैठेगा, मुझे ये विश्वास है। बाढ़ से आई मीता देवी ने कहा, यहां नौकरी मांगने आई हूं। झाड़ू पोछा छोड़कर हमको सम्राट चौधरी किसी भी नौकरी पर रख सकते हैं। हम मैट्रिक पास हैं, इसलिए हम गार्ड का भी नौकरी कर सकते हैं। इधर, नई सरकार बनते ही TRE-4 की प्रक्रिया शुरू हो गई है। बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC) शिक्षक भर्ती परीक्षा के चौथे चरण (TRE-4) की तैयारी में जुट गया है। 20 अप्रैल तक इसका नोटिफिकेशन जारी कर दिया जाएगा। परीक्षा की तिथि 22 से 27 सितंबर निर्धारित की गई है।

'नारी शक्ति रन' का आयोजन: सीएम सम्राट चौधरी ने दिखाई हरी झंडी

राजधानी पटना में शुक्रवार को "नारी शक्ति फॉर विकसित भारत रन" का भव्य आयोजन जेपी गंगा पथ पर किया गया। इस मौके पर बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। यह रन जेपी गंगा पथ गोलंबर से शुरू होकर एलसीटी घाट तक आयोजित की गई। सुबह से ही बड़ी संख्या में महिलाएं और विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़ी प्रतिभागी इस रन में शामिल होने पहुंचीं। इस आयोजन में महिलाओं ने भी बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। इस मौके पर बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि, 'महिलाओं की भागीदारी के बिना देश का समग्र विकास संभव नहीं है।' उन्होंने महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए सरकार की प्रतिबद्धता को भी दोहराया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना और नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में जन-जागरूकता फैलाना था। इस पहल के जरिए यह संदेश दिया गया कि विकसित भारत के निर्माण में महिलाओं की भागीदारी बेहद जरूरी है। समाज में उनकी भूमिका को और मजबूत करने की आवश्यकता है।

मेयर सीता साहू सहित कई जनप्रतिनिधि रहे मौजूद

आयोजन में बड़ी संख्या में महिला विधायकों की भी उपस्थिति रही। इसके अलावा बिहार सरकार के पूर्व मंत्री रमा निषाद और पटना की मेयर सीता साहू भी इस आयोजन में शामिल हुईं। सभी जनप्रतिनिधियों ने महिलाओं के अधिकारों, सुरक्षा और समान भागीदारी को सुनिश्चित करने पर जोर दिया। पूरे आयोजन के दौरान सुरक्षा और व्यवस्था के भी पुख्ता इंतजाम किए गए थे। प्रशासन की ओर से प्रतिभागियों के लिए पानी, मेडिकल सहायता और अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं।

नई सरकार बनते ही 13 जिलों की जेलों में रेड: पुलिस ने बैरक-टॉयलेट की तलाशी ली

पटना. बिहार में नई सरकार बनते ही पुलिस एक्शन मोड में हैं। शुक्रवार की सुबह नालंदा, समस्तीपुर, औरंगाबाद, भोजपुर, मोतिहारी और मुजफ्फरपुर समेत 13 जिलों की जेलों में एक साथ रेड पड़ी है। इस दौरान पुलिस ने जेलों में बैरक की सघन जांच की है। बड़े अपराधियों की बैरक तक भी पुलिस पहुंची। टॉयलेट, किचन इन जगहों की भी तलाशी ली गई है। छापेमारी को लेकर अभी पुलिस कोई जानकारी नहीं दे रही है, लेकिन बताया जा रहा है कि सीएम की सख्ती के बाद ये कार्रवाई की गई है।

नालंदा में सुबह 4 बजे पहुंची 100 पुलिस वालों की टीम

नालंदा में जिला प्रशासन और पुलिस की टीम ने बिहारशरीफ मंडल कारा में सुबह 4 बजे छापेमारी की। अधिकारियों के नेतृत्व में पुलिस की टुकड़ियां जेल के अंदर दाखिल हुईं। एक-एक वार्ड की बारीकी से तलाशी ली गई। अचानक हुई इस दस्तक से जेल कर्मियों में भी अफरा-तफरी का माहौल बन गया। लगभग तीन घंटे तक चली छापेमारी के बीच सुबह करीब साढ़े छह बजे डीएम कुंदन कुमार और एसपी भारत सोनी भी मंडल कारा पहुंचे। अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। लगभग 20 मिनट तक जेल के अंदर रहने के बाद दोनों वहां से रवाना हो गए। छापेमारी के बाद जब मीडिया ने बरामदगी को लेकर अधिकारियों से सवाल किए, तो उन्होंने फिलहाल कुछ भी बोलने से परहेज किया और सीधे अपनी गाड़ी में बैठकर निकल गए। हालांकि, आधिकारिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, करीब 100 से अधिक पुलिस जवानों की मौजूदगी में चली इस सघन तलाशी के दौरान कोई भी आपत्तिजनक सामान बरामद नहीं हुआ है। वर्तमान में इस मंडल कारा में 925 के करीब बंदी है, जिनकी सुरक्षा और जेल के अंदर की गतिविधियों पर पैनी नजर रखने के उद्देश्य से यह ऑपरेशन चलाया गया था।

जेल के बाहर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

छापेमारी अभियान में एडीएम, सदर एसडीओ, अपर पुलिस अधीक्षक समेत साइबर, लॉ एंड ऑर्डर, हेडक्वार्टर और सुरक्षा डीएसपी जैसे कई वरीय अधिकारी शामिल थे। साथ ही दीपनगर, बिहार, लहेरी और नालंदा समेत कई थानों की पुलिस और पुलिस लाइन के जवानों को भी इसमें तैनात किया गया था। अधिकारी और जवान चार बड़ी बसों और एक दर्जन से अधिक छोटी गाड़ियों के काफिले के साथ जेल पहुंचे थे। प्रशासन की इस अचानक हुई कार्रवाई को राज्य में कानून-व्यवस्था की सख्ती से जोड़कर देखा जा रहा है।

मुजफ्फरपुर में 4.30 बजे डीएम-एसएसपी के साथ रेड

मुजफ्फरपुर की शहीद खुदीराम बोस केंद्रीय कारा में शुक्रवार सुबह जिलाधिकारी (डीएम) सुब्रत कुमार सेन और वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कांतेश कुमार मिश्रा के नेतृत्व में छापेमारी की गई। यह तलाशी अभियान सुबह करीब 4:30 बजे शुरू हुई। डीएम और एसएसपी के साथ दर्जनों थानों की पुलिस और पुलिस लाइन के बड़ी संख्या में जवानों ने जेल परिसर को चारों ओर से घेर लिया। अधिकारियों ने जेल के सभी वार्डों की बारीकी से जांच की। सर्च ऑपरेशन के दौरान जेल में बंद कई कुख्यात अपराधियों के हाई सिक्योरिटी वार्ड पर विशेष ध्यान दिया गया। पुलिस टीम ने कैदियों के बिस्तरों, शौचालयों और वार्ड के हर कोने की तलाशी ली। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जेल के भीतर से संचालित होने वाले संभावित आपराधिक नेटवर्क को ध्वस्त करना और मोबाइल फोन, सिम कार्ड या मादक पदार्थों जैसी आपत्तिजनक सामग्री बरामद करना था। करीब 3 घंटे चली इस सघन तलाशी के बावजूद जेल के अंदर से कोई भी आपत्तिजनक सामान नहीं मिला।

औरंगाबाद में 230 पुलिस जवान रेड में थे

शुक्रवार की सुबह औरंगाबाद जिला प्रशासन ने मंडल कारा में छापेमारी की। जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक अंबरीष राहुल के संयुक्त नेतृत्व में यह निरीक्षण किया गया, जिससे जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया। निरीक्षण के दौरान सदर अनुमंडल पदाधिकारी संतन कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, लाइन डीएसपी, ट्रैफिक डीएसपी सहित लगभग 230 पुलिस बल के जवान मौजूद रहे। भारी संख्या में पुलिस बल की मौजूदगी ने पूरे जेल परिसर को सुरक्षा के घेरे में ले लिया। टीम ने मंडल कारा के पुरुष एवं महिला वार्डों का गहन निरीक्षण किया। इसके साथ ही रसोईघर, कारा अस्पताल और पूरे परिसर का बारीकी से जायजा लिया गया।

मोतिहारी में भी पुलिस ने जेल को खंगाला

मोतिहार सेंट्रेल जेल में पुलिस की टीम ने छापेमारी की है। पुलिस की टीम सुबह 5 बजे जेल में घुसी और 2 घंटे तक बैरकों को खंगालती रही। इस दौरान जेल से कोई आपत्तिजनक सामान बरामद नहीं हुआ है। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने बताया कि जेल के अंदर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए समय-समय पर छापेमारी की जाती है।

समस्तीपुर में देर रात जेल में हुई रेड

समस्तीपुर मंडल कारा में गुरुवार रात 10:15 बजे से 12:00 बजे तक छापेमारी चली। एएसपी संजय पांडे के साथ सभी डीएसपी और पांच इंस्पेक्टर के साथ ही 58 पुलिस पदाधिकारी, 251 पुलिसकर्मी पहुंचे। छापेमारी की सूचना पर जेल अधीक्षक भी दूसरे जगह पर थे जो भागे भागे जेल पहुंचे। इस दौरान बैरक की सघन तलाशी ली गई, लेकिन कोई भी आपत्तिजनक सामान नहीं मिला।

सीएम को मारने की धमकी देने वाला गिरफ्तार: बोला- शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई नहीं की

पटना. बिहार के नए सीएम सम्राट चौधरी को जान से मारने की धमकी देने वाले को गुजरात से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी का नाम शेखर यादव (32) है। वो बिहार के बांका जिले का रहने वाला है। पुलिस की पूछताछ में उसने बताया कि उसका बिहार में एक मारपीट का केस था। पुलिस उसमें कोई कार्रवाई नहीं कर रही थी। इसलिए मैंने गुस्से में आकर सीएम हाउस में कॉल किया और धमकी दी। धमकी के बाद गुजरात और बिहार पुलिस आरोपी को लगातार ट्रैस कर रही थी। उसकी लोकेशन गुजरात के सानंद में मिली। इसके बाद पुलिस ने उसे वहां से अरेस्ट किया। आरोपी गुजरात में ड्राइवर है। गुजरात पुलिस ने आरोपी को बिहार पुलिस को सौंप दिया है। पुलिस आरोपी को बिहार ला रही है। यहां उससे पूछताछ की जाएगी। मुंगेर एसपी सैयद इमरान मसूद ने बताया कि 15 अप्रैल को संग्रामपुर थाने को एक ऑडियो क्लिप मिली थी। इसमें एक व्यक्ति मुख्यमंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करते हुए धमकी दे रहा था। इसके साथ ही उसने सीएम हाउस में अपने मोबाइल से फोन कर धमकी दी थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल केस दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। पुलिस ने आरोपी के मोबाइल का लोकेशन ट्रेस करना शुरू किया। पुलिस को पता चला कि शेखर गुजरात में है। पुलिस की टीम ने गुजरात पुलिस से संपर्क किया और शेखर यादव को अरेस्ट करने के लिए कहा। गुजरात पुलिस ने शेखर को अरेस्ट कर लिया है। अब मुंगेर पुलिस ट्रांजिट रिमांड पर उसे बिहार ला रही है।

शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई नहीं की, इसलिए दी धमकी

अहमदाबाद की डीएसपी आस्था राणा ने बताया कि 15 अप्रैल को आरोपी ने बिहार के मुख्यमंत्री कार्यालय को फोन करके जान से मारने की धमकी दी। धमकी मिलने के बाद मुख्यमंत्री कार्यालय ने मुंगेर में शिकायत दर्ज कराई। सानंद से आरोपी की मोबाइल लोकेशन मिलने के बाद मुंगेर पुलिस ने ग्रामीण एसपी से संपर्क किया। ग्रामीण एसपी से सूचना मिलने पर पीआई बी.टी. गोहिल की टीम ने आरोपी को सानंद से गिरफ्तार कर लिया। जांच के दौरान आरोपी के खिलाफ बिहार में मारपीट की शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई थी। आरोपी ने मुख्यमंत्री कार्यालय को फोन करके धमकी भी दी थी। पेशे से वह ट्रक ड्राइवर है और रात में ट्रक में ही सोता था। सम्राट चौधरी ने 15 अप्रैल को राजभवन में बिहार के 24वें मुख्यमंत्री के पद की शपथ ली। इसके बाद से वे लगातार एक्टिव हैं। सीएम लोगों के बीच जा रहे हैं। उनसे मुलाकात कर रहे हैं। विभागों की ताबड़तोड़ मीटिंग चल रही है। 16 अप्रैल को मुख्यमंत्री पटना साहिब गुरुद्वारे भी गए थे। आज उन्होंने अपने आवासा पर जनता दरबार लगाकर लोगों की समस्याएं भी सुनीं।

नवादा में जनगणना-2027 स्व-गणना प्रक्रिया शुरू: 1 मई तक चलेगा, पूरे प्रोसेस के बारे में डीएम ने जानकारी दी

नवादा में भारत सरकार द्वारा जनगणना-2027 के तहत स्व-गणना प्रक्रिया का शुक्रवार को शुभारंभ किया गया है। नवादा के जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश ने स्वयं ऑनलाइन पंजीकरण कर इस अभियान की शुरुआत की। यह अभियान 17 अप्रैल 2026 से 01 मई 2026 तक चलेगा। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी ने बताया कि स्व-गणना एक सरल और सुविधाजनक प्रक्रिया है। इसके माध्यम से नागरिक अपने परिवार से संबंधित जानकारी स्वयं ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं। इससे समय की बचत होती है और डेटा की सटीकता व विश्वसनीयता सुनिश्चित होती है। जिला पदाधिकारी ने प्रक्रिया समझाते हुए कहा कि नागरिक निर्धारित अवधि के भीतर आधिकारिक जनगणना पोर्टल या मोबाइल ऐप पर जाकर अपना मोबाइल नंबर पंजीकृत करें। ओटीपी के माध्यम से लॉगिन करने के बाद, परिवार के सभी सदस्यों का विवरण सावधानीपूर्वक भरकर अंतिम रूप से सबमिट करें। उन्होंने जोर दिया कि स्व-गणना से सटीक और पारदर्शी डेटा प्राप्त होता है, जो सरकारी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन में सहायक होता है। यह प्रक्रिया नागरिकों के लिए अत्यंत सुविधाजनक होने के साथ-साथ समय बचाने वाली भी है। जिला पदाधिकारी ने सभी नागरिकों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में स्व-गणना प्रक्रिया में भाग लें।

निगरानी ने राजस्व कर्मचारी को 40 हजार घूस लेते पकड़ा: महिला सहकर्मी भी गिरफ्तार

पूर्णिया. पूर्णिया में निगरानी की टीम ने राजस्व कर्मचारी लाल बाबू रजक और महिला सहकर्मी रूमी कुंडू को 40 हजार रुपए घूस लेते हुए पकड़ा है। कार्रवाई के लिए निगरानी की 7 सदस्यीय टीम अंचल कार्यालय स्थित अभिलेखागार ऑफिस में पहुंची थी। घुस लेने वाले बाबू रजक और रूमी 3 साल से ज्यादा समय से पूर्णिया पूर्व के अंचल ऑफिस में पोस्टेड थे। निगरानी दोनों से पूछताछ कर रही है। पकड़े गए राजस्व अधिकारी पिछले 3 साल से अंचल कार्यालय में जमे थे। बाबू रजक के जिम्मे सिकंदरपुर, बरसौनी, गुलाबबाग और टाउन का भी प्रभार था। शिकायतकर्ता सूरज सहनी ने बताया कि मामला साढ़े 3 कट्ठा जमीन से जुड़ा है। इसी जमीन पर रोक संबंधित प्रतिवेदन को लेकर मुझे राजस्व अधिकारी पिछले 3 महीने से दौड़ा रहे थे। इसके बाद रिश्वत के लिए राजस्व अधिकारी ने मुंह खोला था। निगरानी के डीएसपी

अमरेंद्र प्रसाद विद्यार्थी ने बताया कि बीते 8 अप्रैल को सदर थाना क्षेत्र के पोलोग्राम हंसदा के रहने वाले सूरज सहनी ने निगरानी ऑफिस में राजस्व अधिकारी के खिलाफ शिकायत की थी। आवेदन में उन्होंने पूर्णिया पूर्व अंचल ऑफिस में पोस्टेड राजस्व अधिकारी लाल बाबू रजक के ऊपर 40 हजार रुपए रिश्वत की डिमांड का आरोप लगाया था। सूरज के पास इसके सबूत भी थे। जांच में शिकायत सही मिली, फिर एफआईआर हुई। टीम का गठन हुआ। डीएसपी ने कहा कि रिश्वत की मांग जमीन से जुड़े मामले में की गई थी। लाल बाबू ने पहले 50 हजार रुपए मांगे थे। बाद में 40 हजार रुपए में डील फिक्स हुई। राजस्व कर्मचारी ने शिकायतकर्ता सूरज सहनी को डिमांड के 40 हजार रुपए लेकर ऑफिस बुलाया था। अंचल कार्यालय के अभिलेखागार में राजस्व अधिकारी लाल बाबू रजक और सहकर्मी रूमी कुंडू को 40 हजार रुपए लेते पकड़ा गया। कैश लाल बाबू को दिया जा रहा था। लाल बाबू ने ये कैश रूमी कुंडू को देने को कहा था। कैश कागज में लपेट कर दिया गया था। जिसके ऊपर शिकायतकर्ता का नाम लिखा था।

बेटे निशांत के साथ नया बंगला देखने पहुंचे नीतीश: दिल्ली में अमित शाह के पड़ोसी बने

पटना. पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद नीतीश कुमार शुक्रवार दोपहर बेटे निशांत के साथ 7 सर्कुलर वाले नए बंगले का कामकाज देखने पहुंचे। वे जल्द इस बंगले में शिफ्ट होंगे। इधर दिल्ली में उन्हें टाइप-8 कैटेगरी का सरकारी बंगला मिला है। नीतीश कुमार को दिल्ली के सुनहरी बाग रोड स्थित बंगला नंबर-9 आवंटित किया गया है। नीतीश के आवाज से 150 मीटर की दूरी पर गृह मंत्री अमित शाह का और 100 मीटर की दूरी पर ही

राहुल गांधी का भी आवास है।आपको बता दें कि बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन इसी इलाके में 8 नंबर बंगला में रहते हैं। नीतीश कुमार का बंगला करीब 3 एकड़ में फैला है। यह बंगला आधुनिक सुविधाओं से लैस है। इसके साथ ही यहां रहने वालों की सुरक्षा के बेहद पुख्ता इंतजाम हैं। इस तरह के घर आमतौर पर सीनियर केंद्रीय मंत्री, सुप्रीम कोर्ट के जज, पूर्व राष्ट्रपति को मिलते हैं। टाइप 8 बंगला करीब 3 एकड़ में फैला होता है। बड़ा लॉन रहता है, जिसमें वीवीआईपी टहल सकते हैं। बंगला में 5 बेडरूम, 1 लिविंग रूम, बड़ा डाइनिंग एरिया, स्टडी रूम और गैरेज मिलता है। सुरक्षा के बेहद हाई-क्लास इंतजाम होते हैं। गेट से लेकर लॉन, बगीचा, हॉल तक चप्पे-चप्पे की निगरानी 24 घंटे सीसीटीवी कैमरों की मदद से होती है। नीतीश पहले पटना स्थित एक अणे मार्ग (सीएम आवास) में रह रहे हैं। सीएम आवास 6 एकड़ में फैला है। दिल्ली वाला बंगला आकार में इससे आधा है। लुटियंस दिल्ली में 3 हजार से अधिक सरकारी बंगले और फ्लैट हैं। इनमें से टाइप 8 बंगले 100 से अधिक हैं। गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी टाइप-8 बंगले में रहते हैं। टाइप-8 बंगलों का अलॉटमेंट केंद्र सरकार के आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के तहत सरकारी आवासों के अलॉटमेंट (दिल्ली में जनरल पूल) नियम, 1963 के अनुसार होता है। लोकसभा और राज्यसभा की हाउसिंग कमेटी सैलरी, सीनियारिटी और उपलब्धता के आधार पर इन बंगलों का अलॉटमेंट करती है। सांसदों, मंत्रियों और जजों को प्राथमिकता दी जाती है। टाइप-8 बंगले देश में सबसे ऊंचे पदों पर बैठे लोगों या जिन्होंने पहले महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाली हैं, उन्हें अलॉट किए जाते हैं। इसमें पूर्व राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति शामिल हैं। उदाहरण के लिए, पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू त्यागराज मार्ग पर टाइप-8 बंगला में रहते हैं। इसी तरह, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को भी ऐसा ही एक बंगला अलॉट किया गया है।

सम्पादकीय

कोयलांचल संवाद

रांची, शनिवार, 18 अप्रैल, 2026

www.ksnewsupdates.com

राजनीतिक सरगर्मी बढ़ने का कारण, सरकार पर बढ़ता दबाव

भारत की राजनीति में वर्तमान समय में तूफान देखने को मिल रहा है। विपक्ष सरकार के ऊपर आक्रामक होता चला जा रहा है। वहीं सरकार विपक्ष पर आक्रामक होकर अपना बचाव करने और अपनी सत्ता को मजबूत बनाने के लिए जिस तेजी के साथ काम कर रही है उसने भारतीय राजनीति में एक नया तूफान ला दिया है। इसी बीच सरकार ने संसद का विशेष सत्र बुलाया है। संसद के इस विशेष सत्र में सरकार महिला आरक्षण के पीछे छिपकर 2029 के लोकसभा चुनाव का बड़ा खेल करना चाहती है। जिस तरह से सरकार की चुनौतियां बढ़ रही हैं, उसको देखते हुए सरकार के लिए जरूरी हो गया था कि वह महिला आरक्षण को लेकर जनगणना के पहले ही परिसीमन के माध्यम से सीटें बढ़ा ले। परिसीमन आयोग में अपने लोगों की नियुक्ति करके 2029 के लोकसभा चुनाव के पहले महिला आरक्षण निश्चित कर दे। सरकार ने इसके लिए भी ऐसा समय चुना जबकि पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के विधानसभा चुनाव चल रहे हैं। ऐसे में महिला आरक्षण की दुधारी तलवार चलाना सवाल खड़े कर रही है। सरकार का मानना है, कि इससे तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में फायदा होगा। जब राजनीतिक दल और उनके सांसद चुनाव प्रचार में फंसे होंगे उसी बीच विशेष सत्र बुलाकर संसद से बिल पास कराकर 2029 के लोकसभा चुनाव का चक्रव्यूह तैयार कर लेंगे।

परिसीमन का मुद्दा विशेष रुप से संवेदनशील है, क्योंकि परिसीमन आयोग सरकार बनाएगी। ठीक उसी तरह जिस तरह से चुनाव आयोग सरकार के इशारे पर काम कर रहा है, विपक्ष की यह आशंका है। यदि सरकार ने परिसीमन आयोग बना लिया, उसमें 2026 में जो जनगणना हो रही है उसको बिल में स्थान नहीं दिया, ऐसी स्थिति में सरकार हिंदी भाषी राज्यों की जहां भाजपा का प्रभाव है वहां अपनी सीटों को बढ़ा लेगी। सरकार यदि यह बिल पास कराने में सफल हो गई तो 2047 तक फिर उसके लिए कोई चुनौती नहीं रह जाएगी। इस बात को विपक्ष और दक्षिण के राज्य अच्छी तरह से समझ रहे हैं। 2023 में जब यह महिला आरक्षण बिल पास हुआ था उस समय विपक्ष ने महिला आरक्षण तुरंत लागू करने सरकार पर दबाव बनाया था। उस समय सरकार ने जनगणना और उसके बाद परिसीमन की बात कहकर आरक्षण को 2029 तक के लिए टाल दिया था। 2024 के लोकसभा चुनाव परिणाम भाजपा के पक्ष में नहीं रहे। उसे स्पष्ट बहुमत नहीं मिला उसके बाद से सरकार के लिए लगातार चुनौतियां बढ़ती जा रही हैं। भारत में राजनीतिक स्थितियों में बदलाव आया है। उसके बाद भाजपा को लग रहा है कि वह जल्द ही परिसीमन आयोग का गठन करके आयोग पर दबाव बनाकर महिला आरक्षण के बहाने जहां डबल इंजन की सरकारें हैं वहां पर लोकसभा और विधानसभा सीटों का परिसीमन इस तरह से कराई जाए ताकि विपक्ष भविष्य में फिर कभी चुनौती न दे सके।

जाति जनगणना को इस बिल में कोई महत्व नहीं दिया जा रहा है। ऐसी स्थिति में जो 33 प्रतिशत महिला आरक्षण है, उसमें भी अल्पसंख्यक समुदाय को दरकिनार करते हुए सामान्य वर्ग की महिलाओं को ज्यादा से ज्यादा संख्या में लाकर सत्ता पर 2047 तक उन्हें फिर कोई चुनौती न मिले इसका इंतजाम मोदी सरकार करना चाह रही है। इसमें कितनी सफल होगी या नहीं होगी फिलहाल कहना मुश्किल है, लेकिन इसे लेकर जिस तरह से राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है उससे ऐसा लगता है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में अब आर-पार की लड़ाई शुरू हो गई है। हद तो यह है कि राजनीतिक उथल-पुथल के बीच संसद के विशेष सत्र में लाए गए बिल के परिणाम क्या हो सकते हैं इसको लेकर कोई भी राजनीतिक पंडित स्पष्ट राय कायम नहीं कर पा रहा है। यह स्पष्ट है कि वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य केवल विधेयकों या नीतियों का नहीं, बल्कि भरोसे और संतुलन का भी प्रश्न है। आने वाले समय में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि सरकार और विपक्ष इस टकराव को लोकतांत्रिक संवाद में बदल पाते हैं या नहीं। क्योंकि लोकतंत्र की मजबूती टकराव में नहीं, बल्कि सहमति और संतुलन में निहित होती है। संसद का विशेष सत्र गुरुवार को शुरू हो गया है महिला आरक्षण विधेयक परिसीमन और जाति जनगणना को लेकर क्या फैसला होता है इसका पता लग जाएगा। जो सोचते हैं वह होता नहीं है और जो नहीं सोचते हैं अक्सर वही हो जाता है। 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा ने जो रणनीति बनाई थी वह सफल नहीं हो पाई, अभी जो रणनीति बनाई है वह सफल हो पाएगी या नहीं इसको लेकर तरह-तरह की अटकलों का दौर शुरू हो गया है।

अंकों की दौड़ नहीं, समझ और संतुलन की ज़रूरत

हाल ही में, बुधवार को 15 अप्रैल 2026 को सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) ने कक्षा 10वीं का परीक्षा परिणाम घोषित किया, जिसमें इस वर्ष कुल 93.70% छात्र सफल हुए हैं। यह आंकड़ा पिछले वर्ष के 93.66% की तुलना में 0.04% अधिक है, जो परिणाम में हल्का किंतु सकारात्मक सुधार दर्शाता है। इस बार भी छात्राओं ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए 94.99% पास प्रतिशत हासिल किया, जबकि लड़कों का पास प्रतिशत 92.69% रहा। वहीं ट्रांसजेंडर छात्रों का पास प्रतिशत 87.50% दर्ज किया गया, जो शिक्षा के क्षेत्र में सभी वर्गों की भागीदारी और प्रगति का संकेत देता है। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों में 55,368 छात्रों ने 95% से अधिक अंक प्राप्त किए, जबकि 2,21,574 छात्रों ने 90% से अधिक अंक हासिल किए, जो प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण और विद्यार्थियों की मेहनत को दर्शाता है। इसके साथ ही लगभग 14.7 लाख से अधिक छात्रों को 'कम्पार्टमेंट' श्रेणी में रखा गया है, जो यह दर्शाता है कि एक बड़ा वर्ग अभी भी सुधार की दिशा में प्रयासरत है। इस वर्ष परीक्षार्थियों की कुल संख्या पिछले वर्ष की तुलना में थोड़ी कम रही। उल्लेखनीय है कि सीबीएसई ने इस बार भी टॉपर सूची जारी नहीं की और न ही फर्स्ट, सेकेंड या थर्ड डिवीजन की व्यवस्था अपनाई, ताकि छात्रों के बीच अनावश्यक तुलना और प्रतिस्पर्धा को रोका जा सके। हालांकि, परीक्षा परिणाम बेहतर रहा है, लेकिन इसके साथ एक महत्वपूर्ण सामाजिक प्रवृत्ति भी सामने आती है, जहां अभिभावक अपने बच्चों के अंकों की तुलना दूसरों से करने लगते हैं, जिससे बच्चों पर अनावश्यक दबाव बढ़ता है। वास्तव में, हर बच्चा अलग होता है-किसी की गणित और विज्ञान में पकड़ मजबूत होती है तो कोई कला, खेल या भाषा में उत्कृष्ट होता है। यदि बच्चों का मूल्यांकन केवल अंकों के आधार पर किया जाए, तो इससे उनके आत्मविश्वास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है और वे हीन भावना, तनाव तथा असफलता के भय से ग्रस्त हो सकते हैं। प्रतिस्पर्धा जीवन का हिस्सा अवश्य है, लेकिन वह तभी तक सकारात्मक है जब तक वह प्रेरणा देती है; जब यह दबाव और चिंता का कारण बनने लगे, तब यह मानसिक और भावनात्मक विकास के लिए हानिकारक हो जाती है। इसलिए बच्चों को दूसरों से बेहतर बनने के बजाय स्वयं से बेहतर बनने की प्रेरणा देना अधिक उचित है।

इस संदर्भ में माता-पिता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्हें बच्चों के प्रयासों की सराहना करनी चाहिए, न कि केवल परिणामों पर ध्यान देना चाहिए। यदि बच्चा अपेक्षा के अनुरूप अंक प्राप्त नहीं कर पाता, तो उसे डांटने या तुलना करने के बजाय यह समझने की कोशिश करनी चाहिए कि सुधार की आवश्यकता कहां है। बच्चों के साथ संवाद बनाए रखना, उनकी रुचियों और क्षमताओं को समझना तथा उसी दिशा में प्रोत्साहित करना ही सही मार्गदर्शन है। आज के प्रतिस्पर्धी दौर में अपेक्षाएं स्वाभाविक हैं, लेकिन जब अभिभावक अपनी अधूरी इच्छाएं बच्चों पर थोपते हैं, तो यह उनके व्यक्तित्व विकास में बाधा बनती हैं। हर बच्चा अपनी अलग पहचान और क्षमता लेकर आता है, इसलिए उस पर अत्यधिक अपेक्षाओं का बोझ डालना उचित नहीं है। हाल फिलहाल, यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि अंकों की अंधी दौड़ बच्चों के समग्र विकास और मानसिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। सफलता का वास्तविक पैमाना केवल अंक नहीं, बल्कि ज्ञान, कौशल और प्रतिभा का विकास है। अत्यधिक दबाव के कारण बचपन प्रभावित हो रहा है और रचनात्मकता में कमी आ रही है, जबकि जीवन में आगे बढ़ने के लिए व्यावहारिक ज्ञान और कौशल अधिक महत्वपूर्ण होते हैं। बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि प्रसिद्ध व्यवहारवादी मनोवैज्ञानिक जॉन बी. वॉटसन ने बच्चों के विकास को लेकर एक चर्चित और विवादास्पद कथन दिया था-मुझे एक दर्जन स्वस्थ, अच्छी तरह विकसित शिशु दे दीजिए और उन्हें अपने वातावरण में पालने का अवसर दीजिए, तो मैं उनमें से किसी को भी डॉक्टर, वकील, कलाकार, व्यापारी, यहां तक कि भिखारी या चोर बना सकता हूं, चाहे उसकी जन्मजात प्रतिभा कुछ भी क्यों न हो। वास्तव में, इस कथन का मूल भाव यह है कि वे बच्चों के विकास में वातावरण को अत्यंत महत्वपूर्ण मानते थे। हालांकि आधुनिक मनोविज्ञान यह मानता है कि बच्चे के व्यक्तित्व और विकास में वंशानुगत गुण (हेरिडिटेरी ट्रेट्स) और वातावरण-दोनों का संतुलित योगदान होता है।

विश्व धरोहर दिवसः सभ्यता की अमूल्य धरोहरों को बचाने का संकल्प

> वर्तमान समय में बढ़ता शहरीकरण, प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, अवैध निर्माण, युद्ध, प्राकृतिक आपदाएँ और लापरवाही अनेक धरोहरों के अस्तित्व पर संकट बनकर खड़े हैं। इसलिए इनका संरक्षण केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। धरोहरों से हमारी जड़ें मजबूत होती हैं, राष्ट्रीय गौरव बढ़ता है और पर्यटन उद्योग को नई दिशा मिलती है। भारत सरकार ने भी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण हेतु अनेक महत्त्वपूर्ण पहलें की हैं। विदेशों में पहुँचे प्राचीन पुरावशेषों की वापसी के प्रयास तेज किए गए हैं, और वर्ष 1976 से अब तक लगभग 655 पुरावशेष भारत वापस लाए जा चुके हैं।

सुनील कुमार महला

प्रत्येक वर्ष 18 अप्रैल को विश्व धरोहर दिवस मनाया जाता है। इसे विश्व विरासत दिवस, वर्ल्ड हेरिटेज डे तथा आधिकारिक रूप से अंतर्राष्ट्रीय स्मारक एवं स्थल दिवस (इंटरनेशनल डे फोर मोन्यूमेंट्स एंड साइट्स) कहा जाता है। यह दिवस मानवता की साझा सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से मनाया जाता है।वास्तव में, विश्व धरोहर स्थल (वर्ल्ड हेरिटेज साइट्स) वे स्थान हैं जिन्हें मानवता के लिए उनके असाधारण सार्वभौमिक महत्व के आधार पर मान्यता दी जाती है और भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित करने हेतु विश्व धरोहर सूची में शामिल किया जाता है। इन स्थलों का संरक्षण यूनेस्को विश्व धरोहर सम्मेलन, 1972 के अंतर्गत किया जाता है, जिसे यूनेस्को सदस्य देशों द्वारा स्वीकार किया गया एक महत्त्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय समझौता माना जाता है। बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि इस दिवस का मुख्य उद्देश्य विश्वभर के ऐतिहासिक स्मारकों, सांस्कृतिक स्थलों, पुरातात्विक अवशेषों, प्राकृतिक संपदाओं तथा मानव सभ्यता से जुड़ी अमूल्य विरासतों के संरक्षण के प्रति जनचेतना उत्पन्न करना है। वास्तव में धरोहर केवल पत्थरों से बनी इमारतें नहीं हैं, बल्कि वे हमारी संस्कृति, परंपरा, कला, ज्ञान, संघर्ष, इतिहास और सामूहिक पहचान की जीवंत प्रतीक हैं।

उल्लेखनीय है कि इस दिवस की शुरुआत वर्ष 1982 में इंटरनेशनल काउंसिल ऑन मॉन्यूमेंट्स एंड साइट्स द्वारा ट्यूनीशिया में आयोजित बैठक में हुई, जहाँ 18 अप्रैल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मनाने का प्रस्ताव रखा गया। इसके बाद वर्ष 1983 में यूनेस्को की 22वीं महासभा ने इसे औपचारिक मान्यता प्रदान की। तभी से प्रतिवर्ष 18 अप्रैल को यह दिवस विश्वभर में मनाया जाता है। विश्व धरोहर स्थल विशेष स्थान, भवन, दुर्ग, नगर, वन, पर्वत, झील, मरुस्थल या प्राकृतिक क्षेत्र हो सकते हैं, जिन्हें मानवता के लिए विशिष्ट महत्व का माना जाता है। किसी स्थल को विश्व विरासत सूची में शामिल करने से पूर्व यूनेस्को उसे कठोर मानकों पर परखता है। वर्तमान में 10 चयन मानदंड निर्धारित हैं, जिनमें से कम से कम एक को पूरा करना आवश्यक है। इनमें ऐतिहासिक महत्व, स्थापत्य कला, सांस्कृतिक प्रभाव, प्राकृतिक सौंदर्य, जैव विविधता तथा वैज्ञानिक महत्त्व जैसे पहलू सम्मिलित हैं।विश्व धरोहर मुख्यतः तीन प्रकार की होती है- पहली, सांस्कृतिक धरोहर, जिसमें स्मारक, मंदिर, मस्जिद, चर्च, किले, मूर्तियाँ, प्राचीन नगर, स्थापत्य कला, भाषा, संगीत, नृत्य और परंपराएँ शामिल हैं। दूसरी, प्राकृतिक धरोहर, जिसमें पर्वत, नदियाँ, समुद्र, वन, वन्यजीव, जैव विविधता और अद्वितीय प्राकृतिक परिदृश्य आते हैं तथा तीसरी, मिश्रित धरोहर, जिनमें सांस्कृतिक और प्राकृतिक दोनों विशेषताएँ विद्यमान होती हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि यूनेस्को केवल स्थायी संरचनाओं या प्राकृतिक स्थलों को ही नहीं, बल्कि अमूर्त सांस्कृतिक विरासत को भी मान्यता देता है। भारत की योग परंपरा और कुंभ मेला इसके प्रमुख उदाहरण हैं।

विश्व स्तर पर सबसे अधिक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों वाला देश इटली है, जिसके बाद चीन का स्थान आता है। भारत भी विश्व धरोहर स्थलों की दृष्टि से अग्रणी देशों में सम्मिलित है। यूनेस्को एक विशेष सूची वर्ल्ड हेरिटेज इन डेंजर भी संचालित करता है, जिसमें उन स्थलों को शामिल किया जाता है जो युद्ध, प्रदूषण, प्राकृतिक आपदा, अतिक्रमण, अत्यधिक पर्यटन, जलवायु परिवर्तन या उपेक्षा के कारण संकट में हों। यदि कोई स्थल संरक्षण मानकों का पालन न करे या उसका मूल स्वरूप गंभीर रूप से बदल जाए, तो उसे सूची से हटाया भी जा सकता है। उदाहरणस्वरूप ओमान का अरेबियन ओरिक्स अभयारण्य तथा जर्मनी की ड्रेसडेन एल्बे घाटी को सूची से हटाया जा चुका है। यहां यह उल्लेखनीय है कि अक्टूबर 2024 तक विश्वभर के 196 देशों में लगभग 1,223 विश्व धरोहर स्थल थे, जिनमें 952 सांस्कृतिक, 231 प्राकृतिक और 40 मिश्रित स्थल शामिल हैं। भारत जैसे प्राचीन और बहुसांस्कृतिक देश में इस दिवस का विशेष महत्व है। अप्रैल 2025 तक भारत में 43 विश्व धरोहर स्थल (34 सांस्कृतिक, 7 प्राकृतिक और 2 मिश्रित) तथा 62 स्थल संभावित सूची में सम्मिलित थे। भारत के प्रमुख धरोहर स्थलों में ताजमहल, आगरा किला, फतेहपुर सीकरी, अजंता-एलोरा गुफाएँ, एलीफेंटा गुफाएँ, खजुराहो समूह, सांची स्तूप, महाबोधि मंदिर, हम्पी, महाबलीपुरम, जंतर-मंतर, कुतुब मीनार, लाल किला, कोणार्क सूर्य मंदिर, नालंदा, भीमबेटका, सुंदरबन राष्ट्रीय उद्यान, काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, पश्चिमी घाट तथा कंचनजंघा राष्ट्रीय उद्यान प्रमुख हैं। राजस्थान धरोहर संपदा की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध राज्य है। यहाँ जयपुर शहर, जंतर-मंतर जयपुर, आमेर किला, चित्तौड़गढ़ दुर्ग, कुंभलगढ़, रणथंभौर दुर्ग, जैसलमेर किला, गागरोन दुर्ग तथा केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान जैसे विश्व धरोहर स्थल स्थित हैं। वर्ष 2021 में भारत के रामप्पा मंदिर (तेलंगाना) तथा धोलावीरा (गुजरात) को विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया, जिससे भारत की संख्या में वृद्धि हुई।विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर प्रतिवर्ष एक विशेष थीम घोषित की जाती है।वर्ष 2025 की थीम थी- आपदाओं और संघर्षों से विरासत खतरे मेंः आइसीओएमओएस के 60 वर्षों के अनुभवों से तैयारी और सीख। तथा वर्ष 2026 की थीम है-संघर्षों और आपदाओं के संदर्भ में जीवित विरासत के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया। रखी गई है।इसका आशय यह है कि युद्ध, संघर्ष और प्राकृतिक आपदाओं के समय केवल भवनों और स्मारकों की ही नहीं, बल्कि जीवित विरासतों-जैसे लोक परंपराएँ, सामाजिक ज्ञान, सांस्कृतिक पहचान और समुदाय आधारित परंपराएँ की भी त्वरित सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

वर्तमान समय में बढ़ता शहरीकरण, प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, अवैध निर्माण, युद्ध, प्राकृतिक आपदाएँ और लापरवाही अनेक धरोहरों के अस्तित्व पर संकट बनकर खड़े हैं। इसलिए इनका संरक्षण केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। धरोहरों से हमारी जड़ें मजबूत होती हैं, राष्ट्रीय गौरव बढ़ता है और पर्यटन उद्योग को नई दिशा मिलती है। भारत सरकार ने भी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण हेतु अनेक महत्त्वपूर्ण पहलें की हैं। विदेशों में पहुँचे प्राचीन पुरावशेषों की वापसी के प्रयास तेज किए गए हैं, और वर्ष 1976 से अब तक लगभग 655 पुरावशेष भारत वापस लाए जा चुके हैं। इतना ही नहीं, वर्ष 2024 में रामचरितमानस, पंचतंत्र और सहृदयलोक-स्थान जैसी कृतियों को यूनेस्को की विश्व स्मृति समिति के एशिया-प्रशांत क्षेत्रीय रजिस्टर में शामिल किया गया, जिससे भारतीय ज्ञान परंपरा को वैश्विक सम्मान मिला। यह अच्छी बात है कि वर्ष 2017 में प्रारंभ हेरिटेज एडॉप्ट कार्यक्रम के माध्यम से सार्वजनिक एवं निजी संस्थाओं को सीएसआर फंडिंग के जरिए विरासत स्थलों के संरक्षण और विकास में भागीदारी का अवसर दिया गया। इतना ही नहीं, राष्ट्रीय स्मारक और पुरावशेष मिशन के अंतर्गत 12.3 लाख से अधिक पुरावशेषों तथा 11,400 विरासत स्थलों का डिजिटलीकरण किया जा चुका है। साथ ही डिजिटल स्पेस में भारतीय विरासत पहल के माध्यम से लोगों को आभासी रूप से विरासत स्थलों का अनुभव कराया जा रहा है।

महिला आरक्षण बिल अब केवल महिला सशक्तिकरण तक सीमित नहीं रहा

> सरकार का पक्ष इससे अलग है। सरकार का कहना है कि सभी राज्यों में सीटों की संख्या समान अनुपात में बढ़ाई जाएगी,जिससे किसी राज्य कावर्तमान प्रतिनिधित्व कम नहीं होगा।पीएम ने संसद में अपने संबोधन में स्पष्ट किया कि यह कदम महिलाओं को राजनीतिक मुख्यधारा में लाने और लोकतंत्र को अधिक समावेशी बनाने के लिए उठाया गया है।सरकार का यह भी दावा है कि परिसीमन आयोग निष्पक्ष रूप से काम करेगा और किसी राज्य के साथ भेदभाव नहीं होगा।उनके अनुसार, यह केवल जनसंख्या के आधार पर नहीं बल्कि व्यापक प्रतिनिधित्व और प्रशासनिक सुविधा को ध्यान में रखकर किया जाएगा।

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

विपक्ष को परिसीमन के बाद संसद में सत्ता संतुलन और अधिक एकतरफा होने की आशंका छाई- सियासी लड़ाई उत्तर बनाम दक्षिण पर आई-पुरे विश्व नें नज़रें लगाई वैश्विक स्तरपर भारत की संसदीय राजनीति एक ऐसे निर्णायक मोड़ पर खड़ी है,जहाँ एक ओर महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का ऐतिहासिक प्रयास दिखाई देता है,वहीं दूसरी ओर परिसीमन (डेलिमिटेशन) के माध्यम से राजनीतिक शक्ति संतुलन में संभावित बदलाव ने व्यापक विवाद को जन्म दिया है। संसद के विशेष सत्र में पेश किए गए तीन प्रमुख विधेयक (1) महिला आरक्षण से संबंधित संवैधानिक संशोधन बिल 2026 (2) परिसीमन (डेलिमिटेशन) बिल2026 (3) केंद्र शासित प्रदेशों से जुड़े कानूनों में संशोधन बिल 2026 जहां कानून मंत्री ने संवैधानिक संशोधन और परिसीमन बिल पेश किए, वहीं केंद्रीय गृहमंत्री ने केंद्र शासित प्रदेशों से जुड़ासटीक संशोधन विधेयक पेश किया। महिला आरक्षण से संबंधित संवैधानिक संशोधन, परिसीमन विधेयक और केंद्र शासित प्रदेशों से जुड़े संशोधन ने न केवल राजनीतिक बहस को तेज किया है, बल्कि देश के संघीय ढांचे, प्रतिनिधित्व और क्षेत्रीय संतुलन को लेकर गहरे सवाल भी खड़े कर दिए हैं। यह मुद्दा अब केवल महिला सशक्तिकरण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह उत्तर बनाम दक्षिण, जनसंख्या बनाम प्रतिनिधित्व और सत्ता बनाम संतुलन की बहस में बदल चुका है। 16 अप्रैल 2026 को विशेष संसद सत्र के पहले दिन सरकार द्वारा पेश किए गए तीनविधेयकों में सबसे अधिक ध्यान महिला आरक्षण और परिसीमन विधेयक पर केंद्रित रहा। संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 के तहत लोकसभा की सीटों को बढ़ाकर 850 करने का प्रस्ताव रखा गया है, जिसमें 815 सीटें राज्यों और 35 सीटें केंद्र शासित प्रदेशों के लिए निर्धारित की गई हैं। इसके साथ ही लगभग 272 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने की योजना है। तीनों बिलों को संसद में पेश करने के लिए ध्वनि मत से रखने के लिए विपक्ष तैयार नहीं हुआ इसलिए वोटिंग करानी पड़ी वोटिंग के दौरान सरकार को 251 सांसदों का समर्थन मिला, जबकि 185 सांसदों ने विरोध किया। यह स्पष्ट संकेत है कि संसद में यह मुद्दा केवल नीतिगत नहीं बल्कि गहराई से राजनीतिक और क्षेत्रीय विभाजन का विषय बन चुका है। ध्वनि मत के बजाय डिवीजन की मांग ने इस विवाद को और अधिक औपचारिक और गंभीर बना दिया। यह समझना महत्वपूर्ण है कि विपक्ष महिला आरक्षण का विरोध नहीं कर रहा,बल्कि उसका मुख्य विरोध इस बात से है कि महिला आरक्षण को परिसीमन के साथ जोड़ा गया है। विपक्ष का कहना है कि महिला आरक्षण को तुरंत लागू किया जाना चाहिए,न कि इसे जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया से जोड़कर टाल दिया जाए दरअसल 2023 में पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लागू करने के लिए यह आवश्यक शर्त रखी गई थी कि पहले नई जनगणना होगी और उसके बाद परिसीमन के जरिए नई सीटों का निर्धारण किया जाएगा। यहीं से विवाद की जड़ शुरू होती है। विपक्ष इसे एक डिले टैक्टिक यानी देरी करने की रणनीति मानता है,जबकि सरकार इसे संरचनात्मक सुधार का महत्वपूर्ण तथा आवश्यक हिस्सा बताती है।

परिसीमन का मूल उद्देश्य जनसंख्या के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों का पुनर्गठन करना होता है। लेकिन भारत में 1971 की जनगणना के आधार पर सीटों का निर्धारण लंबे समय तक स्थिर रखा गया, ताकि परिवार नियोजन को बढ़ावा देने वाले राज्यों को नुकसान न हो। 1976 में यह तय किया गया कि 2026 तक परिसीमन नहीं होगा। अब जब 2026 के बाद परिसीमन की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है,तो सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्याजनसंख्या के आधार पर सीटों का पुनर्वितरण किया जाएगा? यदि ऐसा होता है,तो उत्तर भारत के अधिक जनसंख्या वाले राज्यों जैसे उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश को अधिक सीटें मिलेंगी, जबकि दक्षिण भारत के अपेक्षाकृत कम जनसंख्या वृद्धि वाले राज्यों जैसे तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक की सीटें घट सकती हैं। यही वह बिंदु है जहाँ यह मुद्दा एक राष्ट्रीय बहस से क्षेत्रीय संघर्ष में बदल जाता है। दक्षिण भारतीय राज्यों का तर्क है कि उन्होंने जनसंख्या नियंत्रण में सफलता हासिल की है, शिक्षा और स्वास्थ्य में बेहतर प्रदर्शन किया है,और अब उन्हें सजा के रूप में कमप्रतिनिधित्व दिया जा रहा है।दक्षिण के राजनीतिक दलों, विशेषकर डीएमके और कांग्रेस, ने इसे संघीय ढांचे के लिए खतरा बताया है। उनका मानना है कि इससे संसद में दक्षिण की आवाज कमजोर हो जाएगी और राष्ट्रीय नीतियों में उनका प्रभाव घट जाएगा। यह स्थिति भारत के संघीय संतुलन को अस्थिर कर सकती है। सरकार का पक्ष इससे अलग है। सरकार का कहना है कि सभी राज्यों में सीटों की संख्या समान अनुपात में बढ़ाई जाएगी,जिससे किसी राज्य कावर्तमान प्रतिनिधित्व कम नहीं होगा।पीएम ने संसद में अपने संबोधन में स्पष्ट किया कि यह कदम महिलाओं को राजनीतिक मुख्यधारा में लाने और लोकतंत्र को अधिक समावेशी बनाने के लिए उठाया गया है।सरकार का यह भी दावा है कि परिसीमन आयोग निष्पक्ष रूप से काम करेगा और किसी राज्य के साथ भेदभाव नहीं होगा।उनके अनुसार, यह केवल जनसंख्या के आधार पर नहीं बल्कि व्यापक प्रतिनिधित्व और प्रशासनिक सुविधा को ध्यान में रखकर किया जाएगा।

सघर्ष ही जीवन है और जीवन में शांति की आवश्यकता

संजय गोस्वामी

जीवन में रोग से घबराना नहीं चाहिए कल क्या होगा ऐ सिर्फ और सिर्फ भगवान राम जानता है इसलिए स्वस्थ रहने के लिए खुश रहना और खुश रहने के लिए भगवान राम का ध्यान करने से रोग स्वतः ठीक होगा आपको लगा शुगर ज्यादा हो गया और कुछ हो जाएगा तो ऐ सोचने से मानसिक दबाब पड़ता है यह एक प्राचीन प्रथा है जो सदियों से चली आ रही है, लेकिन हाल के वर्षों में शोधकर्ताओं द्वारा स्वास्थ्य पर इसके प्रभावों का अध्ययन करने के कारण इसमें फिर से रुचि पैदा हुई है। कई अध्ययनों ने ध्यान के अनेक लाभों को स्थापित किया है, जिनमें पुरानी बीमारियों के प्रबंधन में इसका उपयोग भी शामिल है ध्यान का उद्देश्य मन को शांत करना है, इसलिए यह मान लेना स्वाभाविक हो सकता है कि यह अभ्यास अवसाद और चिंता के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकता है।हालांकि यह हर समस्या का अचूक इलाज नहीं है, लेकिन इन मानसिक बीमारियों से पीड़ित कई लोगों को ध्यान करने से कुछ राहत मिलती है । और इसके लाभों को प्रमाणित करने वाले वैज्ञानिक प्रमाण भी मौजूद हैं। एक मेटा-विश्लेषण में पाया गया कि आठ सप्ताह की अवधि के दौरान किए जाने वाले ध्यान कार्यक्रम अवसाद और चिंता के लक्षणों को कम करने में सहायक हो सकते हैं। इसमें सबसे उत्तम है भगवान राम का ध्यान जिससे आपके अंदर भगवान राम के कर्म की क्रिया को करने की उत्सुकता होगी और जिस दिन भगवान राम के ध्यान में एक चिंगारी भी आ गई तो समझ लेना आपका जीवन बदल गया और डर ख़त्म होगा आप नकारात्मक लोगों से दूर रहेंगे और शान्ति आपके कदम चूमेंगी और भगवान राम आपको सहायता करेंगे और हमेशा खुश रहेंगे भगवान राम नाम जप करते हुए ध्यान करेंगे तो स्वास्थ्य लाभ के साथ ही धर्म लाभ भी मिलेंगे। मंत्र जप और ध्यान मंदिर में या अपने घर पर भी कर सकते हैं। जिस तरह शरीर को स्वस्थ रखने के लिए व्यायाम किया जाता है, ठीक उसी तरह मन को स्वस्थ रखने के लिए ध्यान किया जाता है। मेडिटेशन करने से ब्लड प्रेशर संतुलित होता है, शरीर में ऊर्जा बढ़ती है, शरीर को ऑक्सीजन ज्यादा मिलती है, जिससे तनाव दूर होता है, नकारात्मक विचार खत्म होते हैं, मन शांत हो जाता है।मंत्र जप पर किए गए आधुनिक शोध चौंकाने वाले परिणाम दे रहे हैं। जब हम राम बोलते हैं तो हमारे मुख, तालु और कंठ में विशेष कंपन उत्पन्न होती हैं। 1. मस्तिष्क पर प्रभाव अल्फा तरंगें बढ़ती हैंः मंत्र जप के दौरान ईईजी परीक्षणों में मस्तिष्क में अल्फा तरंगों की वृद्धि दर्ज की गई है, जो गहरी शांति और रचनात्मकता से जुड़ी हैं। कॉर्टिसोल घटता हैः तनाव हार्मोन कॉर्टिसोल के स्तर में उल्लेखनीय कमी आती है। सेरोटोनिन बढ़ता हैः खुशी के हार्मोन सेरोटोनिन का स्तर बढ़ता है, जिससे मूड बेहतर होता है। प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स सक्रियः निर्णय लेने और आत्म-नियंत्रण से जुड़ा मस्तिष्क का क्षेत्र अधिक सक्रिय होता है। 2. शरीर पर प्रभाव (Physical Effects) रक्तचाप नियंत्रणः नियमित मंत्र जप से रक्तचाप में स्थिरता आती है। श्वास की लयः राम नाम का जप करते समय श्वास स्वाभाविक रूप से धीमी और गहरी हो जाती है, जो वेगस नर्व को सक्रिय करती है। प्रतिरोधक क्षमताः ध्यान और मंत्र जप से इम्यून सिस्टम बेहतर होता है। नींद की गुणवत्ताः नियमित जप करने वाले लोगों में बेहतर नींद के पैटर्न देखे गए हैं। 3. राम शब्द की ध्वनि विज्ञान रा उच्चारण करते समय मुख पूरा खुलता है और श्वास बाहर आती है — यह शरीर की दूषित ऊर्जा को बाहर निकालता है। म उच्चारण में होंठ बंद होते हैं और कंपन कपाल में गूँजती है — यह नई ऊर्जा को भीतर स्थिर करती है। इस प्रकार राम नाम एक संपूर्ण श्वास चक्र है। राम नाम जप के आध्यात्मिक फायदे विज्ञान जहाँ समाप्त होता है, वहाँ आध्यात्मिक अनुभव शुरू होता है। राम नाम के जप से होने वाले आध्यात्मिक परिवर्तन क्रमशः इस प्रकार हैंः प्रारंभिक चरण (1 लाख - 10 लाख जप) मन का भटकना कम होता है। दिनचर्या में अनुशासन आता है। क्रोध और अधीरता में स्वाभाविक कमी। भगवान के प्रति जिज्ञासा और प्रेम जागता है। मध्यम चरण (10 लाख - 50 लाख जप) ध्यान में गहराई आती है — मन तेज़ी से स्थिर होता है।

अनियंत्रित शुगर-हाई बीपी से बचाव में मददगार हैं घर-घर मिलने वाले करी पत्ता, नीम और तुलसी

ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर बढ़ना दोनों ही गंभीर स्थितियां हैं। अगर इन्हें कंट्रोल न किया जाए, तो सेहत को कई गंभीर समस्याओं का खतरा हो सकता है। डायबिटीज और हाइपरटेंशन को कंट्रोल करने में कई आयुर्वेदिक पौधे काफी कारगर साबित हो सकते हैं।

डायबिटीज एक गंभीर और लाइलाज बीमारी है जिसे सिर्फ हेल्दी डाइट और एक्टिव लाइफस्टाइल के जरिए कंट्रोल किया सकता है। इस रोग में अग्नाशय ब्लड शुगर को कंट्रोल करने वाले इंसुलिन हार्मोन का उत्पादन धीमा या बंद कर देता है। ऐसे में मरीज का ब्लड शुगर लेवल बढ़ने लगता है जिससे कई गंभीर समस्याओं का खतरा होता है। यही वजह है कि ब्लड शुगर को कंट्रोल रखना बहुत जरूरी है। इसी तरह हाई ब्लड प्रेशर भी काफी आम समस्या हो गई है। अगर इसे कंट्रोल न किया जाए, तो आपको दिल की समस्याओं का खतरा हो सकता है। ब्लड प्रेशर आउट ऑफ कंट्रोल होने से आपको धुंधला दिखना, थकान, सिरदर्द, नाक से खून आना, सांस लेने में कठिनाई आदि समस्याएं हो सकती हैं। बेशक ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर के लिए कई दवाएं और उपचार मौजूद हैं लेकिन आप कुछ प्राकृतिक उपायों के जरिए भी डायबिटीज और हाइपरटेंशन जैसी गंभीर समस्याओं पर काबू पा सकते हैं। घर-घर में मिलने वाले कुछ पेड़-पौधों के पत्तों में ब्लड शुगर और बीपी कंट्रोल करने की क्षमता होती है।

करी पत्ता

करी पत्ता सिर्फ खाने का स्वाद ही नहीं बढ़ाता बल्कि इसमें कई स्वास्थ्य गुण भी होते हैं। मीठी नीम के नाम से फेमस इस पौधे के पत्ते पाचन को मजबूत बनाकर पेट से जुड़ी कई समस्याओं से राहत दिला सकते हैं। डायबिटीज और हाइपरटेंशन के मरीजों को इन पत्तों का जरूर सेवन करना चाहिए।

कैसे करें करी पत्ते का इस्तेमाल

करी पत्ते का नियमित सेवन इंसुलिन बनाने वाली कोशिकाओं को उत्तेजित करने में मदद कर सकता है। ये कोशिकाएं ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल रखने में मदद करती हैं। इसे आप बासी मुंह चबा सकते हैं या विभिन्न व्यंजनों में शामिल कर सकते हैं।

करी पत्ते के तेल में ज्यादातर ऑक्सीजन युक्त मोनोटेरपीन पाए गए। GC और GC-MS का उपयोग करते हुए 33 घटक लिनालूल (32.83%), एलमोल (7.44%), गेरानिल एसीटेट (6.18%), मायरसीन (6.12%), एलो-ओसिमीन (5.02), -terpinene (4.9%) के साथ पाए गए। , और (ई) --ओसीमीन (3.68%) मुख्य यौगिकों के रूप में।

नीम के पत्ते

नीम के पत्तों के भी कई तरह के स्वास्थ्य लाभ होते हैं। इस बात के प्रमाण हैं कि रोजाना नीम के पत्तों का सेवन करने से ब्लड

शुगर लेवल कम हो सकता है। यदि आपको डायबिटीज है या आप हाइपरटेंशन की मरीज हैं, तो नीम का पत्ता आपका साथी है।

कैसे करें नीम के पत्ते का इस्तेमाल

नीम के पत्तों के एंटीहिस्टामाइन इफेक्ट रक्त वाहिकाओं को पतला कर सकते हैं। यही कारण है कि ये पत्ते रक्तचाप को कम करने में मदद कर सकते हैं। एक महीने तक नीम का अर्क या कैप्सूल लेने से भी हाई कोलेस्ट्रॉल लेवल कम हो सकता है। इस पौधे के हवाई भागों ने टार्टरिक एसिड, एसिटिक एसिड, और स्यूसिनिक एसिड, गोंद, पेक्टिन, चीनी, टैनिन, अल्कलॉइड, फ्लेवोनोइड्स, सेस्क्यूटरपेन्स और ग्लाइकोसाइड्स की उपस्थिति का प्रदर्शन किया है।

तुलसी के पत्ते

तुलसी को जड़ी-बूटियों की रानी कहा जाता है और यह शरीर को कई तरह की बीमारियों से बचाती है। कई अध्ययनों से पता चला है कि खाली पेट तुलसी के पत्तों का सेवन टाइप 2 डायबिटीज से पीड़ित लोगों में ब्लड शुगर लेवल को कम करता है। तुलसी के पत्ते लिपिड को कम करके, इस्किमिया, स्ट्रोक और हाई ब्लड प्रेशर को कम करके हृदय रोग को रोकने में सहायक हैं।

कैसे करें तुलसी के पत्तों का इस्तेमाल

सुबह उठकर तुलसी के पत्ते चबाना बीपी और ब्लड शुगर को कंट्रोल रखने का बेहतर उपाय है। आप इन पत्तों को थोड़े पाने के मिक्सर में ब्लेंड करके भी पी सकते हैं। ध्यान रहे कि बहुत अधिक मात्रा में तुलसी का सेवन नहीं करना चाहिए। तुलसी के मुख्य रासायनिक घटक हैः ओलीनोलिक एसिड, उर्सोलिक एसिड, रोस्मरिनिक एसिड, यूजेनॉल, कार्वाक्रोल, लिनालूल और -कैरियोफिलीन, कई वर्षों से खाद्य उत्पादों, इत्र, और दंत और मौखिक उत्पादों में बड़े पैमाने पर उपयोग किए जाते हैं और पौधे का अर्क जारी है।

तुलसी को दांतो से चबाकर नहीं खाना चाहिए। इसके अलावा जो अपनी दवा पूर्व से ले रहे हो उनको भी लेते रहना चाहिए।

बहुत तेज होता है अपेंडिक्स का दर्द, घरेलू तरीकों से पाएं निजात

जब अपेंडिक्स में सूजन आ जाए तो अपेंडिसाइटिस की समस्या पैदा हो जाती है। अपेंडिसाइटिस एक दीर्घकालिक स्थिति है जिसका अगर इलाज न किया जाए तो बहुत तेज दर्द हो सकता है। वैसे तो अपेंडिक्स का दर्द बहुत तेज होता है और इसे तुरंत इलाज की जरूरत होती है लेकिन फिर भी आप कुछ घरेलू तरीकों की मदद से गंभीर स्थिति पैदा होने से पहले ही अपेंडिक्स में सूजन को कम कर सकते हैं।

अपेंडिक्स की घरेलू दवा है अरंडी का तेल

अरंडी के तेल में रिसिनोलिक एसिड होता है जिसमें दर्द निवारक और सूजन-रोधी गुण होते हैं। एक मुलायम कपड़ा लें और उसे दो चम्मच अरंडी के तेल में डुबोकर कुछ मिनटों के लिए प्रभावित हिस्से पर लगाएं। दिन में दो बार ऐसा करें।

अपेंडिक्स का घरेलू नुस्खा है एप्पल साइडर विनेगर

इसमें सूजन-रोधी गुण होते हैं। एक गिलास गर्म पानी में एप्पल साइडर विनेगर डालकर घूंट-घूंट कर के पिएं। दर्द से छुटकारा पाने के लिए रोज इसका सेवन करने से लाभ होगा।

अपेंडिक्स का घरेलू उपचार है छाछ

छाछ पाचन में सुधार कर किसी भी तरह के संक्रमण से लड़ने के लिए प्रोबायेटिक बनाती है। दिन में एक बार एक लीटर छाछ जरूर पिएं। आप छाछ में जीरा, अदरक, पुदीना भी मिलाकर पी सकते हैं।

अपेंडिक्स का घरेलू इलाज है बेकिंग सोड़ा

इसमें एंटी-इंफ्लामेट्री गुण होते हैं। ये पाचन तंत्र को आराम देता है और अपेंडिसाइटिस के दर्द को कम करता है। एक गिलास पानी में एक चम्मच बेकिंग सोडा मिलाकर तुरंत पी लें। जब भी दर्द हो इसका सेवन करें।

अपेंडिक्स रोग का इलाज है लहसुन

लहसुन में सूजन-रोधी और माइक्रोबियल-रोधी गुण होते हैं। इसके सूजन-रोधी गुण दर्द को कम कर सकते हैं जबकि माइक्रोबियल-रोधी तत्व हानिकारक बैक्टीरिया, फंगस, वायरस और परजीवियों को खत्म कर सकते हैं। लहसुन की एक-दो कलियां लें और उन्हें कूटकर पानी के साथ निगल लें।

पेट से लेकर दिल तक के लिए फायदेमंद मूली के पत्ते

बवासीर के रोगियों के लिए मूली एवं इसके पत्तों की सब्जी खाना बेहद फायदेमंद होता है। रोजाना इसके प्रयोग से आपकी समस्या समाप्त हो सकती है।

मूली का उपयोग सब्जी और सलाद के रूप किया जाता है लेकिन इसका पत्ते में भी कई प्रकार का पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसमें कैलशियम, फोलिक, एसिड, विटामिन सी आदि तत्व पाए जाते हैं। मूली के पत्ते विटामिन ए, विटामिन बी, सी के साथ ही क्लोरीन, फास्फोरस, सोडियम, आयरन, मैग्नीशियम और अन्य पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं जो आपके पेट के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। मूली के पत्तों का प्रयोग आप सब्जी या पराठे बनाने में कर सकते हैं। इसका सेवन करने से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता में इजाफा होता है और थकान महसूस नहीं होती।

पाइल्स यानि बवासीर के रोगियों के लिए मूली एवं इसके पत्तों की सब्जी खाना बेहद फायदेमंद होता है। रोजाना इसके प्रयोग से आपकी समस्या समाप्त हो सकती है। इसमें सोडियम होता है और यह शरीर में नमक की कमी को पूरा करता है, इसलिए लो ब्लडप्रेशर के

मरीजों के लिए भी यह बेहद फायदेमंद है। इसके अलावा इसमें मौजूद एंथेकाइनिन दिल के लिए फायदेमंद होता है। इसमें फाइबर भरपूर होता है इसलिए यह कब्ज से राहत देता है। वहीं इसके रस को पानी और मिश्री के साथ पीने पर पीलिया रोग में लाभ मिलता है। इतना ही नहीं यह बालों का झड़ना भी कम करता है।

लाइकोपीन से भरा टमाटर, लिवर के लिए सुरक्षा कवच

टमाटर का अधिक मात्रा में सेवन करने से लिवर कैंसर का खतरा कम होता है। एक नये अध्ययन के अनुसार टमाटर का अधिक सेवन करने से लिवर कैंसर होने का खतरा कम होता है। टमाटर में लाइकोपीन नाम का एंटीऑक्सीडेंट, एंटी इंफ्लामेट्री और कैंसर को नष्ट करने वाले गुण पाए जाते हैं। टमाटर में मौजूद इन सभी चीजों से लिवर की सूजन, कैंसर का खतरा और अन्य समस्याएं खत्म होती हैं।
कच्चे टमाटर के साथ टमाटर की सॉस, केचअप और टमाटर से बने प्रोडकट्स में लाइकोपीन भरपूर मात्रा में पाया जाता है।

उन्होंने आगे बताया, लिवर कैंसर से सुरक्षित रखने में टमाटर का पाउडर बहुत अहम भूमिका निभाता है। कच्चे टमाटर में विटामिन-ई, विटामिन-सी, फोलेट, मिनरल्स, फिनोलिक कंपाउंड और डायट्री फाइबर पाए जाते हैं।

अध्यान में पाया गया कि टमाटर के शरीर में सूजन पैदा करने वाले बैक्टीरिया की ग्रोथ नियंत्रण में रही। इस अध्ययन में शामिल किये गये चूहों को लिवर कार्सिनोजेन से संक्रमित किया गया। इसके बाद उन्हें हाई फैट डाइट दी गई थी।

टमाटर के अलावा अमरूद, तरबूज, पपीते में भी लाइकोपीन पाया जाता है लेकिन टमाटर के मुकाबले इन चीजों में लाइकोपीन की मात्रा कम होती है। लाइकोपीन से भरपूर टमाटर और टमाटर से बनी चीजें जैसे टोमेटो सॉस को खाने से भी हृदय रोग, ऑस्टियोपोरोसिस, डायबिटीज, फेफड़े, स्तन और पेट आदि कैंसर का खतरा कम होता है।

थोड़ी सी सावधानी से त्वचा रोगों से बचाव संभव

गर्मी के मौसम में चर्म रोगियों की तादाद में तेजी आ जाती है। बढ़ती गर्मी, प्रदूषण और रहन सहन के तौर तरीकों में आए बदलाव के कारण चर्म रोग तेजी से बढ़ते हैं। एक अध्ययन के मुताबिक आज शहरी और ग्रामीण इलाकों में 10 में से 7 लोग चर्म रोगों से परेशान दिखाई देंगे।

गर्मियों में त्वचा के अधिकतर रोग पसीने से संबंधित होते हैं। चिपकी हुए जगह (जांघ, बगल आदि) में पसीने के एकत्र होने और गंदगी जमा होने से फफूंद पनपने लगती है। शुरुआत में कालापन, लालपन, फुंसियां या फिर चकत्ते बन सकते हैं। ध्यान न देने पर खुजली, एलर्जी या फिर जलन हो सकती है। छोटे बच्चों , दूध पीते नवजात में ज्यादा पसीना आने से घमोरी या फिर फोड़े फुंसी हो सकते हैं।

यह सावधानी रखें

पसीने से छुटकारे के लिए ढीले ढाले साफ सुथरे कपडे पहनें। हो सके तो दो बार स्नान करें। पूरी तरह सूखने के बाद ही अंतःवस्त्र पहनें। अपना साबुन तोलिया अलग रखें। घर में किसी को चर्म रोग है तो उनके कपड़े धोने के लिए अलग व्यवस्था करें।

यह न करें

डॉक्टर से संपर्क करें। अपने मन से दवा न लें क्योंकि बाजार में मिलने वाली अधिकतर क्रीम में स्टेरोइड होता है जो संक्रमण को थोड़े समय तक दबा देता है परन्तु इससे संक्रमण ज्यादा बढ़ सकता है इसलिए डॉक्टर से दवा लें।

कैसे करें बचाव

धूप में ना निकलें। पूरी बांह के कपड़े पहनें। कैप का इस्तेमाल करें। शुष्क त्वचा पर ज्यादा साबुन या हार्ड फेस वाश का इस्तेमाल न करें। जिन लोगों को धूप से एलर्जी है वो लोग अपनी त्वचा के लिए उपयुक्त सनस्क्रीन दो से तीन बार लगाएं। पानी खूब पीएं। गर्मी से कई लोगों की बिना ढकी चमड़ी शुष्क हो जाती है। अल्ट्रावायलेट किरणें और प्रदूषण से एलर्जी आम बात है।

निखरेगी त्वचा

स्ट्रॉबेरी खाने में तो स्वादिष्ट होता ही है यह सुंदरता भी निखारता है। स्ट्रॉबेरी में उपलब्ध एंटी-ऑक्सीडेंट गुण स्वादिष्ट होन के साथ त्वचा में कसाव और दमक लाने का काम भी करते हैं। स्ट्रॉबेरी के कुछ ऐसे ही फेस पैक की सहायता से आप सेहत के साथ अपने सौन्दर्य में भी निखार सकती हैं।

स्ट्रॉबेरी फ्रेश क्रीम मास्क

इस मास्क को बनाने से पहले सबसे पहले आपको चाहिए स्ट्रॉबेरी प्यूरी। इस प्यूरी में फ्रेश क्रीम (ड्राई स्किन) और दही (ऑयली स्किन) के साथ एक चम्मच शहद मिला लें। अब इस मास्क को 10 मिनट के लिए चेहरे पर लगा छोड़ दें। इसके बाद चेहरे को गुनगुने पानी से धोकर साफ कर लें। यह चेहरे से मुंहासों को दूर कर स्किन पर चमक और निखार लाता है।

स्ट्रॉबेरी फेस मास्क

इस फेस मास्क को बनाना बेहद आसान है। इसे बनाने के लिए आपको 3 से 4 स्ट्रॉबेरी की प्यूरी बनानी है। अब इस प्यूरी को 15 मिनट के लिए ऐसे ही अपने चेहरे पर लगा रहने दें। 15 मिनट बाद मास्क के सूखने पर चेहरे को सादे पानी से धो लें। इस मास्क का इस्तेमाल करने पर आपके चहेरे पर चमक के साथ कसाव भी आएगा।

स्ट्रॉबेरी और चॉकलेट मास्क-

स्ट्रॉबेरी को मसलकर उसका पेस्ट तैयार कर लें। इस पेस्ट में शहद के साथ कोको पाउडर मिलाकर उसका पेस्ट तैयार कर लें। इस पेस्ट को 15 मिनट के लिए चेहरे पर लगा छोड़ दें। यह मास्क प्राकृतिक तरीके से चेहरे की मृत त्वचा की परत उतारता है। शहद में मौजूद एंटी-बैक्टीरियल गुण स्किन को मुलायम बनाता है जबकि स्ट्रॉबेरी और कोको स्किन में चमक लाने का काम करते हैं.

स्ट्रॉबेरी और नींबू मास्क

त्वचा में चमक लाने के लिए स्ट्रॉबेरी और नींबू से बना मास्क लगाएं। यह आपकी त्वचा से टैन को दूर करके रंगत को निखारने का काम करता है। इस मास्क को बनाने के लिए स्ट्रॉबेरी पेस्ट में एक चम्मच नींबू का रस मिलाकर चेहरे पर 10 मिनट के लिए इस मास्क को लगाएं। थोड़ी देर बाद चेहरे को गुनगुने पानी से साफ कर लें।

सबरीमाला केस में 5वें दिन की सुनवाईः याचिकाकर्ता बोला- आस्था समय के साथ बदलते हैं, इन्हें कानून से नहीं बदल सकते

नई दिल्लीः केरल के सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री को लेकर सुप्रीम कोर्ट में 5वें दिन की सुनवाई जारी है। याचिकाकर्ता की तरफ से एडवोकेट राजीव धवन ने कोर्ट से कहा कि आस्था या विश्वास समय के साथ हमेशा बदलते रहते हैं। यह बदलाव सिर्फ किसी कानून के बन जाने से नहीं आता; बल्कि यह बदलाव तो लोगों के बीच से ही उभरकर आता है। इससे पहले 9 जजों की बेंच ने 15 अप्रैल की सुनवाई में कहा था कि करोड़ों लोगों की आस्था को गलत ठहराना सबसे मुश्किल कामों में से एक है। साथ ही यह भी कहा कि सामाजिक सुधार के नाम पर धर्म को खोखला नहीं किया जा सकता। वहीं मंदिर प्रशासन त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (TDB) ने कहा कि सबरीमाला कोई खिलौने की दुकान या रेस्टोरेंट का मामला नहीं है। यहां के देवता ब्रह्मचारी हैं। भारत में अयप्पा के लगभग 1,000 मंदिर हैं। अगर महिलाओं को दर्शन करना है, तो वहां जाएं। उन्हें इसी खास मंदिर में क्यों आना है। केरल हाईकोर्ट ने 1991 में सबरीमाला में मासिक धर्म वाली महिलाओं (10-50 साल) की एंट्री पर रोक लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में बैन हटा दिया। फैसले के खिलाफ कई पुनर्विचार याचिकाएं लगाई गईं, जिसपर अब सुनवाई हो रही है। मंदिर प्रशासन महिलाओं की एंट्री का विरोध कर रहा है।

सबरीमाला मामले पर 7 अप्रैल से शुरू हुई सुनवाई

सबरीमाला मंदिर मामले पर 7 अप्रैल से सुनवाई शुरू हुई है। पहले 3 दिन, 9 अप्रैल तक सुनवाई हुई। इस दौरान केंद्र सरकार ने महिलाओं की एंट्री के विरोध में दलीलें रखीं। सरकार ने कहा था कि देश के कई देवी मंदिरों में पुरुषों की एंट्री भी बैन है, इसलिए धार्मिक परंपराओं का सम्मान किया जाना चाहिए।

श्योपुर में अनियंत्रित होकर पलटी ट्रैक्टर-ट्रॉली, चार महिलाओं की मौत, 22 घायल

-सीएम मोहन यादव ने जताया दुःख, मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता देने के निर्देश

श्योपुर,(ईएमएस)। मध्य प्रदेश के श्योपुर में सड़क हादसे में चार महिलाओं की मौत हो गई और 22 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सीएम मोहन यादव ने घटना पर दुःख जताते हुए मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं। जानकारी के मुताबिक वीरपुर के घुघस गांव से एक ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर लोग पार्वती बड़ौदा गांव में भात देने के लिए जा रहे थे। इसी दौरान विजयपुर क्षेत्र के पास गैस गोदाम के नजदीक ट्रैक्टर-ट्रॉली अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में चार महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान सरोज पत्नी मगन गुर्जर, सुनेना पत्नी कल्ला गुर्जर, सीमा पत्नी कालू गुर्जर और गीता पत्नी घनश्याम गुर्जर के रूप में हुई है। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया। इस घटना को लेकर सीएम मोहन यादव ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि श्योपुर जिले के विजयपुर थाना क्षेत्र के खितरपाल गांव में ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से महिलाओं के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। दुर्घटना में जो घायल हुए हैं, उनको उपचार प्रदान किया जा रहा है। मृतकों के परिजनों को राज्य शासन की ओर से 4-4 लाख रुपए, गंभीर रूप से घायलों को 1-1 लाख रुपए और अन्य घायलों को 50-50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से 4 महिलाओं की मौत की खबर अत्यंत दुखद एवं हृदय विदारक है। उन्होंने कहा कि ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें तथा शोकाकुल परिजनों को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति दें। साथ ही घायलों के शीघ्र और पूर्ण स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

तेज रफ्तार ट्रेवलर ने सड़क किनारे खड़े थार और बाइक सवारों को मारी टक्कर, 3 की मौत

गाजियाबाद,(ईएमएस)। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर शुक्रवार सुबह एक तेज रफ्तार ट्रेवलर ने सड़क किनारे खड़े थार और बाइक सवारों को जोरदार टक्कर मार दी जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई। फिलहाल पुलिस ने आरोपी चालक को हिरासत में ले लिया है और जांच शुरु कर दी है। जानकारी के लिए बता दें हादसा सुबह करीब 6:30 बजे हुआ। एक तेज रफ्तार ट्रेवलर दिल्ली से मेरठ की ओर में जा रही थी। विजय नगर में एग्जिट प्वाइंट के पास एक थार कार खड़ी थी। थार सवार दो युवक नीचे उतरकर एक बाइक सवार से किसी बात पर चर्चा कर रहे थे। तभी पीछे से आ रही बेकाबू ट्रेवलर ने तीनों को अपनी चपेट में ले लिया जिससे उनकी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक टक्कर इतनी भीषण थी कि थार और बाइक के परखच्चे उड़ गए। दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था जिसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया लेकिन इलाज के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया। गाजियाबाद पुलिस ने ट्रेवलर के चालक को हिरासत में ले लिया है और वाहन को जब्त कर लिया है। फिलहाल मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। वहीं पुलिस यह जांच कर रही है कि क्या ड्राइवर को झपकी आई थी या यह ओवरस्पीडिंग का मामला है।

पवन खेड़ा की ट्रांजिट अग्रिम जमानत बढ़ाने की मांग खारिज

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की ट्रांजिट अग्रिम जमानत बढ़ाने की मांग खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि वे अपनी याचिका असम की अदालत में दाखिल करें। पवन खेड़ा की ओर से अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील दी। उन्होंने कहा- असम की अदालतें बंद हैं, इसलिए उन्हें कुछ दिन का समय दिया जाए। क्या खेड़ा कोई अपराधी हूं, जो मुझे इतनी राहत भी नहीं मिल सकती? जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस अतुल एस चंदुरकर की बेंच ने यह मांग ठुकरा दी। कोर्ट ने उन्हें गलत डाक्यूमेंट देने के लिए फटकार भी लगाई। यह मामला असम सीएम हिमंता बिस्व सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा को लेकर दिए गए आरोपों से जुड़ा है। खेड़ा ने 5 अप्रैल को आरोप लगाया था कि उनके पास एक से ज्यादा पासपोर्ट और विदेश में संपत्तियां हैं, जिनका जिक्र चुनावी हलफनामे में नहीं किया गया।

महिला आरक्षण बिलः लोकसभा में बरसे राहुल गांधी, कहा- भारत का चुनावी नक्शा बदलने की कोशिश

नई दिल्लीः महिला आरक्षण बिल पर चर्चा में शामिल होते हुए, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला. उन्होंने आरोप लगाया कि महिला आरक्षण अधिनियम में संशोधन का महिला आरक्षण से कोई लेना देना नहीं है. उन्होंने कहा कि यह भारत के चुनावी मानचित्र को बदलने का प्रयास है. राहुल गांधी ने इसे शर्मनाक कृत्य कहा. उन्होंने लोकसभा में महिला आरक्षण अधिनियम से संबंधित संविधान (131वां) संशोधन विधेयक 2026, परिसीमन विधेयक, 2026 और संघ राज्य विधि (संशोधन) विधेयक, 2026 पर चर्चा में भाग लेते हुए यह आरोप भी लगाया कि सरकार जाति जनगणना को दबाने की कोशिश कर रही है.

राहुल गांधी का आरोप- जाति जनगणना को दरकिनार करने की कोशिश

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार जानबूझकर जाति जनगणना से बचना चाहती है. उनका कहना है कि यह ओबीसी समुदाय से उनका हक छीनने की कोशिश है. उन्होंने संसद में कहा कि यह ऐतिहासिक तथ्य है कि दलितों और ओबीसी के साथ अच्छा व्यवहार नहीं हुआ है. अब भी उन्हें सत्ता से दूर रखने की कोशिश की जा रही है.

राहुल ने कहा- यह महिला आरक्षण बिल नहीं

उन्होंने कहा कि तब उन्होंने कहां तुम सिर्फ दिमाग और सोच से डर रहे हो। फिर उन्होंने कहा कि तुम्हें पता है अंधेरे से नहीं डरना चाहिए क्योंकि सच अंधेरे में रहता है। तुमको उसके अंदर जाने से डर लगता है क्योंकि तुम सच नहीं जानना चाहते। बाद में जब मैं बड़ा हुआ तो अहसास हुआ कि वो क्या कहना चाहती थी। वो था सत्यम शिवम सुदंरम। जब तुम अंधेरे में जाओगे जो तुम्हें सच पता चलेगा। बाद में जब मैं बगीचे में जाता था तो वो मुझे सत्य अहिंसा की बातें बताती थीं। हालांकि कभी कभी सच कड़वा होता है लेकिन उसकी चिंता मत करो। उसी तरह आज सदन में कहूंगा कि यह महिला आरक्षण बिल नहीं है। यह उन्हें सशक्त नहीं बनाएगा।

संसद में जाति जनगणना पर राहुल गांधी का बयान

राहुल गांधी ने संसद में कहा कि संविधान के ऊपर मनुवाद जैसी सोच हावी है. सरकार जाति जनगणना को लेकर भ्रम फैला रही है. उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बार-बार यह कह रहे हैं कि जाति जनगणना शुरू हो गई है और यह दावा किया जा रहा है कि घरों में जाति नहीं होती. राहुल गांधी ने सवाल उठाया कि असली मुद्दा यह है कि क्या जाति जनगणना का इस्तेमाल संसद और राज्य विधानसभाओं में प्रतिनिधित्व तय करने के लिए किया जाएगा या नहीं.

बोले राहुल गांधी- पिछड़े और दलितों को केवल नाम के तौर पर हिंदू मानती है बीजेपी

राहुल गांधी ने लोकसभा में कहा कि देश के दक्षिण, छोटे राज्यों और पूर्वोत्तर के लोगों को चिंता करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि वे भारत संघ के बराबर हिस्सेदार हैं और उनका प्रतिनिधित्व सुरक्षित रहेगा. उन्होंने कहा कि कोई भी भारतीय संघ पर हमला नहीं होने देगा और सभी को समान अधिकार मिलेगा. उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा दलित और पिछड़े समुदायों को केवल नाम के तौर पर हिंदू कहती है, लेकिन सत्ता में उन्हें उचित स्थान नहीं देती. राहुल गांधी ने आगे कहा कि भाजपा नेतृत्व यह भ्रम रखता है कि वही भारत की जनता है और वही सशस्त्र बल है, जबकि यह गलत है. उन्होंने कहा कि उनका हमला जनता या सेना पर नहीं, बल्कि बीजेपी की नीतियों पर है.

कंगना रनोट बोलीं- राहुल को सुनना सिरदर्द जैसा था

लोकसभा में राहुल गांधी के भाषण पर BJP सांसद कंगना रनोट ने कहा, उन्हें सुनना सिरदर्द जैसा था। वह अपने बचपन के ट्रॉमा और बचपन में देखे गए जादू के शो से गुजर रहे हैं। स्पीकर ने भी उन्हें रुकने के लिए कहा लेकिन उन्होंने स्पीकर से कहा- अरे सुनिए मजा आएगा।

संभल मस्जिद की 35 फीट ऊंची मीनार ढहाई गईः अब बुलडोजर बाकी हिस्सों को तोड़ रहा; डीएम-एसपी पहुंचे, भीड़ को खदेड़ा

संभलः संभल में मस्जिद की 35 फीट ऊंची मीनार शुक्रवार दोपहर डेढ़ बजे गिरा दी गई। अब बुलडोजर मस्जिद के बाकी हिस्सों को तोड़ रहा है। इससे पहले, सुबह साढ़े 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक मस्जिद के बाहर की पांच दुकानों को तोड़ा गया। मस्जिद की मीनार तोड़ने के लिए प्रशासन ने दो हाइड्रा मशीनें बुलाईं। एक मजदूर मीनार पर चढ़कर रस्सी को बांधा, फिर उसके दूसरे सिरे को दोनों हाइड्रा मशीनों से बांधा। इसके बाद मशीनों से खींचकर मीनार को गिरा दिया। मामला मुबारकपुर बंद गांव का है। प्रशासन के मुताबिक, 15 साल पहले सरकारी जमीन पर मस्जिद का निर्माण कराया गया था। फिलहाल, डीएम राजेंद्र पेंसिया और एसपी केके बिश्नोई समेत 50 से ज्यादा पुलिसकर्मी मौके पर हैं। गांव वाले जुटने लगे तो विरोध की आशंका को देखते हुए पुलिस ने उन्हें खदेड़ दिया। 12 दिन पहले, यानी 5 अप्रैल को मस्जिद पर कार्रवाई होनी थी, लेकिन उस समय बुलडोजर चालक ने मस्जिद की 35 फीट ऊंची मीनार तोड़ने से मना कर दिया था। तर्क दिया था कि

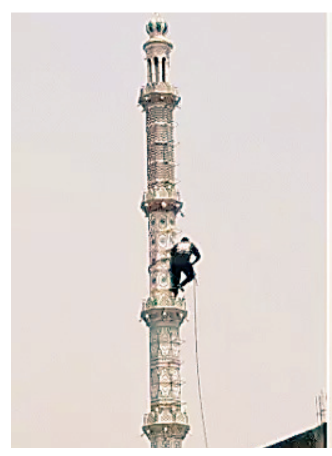

मीनार बुलडोजर के ऊपर गिर सकती है। हालांकि उस दिन मदरसा, पांच दुकानें और मस्जिद का गेट तोड़ दिया गया था। दुकानों का करीब 20 फीसदी हिस्सा बच गया था, जिसे आज गिराया गया।

दो ग्रामीण अपने मकान खुद तोड़ रहे

मुबारकपुर बंद गांव गुलाम रसूल और आसमा के मकानों के कुछ हिस्से सरकारी जमीन पर बने हैं। प्रशासन ने दोनों से खुद ही कब्जा हटाने को कहा है। इसके बाद आसमा ने घर के आगे बने हिस्से को और गुलाम ने घर के गेट को छैनी-हथौड़ी से तोड़ना शुरू कर दिया है। गुलाम ने कहा- अब क्या कहें साहब..यह जमीन प्रधान के चाचा से 30 हजार में खरीदी थी, हमें कोई जानकारी नहीं थी कि यह ग्राम समाज की जमीन है। बहुत नुकसान हो गया है। वहीं, आशा कार्यकर्ता आसमा ने कहा- अगर यह सरकारी जमीन थी, तो प्रधानों ने इसे क्यों बेचा? हमने 30 साल पहले जमीन खरीद थी। अगर उन्हें जमीन खाली करनी पड़ रही है तो उन्हें दी गई राशि वापस मिलनी चाहिए।

संभल डीएम बोले- सरकारी जमीन पर हुआ था अवैध निर्माण

संभल डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने कहा- मुबारकपुर बंद गांव में ग्राम प्रधान ने 3 महीने पहले सरकारी जमीन पर निर्माण की शिकायत की थी। तहसील में मुकदमा दायर किया गया। सुनवाई के बाद 30 दिन अपील का समय भी दिया गया। यह अवैध निर्माण एक प्राथमिक विद्यालय और एक उच्च प्राथमिक विद्यालय के बीच स्थित खेल के मैदान और खाद के गड्ढे की 600 वर्ग मीटर भूमि पर था। इस कब्जे के कारण दोनों विद्यालय एक-दूसरे से अलग हो गए थे। अब कब्जा हटने से दोनों स्कूल खेल के मैदान के माध्यम से आपस में जुड़ जाएंगे। हम लगातार 'लैंड बैंक' तैयार करने की प्रक्रिया में हैं।

हिमाचल में निकाय चुनाव की जिम्मेदारी मंत्री-विधायकों को सौंपेगी कांग्रेस

-31 मई से पहले पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव करवाने के सुप्रीम कोर्ट ने दिए आदेश

शिमला,(ईएमएस)। हिमाचल प्रदेश में आगामी पंचायत और शहरी निकाय चुनावों को लेकर सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इसी बीच सत्ताधारी कांग्रेस ने रणनीतिक तैयारियां तेज कर दी हैं। गुरुवार को राजधानी शिमला में प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में आयोजित राजनीतिक मामलों को लेकर गठित कमेटी की बैठक में इन चुनावों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। पार्टी सूत्रों के मुताबिक यह अहम फैसला लिया गया कि इन चुनावों में जीत की जिम्मेदारी कैबिनेट मंत्रियों और विधायकों को सौंपी जाएगी। बैठक में तय किया गया है कि मंत्रियों और विधायकों को पर्यवेक्षक बनाकर मैदान में उतारा जाएगा, जो जिला और विधानसभा क्षेत्रवार चुनावी रणनीति को लागू करेंगे। इसके लिए कमेटियों का गठन किया जाएगा। सीएम सुखविंद्र सिंह सुक्खू और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार को इन कमेटियों के गठन और जिम्मेदारियां तय करने के लिए अधिकृत किया गया है। एक सप्ताह के अंदर कमेटियां गठित की जाएंगी। बैठक में इन चुनावों को "सत्ता का सेमीफाइनल" करार देते हुए कहा गया कि जिला परिषद, पंचायत समिति, नगर निगम, नगर परिषद और नगर पंचायतों में अधिक से अधिक कांग्रेस समर्थित प्रतिनिधि जीत सुनिश्चित करने के लिए ठोस रणनीति अपनाई जाएगी। बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस प्रभारी रजनी पाटिल ने की। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों से एकजुट होकर टीम वर्क के साथ चुनाव लड़ने का आह्वान किया। बैठक में स्पष्ट संदेश दिया कि संगठनात्मक मजबूती और समन्वित प्रयासों के जरिए कांग्रेस इन चुनावों में बेहतर प्रदर्शन तय करेगी। इस बैठक में मुख्यमंत्री के अलावा उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार, संगठन महामंत्री विनोद ज़िंटा आदि मौजूद थे।

बता दें हिमाचल प्रदेश में 31 मई से पहले प्रदेश में पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव करवाने के आदेश सुप्रीम कोर्ट ने दिए हैं। ऐसे में अब अगले चार पांच दिन में चुनाव आयोग तारीखों का ऐलान कर सकता है। धर्मशाला, सोलन और मंडी नगर निगम समेत, निकायों में चुनाव होंगे। वहीं, 3600 के करीब पंचायतों में सरकार चुनी जाएगी।

नोएडा में मजदूरों के हिंसक प्रदर्शन के बाद अब सरकार न्यूनतम दिहाड़ी दोगुना करेगी

▪ दैनिक न्यूनतम वेतन को मौजूदा 176 से बढ़ाकर 450 तक करने पर कर रही विचार

नोएडा,(ईएमएस)। नोएडा में फैक्ट्री कामगारों के हिंसक प्रदर्शन के बाद अब सरकार न्यूनतम दिहाड़ी मजदूरी को दोगुने से भी ज्यादा करने पर विचार कर रही है। सबकुछ ठीक रहा तो मजदूरों को जल्द ही यह खुशखबरी मिल जाएगी। केंद्र सरकार की तरफ से दिहाड़ी मजदूरी बढ़ाने के बाद राज्य सरकारों की तरफ से भी इस दिशा में कदम उठाए जा सकेंगे। बता दें दिल्ली-एनसीआर के प्रमुख शहर में से एक नोएडा में फैक्ट्री में काम करने वालों का गुस्सा वेतन को लेकर फूट पड़ा था। इन कामगारों का आरोप है कि उन्हें सरकार की ओर से तय सैलरी भी नहीं दी जा रही है। इस मामले के व्यापक प्रभाव को देखते हुए सरकार अब मजदूरों के हित में बड़ा कदम उठाने की तैयारी कर रही है।

केंद्र सरकार देश में न्यूनतम मजदूरी को लेकर बड़ा बदलाव करने की तैयारी में है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सरकार राष्ट्रीय स्तर पर दैनिक न्यूनतम वेतन को मौजूदा 176 से बढ़ाकर करीब 450 तक करने पर विचार कर रही है। यह कदम ऐसे समय पर उठाया जा रहा है जब यूपी और हरियाणा जैसे राज्यों में मजदूरों के विरोध के बाद वेतन बढ़ाने की मांग तेज हुई है। श्रम मंत्रालय सभी श्रेणियों (कुशल, अर्ध-कुशल (सेमी स्किल्ड) और अकुशल) के कामगारों के लिए न्यूनतम मजदूरी तय करने की दिशा में काम कर रहा है। एक बार राष्ट्रीय फ्लोर वेज तय हो जाने के बाद राज्यों को भी अपने-अपने न्यूनतम वेतन में संशोधन करना होगा। प्रस्तावित ढांचे के मुताबिक मासिक वेतन दैनिक मजदूरी के 26 गुना के बराबर होगा।

आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 के मुताबिक पिछले चार सालों में कंपनियों का एबिट्डा मार्जिन करीब 22फीसदी के आसपास स्थिर रहा है, जबकि वेतन वृद्धि की रफ्तार धीमी पड़ी है। खासकर आईटी सेक्टर के शुरुआती स्तर के कर्मचारियों के वेतन में ठहराव की समस्या सामने आई है। केंद्र सरकार यह बदलाव नए श्रम संहिताओं के तहत कर रही है1 'कोड ऑन वेजेस, 2019' राष्ट्रीय फ्लोर वेज और समान वेतन परिभाषा प्रदान करता है, जबकि अन्य श्रम कोड श्रमिकों के अधिकार, सामाजिक सुरक्षा और कार्यस्थल की परिस्थितियों में सुधार पर केंद्रित हैं। सरकार का मानना है कि इस कदम से देशभर में मजदूरों की आय में सुधार होगा और आर्थिक असमानता को कम करने में मदद मिलेगी।

पंजाब में ईडी ने कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा के घर व अन्य ठिकानों पर मारे छापे

लुधियान, (ईएमएस)। पंजाब सरकार के कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा ईडी के रडार पर आ गए हैं। शुक्रवार सुबह ईडी की टीमों ने मंत्री संजीव अरोड़ा के लुधियाना स्थित आवास और उनसे जुड़े अन्य ठिकानों पर एक साथ छापे मारे। अचानक हुई इस कार्रवाई से राजनीतिक गलियारों में हड़कंप मच गया है। जानकारी के मुताबिक सुबह तड़के ईडी के अधिकारी लुधियाना पहुंचे और संजीव अरोड़ा की कोठी को चारों ओर से घेर लिया। सुरक्षा के मद्देनजर आवास के बाहर भारी संख्या में केंद्रीय पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों को तैनात किया गया है, ताकि जांच में किसी भी तरह का बाहरी हस्तक्षेप न हो सके।

मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि यह छापेमारी मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े एक पुराने मामले और जमीन के सौदों में हुई कथित अनियमितताओं के सिलसिले में की जा रही है। बताया जा रहा है कि ईडी की टीमें घर के अंदर दस्तावेजों की बारीकी से जांच कर रही हैं हालांकि, अभी तक विभाग की ओर से इस छापेमारी को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि या विवरण साझा नहीं किया है, लेकिन चर्चा है कि आने वाले घंटों में कई बड़े खुलासे हो सकते हैं।

कोई भी व्यक्ति अपनी पसंद और जाति का जांच अधिकारी नहीं मांग सकताः हाईकोर्ट

प्रयागराज,(ईएमएस)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक अहम टिप्पणी में कहा है कि कोई भी व्यक्ति कोर्ट से यह निर्देश नहीं मांग सकता कि जांच अधिकारी उसकी अपनी पसंद का हो, विशेषकर जो विशिष्ट जाति से संबंधित हो। जालौन निवासी गायत्री और तीन अन्य की आपराधिक याचिका की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति अब्दुल शाहिद की एकलपीठ ने यह टिप्पणी की। कोर्ट ने माना है कि मामले में प्रक्रिया का दुरुपयोग हुआ और प्रतिवादी पक्ष न्यायालय में साफ हाथों से नहीं पहुंचा है। इस मामले की अगली सुनवाई 30 अप्रैल को होगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मुकदमे से जुड़े तथ्य ये हैं कि अपीलार्थियों की तरफ से उरई में एनसीआर दर्ज कराई थी। जांच के बाद चार आरोपितों लखन, नरेश, राम अवतार और राजू के खिलाफ चार्जशीट प्रस्तुत की गई। पूर्व में प्रतिवादी पक्ष के नरेश कुमार ने शिकायतकर्ताओं के खिलाफ आवेदन दिया था। इस पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश के मुताबिक अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति अधिनियम में केस दर्ज किया गया था, लेकिन जांच में अपराध नहीं मिलने पर अंतिम रिपोर्ट लगा दी गई।

इसके बाद नरेश कुमार ने 29 सितंबर 2024 को तत्कालीन सीओ ओम प्रकाश सिंह , एसपी राकेश शंकर, प्रभारी निरीक्षक उरई कोतवाली संतोष सिंह, एसआइ चौकी प्रभारी कांशीराम कालोनी पंचहिलाल पाल और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लल्लन सिंह के खिलाफ अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (पीए.) अधिनियम की धाराओं में विरोध पत्र दिया। मांग की कि दुर्भावनापूर्ण और पक्षपाती जांच के लिए पुलिस वालों के खिलाफ कार्रवाई हो। साथ ही अनुसंधान के लिए ऐसा संवेदनशील उप पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया जाए जो अनुसूचित जाति से हो।

दिल्ली से लेकर बिहार तक बादलों की हलचल व आंधी-बारिश के संकेत, अलर्ट जारी, पहाड़ी इलाकों में मौसम बदलेगा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। देश में मौसम का मिजाज हिस्सों में बंटा नजर आ रहा है। एक तरफ तेज धूप, चुभती गर्मी और लू का खतरा लोगों को बेहाल कर रहा है तो दूसरी तरफ अचानक बदलता मौसम राहत की उम्मीद भी जगा रहा है। दिल्ली से लेकर बिहार तक जहां बादलों की हलचल और आंधी-बारिश के संकेत मिल रहे हैं, वहीं कई राज्यों में तापमान लगातार बढ़ रहा है। इस बदलते मौसम ने लोगों की दिनचर्या को भी प्रभावित किया है। सुबह और शाम हल्की राहत मिलती है, लेकिन दोपहर की तपिश लोगों को घरों में कैद रहने पर मजबूर कर रही है। मौसम विभाग के ताजा अपडेट ने इस स्थिति को और स्पष्ट कर दिया है। आने वाले कुछ दिन बेहद अहम रहने वाले हैं और हर क्षेत्र में मौसम का अलग-अलग असर देखने को मिलेगा। कहीं तेज हवाओं के साथ बारिश होगी तो कहीं लू का कहर और ज्यादा तेज हो जाएगा।

पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से पहाड़ी इलाकों में मौसम बदलेगा, जबकि मैदानी इलाकों में आंशिक राहत के बावजूद गर्मी बनी रहेगी। कई जगहों पर बादलों की आवाजाही से तापमान में हल्की गिरावट आएगी, लेकिन यह राहत ज्यादा समय तक टिकने वाली नहीं है।

दिल्ली-एनसीआर का एक्यूआई रेड जोन में पहुंच गया है। ऐसे में दिल्ली एनसीआर के निवासियों के लिए इस हफ्ते में दोहरी मुसीबत पैदा हो गई है। आंकड़ों के मुताबिक 15 अप्रैल से 20 अप्रैल तक अधिकतम तापमान 36 डिग्री से बढ़कर 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है, जबकि न्यूनतम तापमान भी 21 से बढ़कर 23 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। यूपी में गर्मी लगातार अपने तेवर दिखा रही है और हालात धीरे-धीरे गंभीर होते जा रहे हैं। राज्य के कई जिलों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है, जिससे लोगों का जनजीवन प्रभावित हो रहा है। खासकर बुंदेलखंड क्षेत्र में स्थिति ज्यादा चिंताजनक बनी हुई है। बांदा जैसे जिलों में तापमान 42 डिग्री के करीब पहुंच गया है, जो लू की स्थिति को और खतरनाक बना रहा है। दिन के समय तेज पछुआ हवाएं चल रही हैं, जो गर्मी को और ज्यादा तीखा बना देती हैं। खेतों में काम करने वाले किसान, मजदूर और बाहर निकलने वाले लोग सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। मौसम विभाग ने साफ संकेत दिए हैं कि आने वाले दिनों में स्थिति और खराब हो सकती है। फिलहाल बारिश की कोई ठोस संभावना नजर नहीं आ रही है, जिससे लोगों को राहत मिलने की उम्मीद कम है।

बिहार में मौसम का मिजाज थोड़ा बदला हुआ है, जहां गर्मी के बीच कुछ राहत के संकेत भी मिल रहे हैं। पश्चिमी विक्षोभ का असर कम होने के बावजूद राज्य के कई हिस्सों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश की संभावना है। अगले 48 घंटों में 30 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं, इससे तापमान में थोड़ी गिरावट देखने को मिल सकती है। यह बदलाव खासकर शाम और रात के समय लोगों को कुछ राहत देगा। हालांकि दिन के समय गर्मी का असर अभी भी बना रहेगा। पटना समेत कई जिलों में तापमान 38 डिग्री के आसपास पहुंच चुका है और आने वाले दिनों में इसके 41 डिग्री तक जाने की संभावना है।

दिल्ली-एनसीआर में इन दिनों गर्मी और उमस से लोग परेशान हैं। तापमान 41 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है। दिन के समय तेज धूप और गर्म हवाएं लोगों को झुलसा रही हैं, जबकि शाम के समय उमस बेचैनी को और बढ़ा देती है। आईएमडी ने अगले दो दिनों के दौरान आंशिक रूप से बादलों की आवाजाही का अनुमान जताया है, इससे हल्की बूंदाबांदी या गरज के साथ बारिश हो सकती है। इससे अस्थायी राहत जरूर मिल सकती है, लेकिन गर्मी का असर पूरी तरह खत्म नहीं होगा। साथ ही हवा की गुणवत्ता भी खराब बनी हुई है, जो स्वास्थ्य के लिए एक अतिरिक्त चिंता का कारण है।

इजरायल-लेबनान युद्धविराम की घोषणा, 10 किलोमीटर के सुरक्षा क्षेत्र पर अड़े नेतन्याहू

बैरुत,(ईएमएस)। इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच बढ़ते तनाव को नियंत्रित करने की दिशा में एक बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता के बाद इजरायल और लेबनान के बीच 10 दिनों के युद्धविराम की घोषणा की गई है। यह समझौता इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन के बीच हुआ है, जिसे वाशिंगटन समय के अनुसार शाम 5 बजे से प्रभावी माना जाएगा। हालांकि, इस युद्धविराम के बावजूद प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने स्पष्ट कर दिया है कि सुरक्षा के मोर्चे पर इजरायल कोई समझौता नहीं करेगा।

नेतन्याहू ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि युद्धविराम लागू होने के बाद भी इजरायली सेना दक्षिणी लेबनान के भीतर 10 किलोमीटर का एक विशेष सुरक्षा क्षेत्र (बफर जोन) बनाए रखेगी। उन्होंने हिजबुल्लाह की उस मांग को सिरे से खारिज कर दिया, जिसमें इजरायली सेना को अंतरराष्ट्रीय सीमा तक पूरी तरह पीछे हटने के लिए कहा गया था। नेतन्याहू का तर्क है कि यह सुरक्षा क्षेत्र उत्तरी इजरायल के रिहाइशी इलाकों को हिजबुल्लाह के हमलों और टैंक रोधी मिसाइलों से बचाने के लिए अनिवार्य है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इजरायली सेना फिलहाल इसी क्षेत्र में तैनात रहेगी। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने इसे लेबनान के साथ एक ऐतिहासिक शांति समझौते की ओर बढ़ने का सुनहरा अवसर बताया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए दोनों देशों के शीर्ष नेताओं को सीधी बातचीत के लिए आमंत्रित करना चाहते हैं। नेतन्याहू के अनुसार, इजरायल ने सैन्य कार्रवाई के जरिए लेबनान में ताकत का संतुलन अपने पक्ष में कर लिया है, जिसके कारण पिछले एक महीने में लेबनान की ओर से शांति वार्ता के सकारात्मक संकेत मिले हैं। हालांकि, उन्होंने स्थायी शांति के लिए दो मुख्य शर्तें रखी हैं—पहली, हिजबुल्लाह को पूरी तरह निरस्त्रीकरण (हथियार छोड़ना) करना होगा और दूसरी, एक ठोस व स्थायी शांति समझौता सुनिश्चित करना होगा।

क्षेत्रीय राजनीति और ईरान के मुद्दे पर नेतन्याहू ने दावा किया कि उन्हें अमेरिकी प्रशासन से समुद्री नाकेबंदी जारी रखने और ईरान की शेष परमाणु क्षमता को खत्म करने का पूर्ण आश्वासन मिला है। उन्होंने इन कदमों को इजरायल की दीर्घकालिक सुरक्षा के लिए मील का पत्थर बताया। वर्तमान में, यह 10 दिवसीय युद्धविराम उस भीषण संघर्ष को रोकने की एक अस्थायी कोशिश है, जो इजरायल द्वारा हिजबुल्लाह के खिलाफ नया मोर्चा खोलने के बाद चरम पर पहुंच गया था। हालांकि लेबनान और इजरायल के बीच औपचारिक युद्ध नहीं है, लेकिन दक्षिणी लेबनान पर हिजबुल्लाह के नियंत्रण और निरंतर सीमा पार हमलों ने स्थिति को विस्फोटक बना रखा है। अब वैश्विक नजरें इस बात पर टिकी हैं कि क्या यह युद्धविराम एक स्थायी शांति का मार्ग प्रशस्त कर पाएगा।

इजरायल-लेबनान सीजफायर लागू होते ही गूंजी गोलियां

इजरायल और लेबनान के बीच शांति स्थापित करने के उद्देश्य से घोषित किया गया 10 दिवसीय युद्धविराम शुरू होते ही विवादों और हिंसा के घेरे में आ गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पहल पर हुए इस समझौते के प्रभावी होते ही बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में भारी गोलीबारी और रॉकेट हमलों की आवाजों ने दुनिया को चौंका दिया। सीजफायर लागू होने के महज कुछ ही मिनटों के भीतर करीब आधे घंटे तक रॉकेट-प्रोपेल्ड ग्रेनेड दागे गए और आसमान लाल ट्रेसर बुलेट्स की रोशनी से भर गया, जिससे स्थानीय निवासियों में फिर से दहशत फैल गई।

यह युद्धविराम इजरायल और ईरान समर्थित हिजबुल्लाह के बीच हफ्तों से चल रहे रक्तपात को रोकने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा था। हालांकि, जमीन पर हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। लेबनानी मीडिया के अनुसार, दक्षिणी लेबनान के कई हिस्सों में इजरायली गोलाबारी की खबरें मिली हैं, वहीं कई स्थानों पर मशीनगनों से फायरिंग जारी रही। इन घटनाओं ने इस 10 दिवसीय अस्थायी समझौते की स्थिरता और भविष्य पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सीजफायर से ठीक पहले भी दोनों ओर से भीषण हमले हुए थे। उत्तरी इजरायल में हिजबुल्लाह के रॉकेट हमलों के जवाब में इजरायली सेना ने उनके कई लॉन्चर ठिकानों को तबाह कर दिया था। समझौता लागू होते ही विस्थापित हुए लोग भारी तादाद में अपने घरों की ओर लौटने लगे, जिससे सड़कों पर लंबा जाम लग गया। हालांकि, प्रशासन ने लोगों को अनफटे बमों के खतरे के प्रति आगाह किया है। इस बीच, ईरान का रुख और कड़ा हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने संकेत दिया था कि ईरान यूरेनियम संवर्धन रोकने को तैयार है, लेकिन तेहरान ने पाकिस्तान की मध्यस्थता की कोशिशों के बीच यह साफ कर दिया है कि वह बिना किसी ठोस फ्रेमवर्क और वादों को पूरा किए अमेरिका से कोई नई बातचीत नहीं करेगा। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि अमेरिका को अपनी अत्यधिक मांगों को वापस लेना होगा। मध्य पूर्व के मौजूदा हालात को देखते हुए यह स्पष्ट है कि सीजफायर की डोर बेहद कमजोर है और यह क्षेत्र अब भी किसी भी समय बड़े संघर्ष की चपेट में आ सकता है।

ईरान-अमेरिका में शांति के बीच सबसे बड़ा अड़ंगा यूरेनियम एनरिचमेंट का मुद्दा

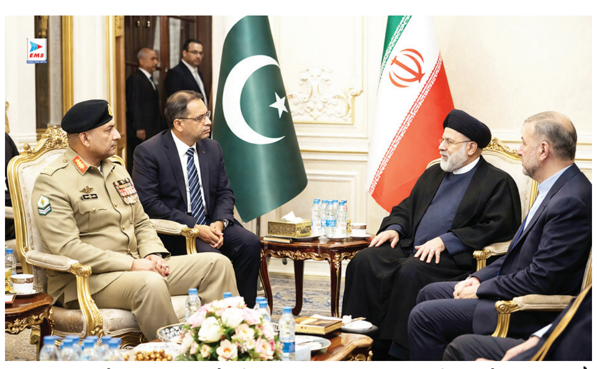

तेहरान,(ईएमएस)। अमेरिका और ईरान के बीच ठप पड़ी शांति वार्ता को फिर से पटरी पर लाने की कोशिशें तेज हो गई हैं। इसी कड़ी में पाकिस्तान के आर्मी चीफ फील्ड मार्शल आसिम मुनीर तेहरान पहुंचे, जहां वह ईरानी नेतृत्व से बातचीत कर रहे हैं उनके साथ पाकिस्तान के आंतरिक मंत्री मोहसिन नकवी भी मौजूद हैं, जो इस कूटनीतिक मिशन की अहमियत को दिखाता है। इस्लामाबाद में हुई पिछली वार्ता के बेनतीजा रहने के बाद यह पहली बड़ी पहल मानी जा रही है। पाकिस्तान दोनों देशों के बीच मध्यस्थ के तौर पर सक्रिय भूमिका निभा रहा है और ईरान को फिर से बातचीत की मेज पर लाने की कोशिश कर रहा है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान ईरान को अमेरिका के 'फाइनल और बेस्ट ऑफर' के करीब लाने की कोशिश करेगा। हालांकि यह आसान नहीं दिख रहा, क्योंकि ईरान पहले ही कह चुका है कि उसकी तरफ से कोई नया प्रस्ताव नहीं आया है। सबसे बड़ा अड़ंगा यूरेनियम एनरिचमेंट का मुद्दा है, जिस पर दोनों देशों के बीच गहरी खाई है। इस बीच व्हाइट हाउस ने भी संकेत दिए हैं कि अमेरिका और ईरान के बीच दूसरी दौर की बातचीत फिर से पाकिस्तान में हो सकती है। प्रेस सेक्रेटरी कैरोलाइन लेविट ने कहा कि बातचीत 'प्रोडक्टिव' है और पाकिस्तान ही इस पूरे संवाद का मुख्य मध्यस्थ बना रहेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी संकेत दिया है कि अगले कुछ दिनों में बातचीत दोबारा शुरू हो सकती है। उन्होंने पाकिस्तान की भूमिका की तारीफ करते हुए कहा कि यह बातचीत जल्द आगे बढ़ सकती है। इधर, खाड़ी क्षेत्र में भी कूटनीतिक हलचल तेज हो गई है। पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ और विदेश मंत्री सऊदी अरब, कतर और तुर्की के दौरे पर हैं। ये सभी देश इस संघर्ष से सीधे प्रभावित हुए हैं और स्थायी शांति चाहते हैं।

हालांकि, दूसरी तरफ अमेरिका ने दबाव की रणनीति भी जारी रखी है। अमेरिका ने रूस और ईरान के तेल पर दी गई छूट खत्म करने का फैसला लिया है। इससे वैश्विक तेल बाजार पर असर पड़ सकता है और भारत जैसे देशों को भी झटका लग सकता है, जिन्होंने इस छूट के दौरान बड़ी मात्रा में तेल खरीदा था। विशेषज्ञ मानते हैं कि एक तरफ बातचीत की कोशिशें चल रही हैं, तो दूसरी तरफ आर्थिक दबाव और सैन्य रणनीति भी जारी है। यही 'डुअल स्ट्रैटेजी' इस पूरे संकट को और जटिल बना रही है।

लाहौर में खड़ी थी गाड़ी, तभी आए 2 धुरंधर और आतंकी हमजा को ठोंक कर चले गए

लाहौर,(ईएमएस)। लश्कर-ए-तैयबा के सह-संस्थापक और कुख्यात आतंकी अमीर हमजा पर गुरुवार को पाकिस्तान के लाहौर में एक भीषण हमला हुआ, जिसका सीसीटीवी फुटेज अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि किस तरह फिल्मी अंदाज में बाइक सवार हमलावरों ने व्यस्त सड़क पर इस वारदात को अंजाम दिया। फुटेज के अनुसार, लाहौर की एक सड़क पर ट्रैफिक के बीच खड़ी हमजा की कार के पास दो अज्ञात हमलावर मोटरसाइकिल पर सवार होकर पहुंचे और ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। फायरिंग शुरू होते ही कार का ड्राइवर जान बचाने के लिए दरवाजा खोलकर बाहर कूदा और भागने लगा। हमलावरों ने भागते हुए ड्राइवर पर भी गोलियां चलाईं, लेकिन वह किसी तरह खुद को बचाने में सफल रहा। इस हमले में अमीर हमजा गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना का यह वीडियो किसी एक्शन फिल्म के दृश्य जैसा प्रतीत होता है, जहां हमलावर चंद सेकेंड में गोलियां बरसाकर मौके से फरार हो गए। गौरतलब है कि पिछले एक साल के भीतर अमीर हमजा पर यह दूसरा जानलेवा हमला है। इससे पहले मई 2025 में भी उसे निशाना बनाया गया था, जिसे आतंकी संगठनों के बीच आपसी रंजिश के तौर पर देखा गया था। अमीर हमजा को लश्कर-ए-तैयबा का एक महत्वपूर्ण स्तंभ माना जाता है, जिसने हाफिज सईद के साथ मिलकर इस आतंकी संगठन की नींव रखी थी। वह लंबे समय से संगठन के लिए फंडिंग जुटाने, आतंकियों की भर्ती करने और भारत विरोधी दुष्प्रचार फैलाने के नेटवर्क का मुख्य हिस्सा रहा है। पिछले कुछ समय से पाकिस्तान में भारत के वांछित आतंकियों पर होने वाले इन हमलों ने एक नया ट्रेंड पेश किया है। लश्कर, जैश-ए-मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े कई बड़े आतंकियों को इसी तरह अज्ञात हमलावरों ने मौत के घाट उतारा है।

नेपाल में बिसकेट जात्रा समारोह में भागवान भैरव का रथ खींचती हुई महिलाएं।

सत्ताधीशों के घर से काली कमाई निकालेगी नेपाल सरकार

काठमांडु(ईएमएस)। नेपाल की राजनीति में एक ऐतिहासिक मोड़ आया जब प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह की सरकार ने पिछले दो दशकों में सत्ता के गलियारों में रहे प्रमुख नेताओं और वरिष्ठ नौकरशाहों की संपत्ति की गहन जांच करने के लिए एक शक्तिशाली आयोग के गठन की घोषणा की। कैबिनेट की महत्वपूर्ण बैठक में लिए गए इस निर्णय के तहत वर्ष 2006 से लेकर अब तक शासन करने वाले तमाम प्रभावशाली व्यक्तियों की चल-अचल संपत्ति को खंगाला जाएगा। यह वह कालखंड है जब नेपाल में राजशाही के अंत के बाद लोकतांत्रिक व्यवस्था के तहत नेपाली कांग्रेस, सीपीएन-यूएमएल और माओवादी केंद्र जैसी प्रमुख राजनीतिक पार्टियों ने देश की कमान संभाली थी।

सरकार के इस कड़े रुख का उद्देश्य उन आरोपों की सच्चाई सामने लाना है, जिनमें नेताओं पर सत्ता का दुरुपयोग कर अवैध तरीके से धन अर्जित करने और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप लगते रहे हैं। इस जांच के दायरे में पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा, केपी शर्मा ओली और पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' जैसे कद्दावर नाम भी शामिल हैं। सरकार के आधिकारिक प्रवक्ता और शिक्षा मंत्री सस्मित पोखरेल ने स्पष्ट किया कि इस पांच सदस्यीय आयोग की कमान सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश राजेंद्र कुमार भंडारी को सौंपी गई है। आयोग का प्राथमिक कार्य 2006 से 2026 के बीच सत्तासीन रहे लोगों की संपत्ति का विवरण जुटाना और उसका सत्यापन करना होगा।

प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह द्वारा लिया गया यह साहसिक फैसला उनके 100 सूत्रीय सुधार एजेंडे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। योजना के मुताबिक, भ्रष्टाचार विरोधी यह अभियान दो चरणों में चलेगा। पहले चरण में 2006 के बाद के मामलों को देखा जाएगा, जबकि दूसरे चरण में 1992 से 2006 तक के कार्यकाल की जांच की जाएगी। इस कदम को पिछले साल सितंबर में हुए जेन-जी विरोध प्रदर्शनों की प्रतिक्रिया के रूप में भी देखा जा रहा है, जिसमें युवाओं ने स्थापित राजनीतिक नेतृत्व के खिलाफ भ्रष्टाचार को लेकर जबरदस्त नाराजगी जाहिर की थी।

राष्ट्रपति ट्रंप के दावों को ईरान ने बताया झूठ कहा- अमेरिका को नहीं देंगे अपना यूरेनियम

तेहरान,(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप झूठ बोलने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं उन्होंने यूरेनियम को लेकर भी झूठ बोला और कहा कि ईरान अपना यूरेनियम अमेरिका को देने के लिए तैयार हो गया। इन इटकलों के बीच तेहरान ने साफ कर दिया कि ट्रंप पूरी तरह झूठ बोल रहे हैं उन्हे एक मुटठी भी यूरेनियम नहीं दिया जाएगा।

व्हाइट हाउस में मीडिया से बातचीत के दौरान ट्रंप ने उत्साह जताते हुए कहा कि दोनों देश एक ऐतिहासिक शांति समझौते के बेहद करीब हैं और ईरान ने उन्हें न्यूक्लियर डस्ट देने पर सहमति जताई है। ट्रंप ने संकेत दिया कि यदि यह समझौता सिरे चढ़ता है, तो वे इसके हस्ताक्षर समारोह के लिए पाकिस्तान का दौरा भी कर सकते हैं। उन्होंने यह भी जोड़ा कि इस डील के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य खुल जाएगा, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति सामान्य हो सकेगी। हालांकि, ईरान ने राष्ट्रपति ट्रंप के इन दावों को पूरी तरह खारिज करते हुए इन्हें सिरे से नकार दिया है। ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकर कालिबाफ के करीबी सूत्रों और अन्य आधिकारिक अधिकारियों ने ट्रंप के बयानों को झूठ करार दिया है। ईरान का कहना है कि अमेरिका को यूरेनियम सौंपने के विषय पर अब तक कोई ठोस बातचीत नहीं हुई है और न ही वार्ता में कोई बड़ा ब्रेकथ्रू या सफलता हाथ लगी है। तेहरान ने स्पष्ट कर दिया है कि भविष्य की बातचीत तभी आगे बढ़ेगी जब अमेरिका ईरान की सभी शर्तों को स्वीकार करेगा।

इस पूरे विवाद की जड़ परमाणु कार्यक्रम की समयसीमा और यूरेनियम संवर्धन पर टिकी है। पिछले सप्ताह इस्लामाबाद में दोनों पक्षों के बीच करीब 21 घंटे तक मैराथन बैठक चली, लेकिन वह बेनतीजा रही। अमेरिका का प्रस्ताव है कि ईरान अगले 20 वर्षों तक यूरेनियम संवर्धन की अपनी गतिविधियों को पूरी तरह रोक दे, जबकि ईरान केवल 5 वर्षों तक ही इस तरह के प्रतिबंध स्वीकार करने को राजी है। डोनाल्ड ट्रंप ने दो टूक शब्दों में कहा है कि किसी भी समझौते का आधार यह होना चाहिए कि ईरान भविष्य में कभी भी परमाणु हथियार हासिल न कर सके। उन्होंने समयसीमा वाले किसी भी अस्थायी समझौते को खारिज करते हुए इसे स्थायी बनाने पर जोर दिया है। फिलहाल, दोनों देशों के दावों में भारी अंतर ने शांति वार्ता की दिशा पर अनिश्चितता के बादल मंडरा दिए हैं।

ईरान के आगे नहीं चल पा रही यूएस की दादागीरी, उधर सीरिया छोड़कर निकली अमेरिकी फौज

सीरिया और मध्य पूर्व में जारी भारी उठापटक के बीच एक बड़ा रणनीतिक बदलाव देखने को मिला है। जहाँ एक तरफ अमेरिकी प्रशासन ईरान पर दबाव बनाने की रणनीति पर काम कर रहा है, वहीं दूसरी ओर अमेरिका को मुस्लिम देश सीरिया से अपनी सैन्य मौजूदगी कम करनी पड़ी है। गुरुवार को अमेरिकी सेना ने सीरिया के हसाका प्रांत स्थित अपने प्रमुख सैन्य ठिकाने कसराक एयरबेस को पूरी तरह खाली कर दिया। भारी सैन्य उपकरणों और सैनिकों के साथ आखिरी काफिला इस बेस से बाहर निकल गया, जो सीरिया में अमेरिकी सैन्य ठिकानों की लगभग समाप्ति का संकेत है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) के प्रवक्ता कैप्टन टिम हॉकिन्स ने इस वापसी की पुष्टि करते हुए इसे एक सुनियोजित और परिस्थितियों पर आधारित फैसला करार दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सैन्य वापसी के बावजूद अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ अपने सहयोगियों का समर्थन करता रहेगा।

सीरियाई सरकार ने अमेरिका के इस कदम को अपनी बड़ी जीत और राष्ट्रीय संप्रभुता की बहाली बताया है। सीरियाई विदेश मंत्रालय के अनुसार, उन क्षेत्रों पर फिर से नियंत्रण प्राप्त करना, जो पहले उसके अधिकार क्षेत्र से बाहर थे, देश की एकता के लिए महत्वपूर्ण है। यह वापसी संभवतः सीरियाई सरकार और कुर्द लड़ाकों (एसडीएफ) के बीच हुए आंतरिक समझौतों और आईएसआईएस के खिलाफ मिले अभियानों की सफलता का परिणाम है। इससे पहले फरवरी में भी अमेरिका ने जॉर्डन सीमा के पास स्थित अल-तनफ बेस को खाली किया था, और हाल ही में करीब 5700 आईएसआईएस आतंकियों को सीरिया से इराक की जेलों में स्थानांतरित किया गया है। इस पूरे घटनाक्रम का समय (टाइमिंग) बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण माना जा रहा है। एक ओर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दावा कर रहे हैं कि ईरान के साथ एक बड़ी परमाणु डील करीब है और ईरान अपना यूरेनियम देने के लिए सहमत हो गया है, वहीं दूसरी ओर ईरान इन दावों को पूरी तरह खारिज करते हुए इन्हें झूठ बता रहा है।

पाकिस्तान में गैस पाइपलाइन फटने से धमाका, 8 लोगों की मौत, कई झुलसे

करांची,(ईएमएस)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के हरिपुर जिले में गुरुवार को एक औद्योगिक क्षेत्र में गैस पाइपलाइन फटने से विस्फोट हुआ, जिसकी चपेट में आने से कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई। प्रशासन ने आशंका जताई है कि हताहतों की संख्या बढ़ सकती है। आपातकालीन सेवा रेस्क्यू के अधिकारियों के मुताबिक यह घटना हरिपुर के प्रसिद्ध हत्तर इंडस्ट्रियल एस्टेट में हुई। विस्फोट ग्रैंड ट्रंक रोड के पास स्थित एक कारखाने के पास हुआ। धमाका इतना जोरदार था कि पाइपलाइन फटने के बाद वहां भीषण आग लग गई।

मीडिया रिपोर्ट में रेस्क्यू सूत्रों के हवाले से बताया गया है यह विस्फोट 'ग्रैंड ट्रंक रोड' के पास एक कारखाने के पास हुआ, जहां गैस पाइपलाइन में हुए जोरदार धमाके के बाद भीषण आग लग गई। निकट स्थित एक मकान भी आग की चपेट में आ गया, जिससे नुकसान बढ़ गया और बचाव कार्य में बाधा आई। उन्होंने बताया कि इस घटना में आठ लोगों की मौत हो गई। हरिपुर के जिला पुलिस अधिकारी ने बताया कि आग के तेजी से फैलने के बीच कम से कम चार महिलाओं और छह बच्चों को बचा लिया गया है। उन्होंने बताया कि कई महिलाएं और बच्चे गंभीर रूप से झुलस गए हैं। लोगों की मौत का मुख्य कारण दम घुटना बताया जा रहा है।

रूस ने कर दिया भीषण हमला- एक साथ टूट पड़े 659 ड्रोन और 44 मिसाइलें, 18 की मौत

कीव,(ईएमएस)। रूस-यूक्रेन युद्ध एक बार फिर अत्यंत विनाशकारी मोड़ पर पहुंच गया है। रूस ने इस साल के सबसे बड़े हमलों में से एक को अंजाम देते हुए यूक्रेन के विभिन्न शहरों पर ड्रोन और मिसाइलों की भीषण बारिश कर दी है। इस ताजा हमले में कम से कम 18 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जिनमें एक बच्चा भी शामिल है, जबकि 100 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। यूक्रेन की वायुसेना द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, रूस ने पिछले 24 घंटों के भीतर रिकॉर्ड 659 ड्रोन और 44 मिसाइलें दागीं।

यह हमला मुख्य रूप से नागरिक ठिकानों और बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर किया गया। कीव, खारकीव, ओडेसा, ड्निप्रो और जापोरिज्जिया जैसे प्रमुख शहर इस गोलाबारी से बुरी तरह दहल उठे। ओडेसा में नेशनल म्यूजिक अकादमी के हॉस्टल पर हमला होने से वहां रह रहे छात्रों में हड़कंप मच गया; पांच छात्र घायल हुए जिन्हें रात के समय सुरक्षित बाहर निकाला गया। ड्निप्रो में तीन और जापोरिज्जिया में एक व्यक्ति की जान जाने की पुष्टि हुई है। यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्रेई सिबीहा ने इस हमले को आतंकी कार्रवाई करार देते हुए कहा कि रूस जानबूझकर रिहायशी इलाकों को निशाना बना रहा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने इस हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है। उन्होंने वैश्विक समुदाय को संदेश देते हुए कहा कि रूस केवल जंग के रास्ते पर चल रहा है और यह विनाशकारी रात साबित करती है कि रूस पर लगे प्रतिबंधों में कोई ढील नहीं दी जानी चाहिए। यह हमला उस समय हुआ है जब ईस्टर के अवसर पर घोषित किया गया 32 घंटे का युद्धविराम कुछ ही देर में टूट गया। इस भीषण गोलाबारी ने स्पष्ट कर दिया है कि युद्धविराम की कोशिशें फिलहाल विफल साबित हो रही हैं। इसी बीच, जेलेंस्की अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाने के लिए इटली के दौरे पर हैं, जहां उन्होंने सुरक्षा और रक्षा सहयोग को लेकर महत्वपूर्ण बैठकें की हैं। इस हमले के बाद अब पूरे क्षेत्र में तनाव और अधिक बढ़ गया है।

ट्रंप ने पीएम मोदी की जमकर की तारीफ, पश्चिम एशिया के तनाव और सुरक्षा पर हुई चर्चा

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए उन्हें अपना बेहतरीन दोस्त बताया है। ईरान और अमेरिका के बीच चल रही शांति वार्ता और क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच, ट्रंप ने मीडिया से बातचीत में खुलासा किया कि उन्होंने पश्चिम एशिया के संघर्षपूर्ण हालात को लेकर प्रधानमंत्री मोदी से विस्तार से चर्चा की है। ट्रंप ने कहा, मेरी उनसे बहुत अच्छी बात हुई। वह भारत के मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं और शानदार काम कर रहे हैं। हम दोनों के बीच की बातचीत बेहद सकारात्मक रही। दोनों वैश्विक नेताओं के बीच यह फोन कॉल मंगलवार को हुई थी, जो करीब 40 मिनट तक चली। यह बातचीत उस समय हुई है जब पश्चिम एशिया में अमेरिका-ईरान शांति वार्ता में आई अड़चनों के कारण तनाव चरम पर है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी इस संवाद की पुष्टि करते हुए सोशल मीडिया पर जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप के साथ द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों में हुई प्रगति की समीक्षा की गई। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि दोनों देश अपनी व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और अधिक मजबूत करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। इस महत्वपूर्ण वार्ता के दौरान दोनों नेताओं ने विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य को खुला और सुरक्षित रखने के महत्व पर चर्चा की, जो वैश्विक तेल आपूर्ति और व्यापार के लिए जीवन रेखा माना जाता है। अमेरिकी दूत सर्जियो गोर के अनुसार, बातचीत के दौरान ट्रंप और मोदी के बीच व्यक्तिगत गर्मजोशी भी देखने को मिली। ट्रंप ने बातचीत के दौरान यहां तक कह दिया कि हम सब आपको प्यार करते हैं, जो दोनों नेताओं के बीच के गहरे व्यक्तिगत संबंधों को दर्शाता है।

अमेरिकी सेना में है बेटा और भारतीय मूल की मां मीनू को किया गिरफ्तार, निर्वासन का खतरा

वॉशिंगटन(ईएमएस)। बीते 4 दशक से अधिक समय से अमेरिका में रह रहीं भारतीय मूल की मीनू बत्रा को स्थानीय पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। चार बच्चों की मां मीनू का एक बेटा हाल ही अमेरिकी सेना में शामिल हुआ है। जिसने अपनी मां की पेरोल की मांग की है। अमेरिका में चार दशकों से अधिक समय से रह रहीं भारतीय मूल की 53 वर्षीय महिला मीनू बत्रा को अमेरिकी आव्रजन अधिकारियों द्वारा हिरासत में लिए जाने का एक गंभीर मामला सामने आया है। मीनू बत्रा, जो 1980 से अमेरिका में रह रही हैं और वहां एक पेशेवर दुभाषिया के रूप में अपनी सेवाएं दे रही थीं, उन्हें 17 मार्च को टेक्सास के वैली इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उस समय हिरासत में लिया गया जब वे एक कानूनी असाइनमेंट के सिलसिले में विस्कॉन्सिन जा रही थीं। वर्तमान में उन्हें अमेरिका-मेक्सिको सीमा के पास रेमंडविले स्थित एल वैले डिटेंशन सेंटर में रखा गया है। वकीलों का तर्क है कि मीनू का कोई आपराधिक इतिहास नहीं है और वे दशकों से एक सम्मानित नागरिक की तरह रह रही हैं, ऐसे में उन्हें अचानक हिरासत में लेना गैरकानूनी है। वे अमेरिकन ट्रांसलेटर्स एसोसिएशन की सक्रिय सदस्य भी हैं। इस मामले ने अमेरिका में लंबे समय से रह रहे उन प्रवासियों की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं जो कानूनी रूप से समाज में योगदान दे रहे हैं, लेकिन तकनीकी कारणों से आज भी निर्वासन की तलवार के नीचे जी रहे हैं। अदालत से उनकी तत्काल रिहाई की मांग की गई है।मीनू बत्रा के वकीलों ने टेक्सास की जिला अदालत में याचिका दायर कर आरोप लगाया है कि हिरासत के दौरान उनके मानवाधिकारों का उल्लंघन हुआ है। याचिका के अनुसार, उन्हें शुरुआती 24 घंटों तक भोजन और पानी के बिना रखा गया। साथ ही, दिसंबर 2025 में हुई उनकी एक सर्जरी के बावजूद उन्हें आवश्यक चिकित्सा देखभाल नहीं दी जा रही है। स्वास्थ्य संबंधी उपेक्षा के कारण उन्हें सांस की बीमारी हो गई है और उन्होंने अस्थायी रूप से अपनी आवाज खो दी है। चार बच्चों की अकेली मां मीनू के सभी बच्चे अमेरिकी नागरिक हैं और उनका सबसे छोटा बेटा हाल ही में अमेरिकी सेना में शामिल हुआ है, जिसने अपनी मां के लिए मानवीय आधार पर पैरोल का अनुरोध किया है।मीनू बत्रा का कानूनी करियर काफी सराहनीय रहा है।

पंजाब से हार के बाद भड़के पांड्या, बुमराह से भी नाराज दिखे

मुंबई (ईएमएस)। आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस की हार का सिलसिला थमने नहीं रहा है। टीम को पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में भी 7 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में मुंबई की गेंदबाजी बेहद साधारण नजर आई, जिसके चलते क्विंटन डिकॉक की शानदार पारी से बने 195 रनों के सम्मानजनक स्कोर का बचाव करने में टीम पूरी तरह विफल रही। पंजाब के बल्लेबाजों ने आसानी से इस लक्ष्य को भेद दिया, जिसने टीम प्रशंसकों को निराश हुई है। लगातार मिल रही असफलता से कप्तान हार्दिक पांड्या मैदान पर गुस्से में दिखे। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें हार्दिक फील्डिंग सेट करते समय टीम के प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह से खुश दिखाई नहीं दे रहे हैं। वीडियो में हार्दिक बुमराह से किसी बात पर नाराज दिखे जिसके बाद बुमराह ने भी उसी अंदाज में प्रतिक्रिया दी जिससे लगा कि उन्हें कप्तान का यह रवैया ठीक नहीं लगा हो। इस घटना ने मुंबई इंडियंस के भीतर चल रही अंदरूनी खींचतान और खिलाड़ियों के बीच संभावित तनाव को उजागर कर दिया है, जो टीम के माहौल पर सवालिया निशान लगाता है। विश्व क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाजों में से एक जसप्रीत बुमराह के लिए आईपीएल 2026 अब तक उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है। इस सीजन में सभी बल्लेबाज उनके खिलाफ काफी सावधानी से खेल रहे हैं और अपना विकेट गंवाने से बच रहे हैं। यही कारण है कि बुमराह लगातार पांच मैचों में एक भी विकेट हासिल नहीं कर पाए हैं। बुमराह का यह विकेटहीन रहना मुंबई इंडियंस की खराब हालत का एक बड़ा कारण बन गया है, क्योंकि इससे न सिर्फ अन्य गेंदबाजों पर दबाव बढ़ा है, बल्कि टीम को निर्णायक पलों में विकेट निकालने वाले प्रमुख अस्त्र की कमी भी खल रही है। उनकी फॉर्म टीम के लिए चिंता का विषय बनी हुई है।

आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस ने अब तक कुल पांच मुकाबले खेले हैं, जिनमें से उन्हें सिर्फ एक में जीत नसीब हुई है। सीजन के अपने पहले मैच में जीत दर्ज करने के बाद मुंबई लगातार चार मैच हार चुकी है, जो उनकी निराशाजनक स्थिति को दर्शाता है। लगातार हार के कारण मुंबई इंडियंस पॉइंट्स टेबल में नौवें स्थान पर खिसक गई है, जो प्लेऑफ की दौड़ में उनकी राह को बेहद मुश्किल बना रहा है। अगर टीम को प्लेऑफ के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करनी है तो उसे अपने बचे हुए मैचों में असाधारण प्रदर्शन के साथ-साथ टीम के भीतर पनप रहे किसी भी आंतरिक मुद्दे को भी जल्द से जल्द सुलझाना होगा। मुंबई इंडियंस के लिए यह सीजन अब तक एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है, और उसे इससे पार पाने के लिए न सिर्फ बेहतर खेल बल्कि एक मजबूत एकजुटता का प्रदर्शन भी करना होगा।

पोटिंग ने बताया पंजाब किंग्स की टीम के बेहतर प्रदर्शन का राज, टीम में सभी खिलाड़ियों को मिलती है अहमियत

पंजाब किंग्स की टीम का प्रदर्शन आईपीएल के इस सत्र में सबसे अच्छा रहा है और वह अबतक एक भी मैच नहीं हारी है और अंक तालिका में सबसे ऊपर है। इससे उत्साहित टीम के कोच रिकी पोटिंग ने इसका कारण भी बताया है। पोंटिंग ने कहा है कि टीम के सभी खिलाड़ियों को अपने तरीके से काम करने की आजादी मिली हुई है। साथ ही कहा कि मुख्य कोच के तौर पर मेरा काम उनकी सहायता करना है, इसलिए मैं उनपर किसी प्रकार के नियंत्रण का प्रयास नहीं करता। गत दिवस हुए मैच में मुंबई इंडियंस पर जीत के बाद से ही पंजाब किंग्स अंकतालिका में नंबर एक स्थान पर पहुंच गयी है। पोंटिंग ने इसी को लेकर कहा, कोच के तौर पर मेरी जिम्मेदारी ये है कि ड्रेसिंग रुम में ऐसा माहौल रहे हर खिलाड़ी को लगे कि उसे महत्व दिया जा रहा है, इससे उसका मनोबल बढ़ता है। एक कोच के तौर पर, मैं उनका समर्थन करने और चुनौती देने के लिए हूं, उन पर नियंत्रण करने के लिए नहीं हूं। जब वे विफल होते हैं, तब भी उन्हें यह समझना होगा कि यह खेल का हिस्सा है। टी20 क्रिकेट में, आपको किसी भी दिन आगे बढ़ने के लिए कुछ ही खिलाड़ियों की जरूरत होती है।उन्होंने कहा कि नीलामी के दौरान भी हमारी यही रणनीति थी। हमारा लक्ष्य स्पष्ट भूमिकाओं के साथ एक मजबूत ग्रुप बनाने पर था। जब खिलाड़ियों के मन में दूसरे के प्रति सहयोग की भावना रहती है, तो परिणाम अपने आप अच्छे होते हैं।

मनोज तिवारी ने कहा हार्दिक की जगह पर रोहित को फिर कप्तान बनाये मुम्बई इंडियंस

पूर्व क्रिकेटर और बंगाल की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले मनोज तिवारी ने आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लगातार खराब प्रदर्शन के लिए कप्तान हार्दिक पांड्या को जिम्मेदार बताते हुए कहा है कि उन्हें कप्तानी स्वयं छोड़ देनी चाहिये जिससे एक बार फिर रोहित शर्मा को कप्तानी दी जा सके।

आईपीएल के इस सत्र में मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और उसे पांच में से चार मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। इसी के बाद से ही पांड्या प्रशंसकों के निशाने पर हैं। ऐसे में तिवारी का मानना है कि पांड्या को कप्तानी छोड़ देनी चाहिए जिससे रोहित को एक बार फिर टीम की कमान दी जा सके। रोहित की कप्तानी मे टीम ने पांच बार खितब जीता है। वहीं जब से उन्हें कप्तानी से हटाकर हार्दिक को कप्तानी दी गयी है टीम लगातार हारी है।

इस सत्र में भी खराब प्रदर्शन के कारण मुंबई अंक तालिका में नौवें स्थान पर खिसक गयी है। इन चार हार में से तीन मैचों में हार्दिक ने कप्तानी की है, जबकि एक मैच में सूर्यकुमार यादव कप्तान थे। टीम के इस खराब प्रदर्शन और हार्दिक की कप्तानी के लिए मनोज तिवारी ने उनकी आलोचना भी की है।

इस पूर्व क्रिकेटर ने हार्दिक की कप्तानी को कमजोर बताया। उन्होंने कहा, रोहित की कप्तानी में मुंबई इंडियंस ने 2022 तक पाँच आईपीएल ट्रॉफी जीती थीं, जबकि हार्दिक पांड्या ने गुजरात टाइटन्स के साथ 2023 और 2024 में कोई ट्रॉफी नहीं जीती, और इस साल भी ऐसा होने की संभावना कम ही है। तिवारी ने जोर देते हुए कहा कि कप्तान के तौर पर जितना सजग और सक्रिय होना चाहिये वैसे हार्दिक नहीं हैं। गौरतलब है कि हार्दिक आईपीएल 2021 तक मुंबई इंडियंस का हिस्सा थे पर साल 2022 में दो नई टीमों के आने के बाद उन्हें गुजरात टाइटन्स का कप्तान बना दिया गया था पर दो साल बाद ही वह वापस मुम्बई पहुंच गये।

सीएसके के तेज गेंदबाज खलील अहमद आईपीएल से बाहर हुए, मुकेश या रामकृष्ण को मिल सकता है अवसर

मुम्बई (ईएमएस)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के तेज गेंदबाज खलील अहमद चोटिल होने के कारण आईपीएल के पूरे सत्र से बाहर हो गये हैं। पहले ही ही खिलाड़ियों के चोटिल होने से परेशान सीएसके की मुश्किले अब खलील के बाहर होने से और बढ़ गयी हैं। खलील के बाहर होने से सीएसके की गेंदबाजी कमजोर हुई है। जिसकी भरपाई के लिए अब टीम मुकेश कुमार या रामकृष्ण घोष में से किसी एक को शामिल कर सकती है। सीएसके ने खलील के बाहर होने की पुष्टि की है। फ्रेंचाइजी ने सोशल मीडिया में बताया, केकेआर के खिलाफ हाल ही में हुए मुकाबले में दाएं क्वाड्रिसेप्स में खिंचाव के बाद खलील आईपीएल से बाहर हो गए। हम खलील के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं। उसे केकेआर की पारी के दौरान अपने रन-अप में परेशानी हुई और अचानक रुकना पड़ा था। शुरुआती तौर पर यह गंभीर ऐंठन का मामला लग रहा था पर बाद में जांच में इसे गंभीर पाया गया। इसके बाद उन्हें मैदान से बाहर ले जाया गया, जिससे उनके साथी खिलाड़ी गुरजपनीत सिंह को ओवर की बची हुई पांच गेंदें फेंकनी पड़ी थीं। इस मामले में खलील को सर्जरी भी करवानी पड़ सकती है।

खलील अहमद का मौजूदा टूर्नामेंट से बाहर होना चेन्नई सुपर किंग्स के लिए एक ऐसे समय में आया है जब टीम का गेंदबाजी आक्रमण पहले से ही संघर्ष कर रहा है और कमजोर नजर आ रहा है। उनकी अनुपस्थिति निश्चित रूप से टीम की चुनौतियों को और बढ़ाएगी। टीम पहले से ही कुछ प्रमुख खिलाड़ियों की चोटों से जूझ रही है। कप्तान एमएस धोनी पिंडली की चोट से उबर रहे हैं, जबकि विदेशी तेज गेंदबाज स्पेंसर जॉनसन स्ट्रेस फ्रैक्चर की समस्या से जूझने के कारण शुरुआती मुकाबलों से बाहर चल रहे हैं। ऐसे में खलील का बाहर होना टीम के संतुलन को और भी प्रभावित करेगा। खलील की जगह लेने के लिए मुकेश सबसे बड़े दावेदार हैं। उन्होंने आईपीएल के 16 मुकाबलों में 17 विकेट लिए हैं। वहीं दूसरे विकल्प रामकृष्ण दाएं हाथ के तेज गेंदबाज हैं, जो निचले क्रम में अपनी बल्लेबाजी भी कर सकते हैं। मौजूदा सीजन में सीएसके का प्रदर्शन मिला-जुला रहा है।

स्टूगर्ट में अमेरिका की कोको गाफ स्टूगर्ट औपन टेनिस में खेलती हुई।

उत्तरी चीन में एशियाई जूडो चैम्पियनशिप में मंगोलिया की अनुडारी जेमसरन महिलाओं के 48 किलाग्राम फाइनल में विरोधी उजबेकिस्तान की लजीला हयाडरोवा से मुकाबला करती हुई।

आईपीएल प्लेऑफ में पंजाब, आरसीबी का पहुंचना तय बचे हुए स्थानों के लिए पांच टीमों में है मुकाबला

मुमबई (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में अभी तक सभी टीमों ने पांच-पांच मुकाबले खेल लिए है। इससे प्लेऑफ को लेकर कुछ-कुछ तस्वीर साफ होने लगी है। अब तक पंजाब किंग्स एक भी मैच नहीं हारी है और 9 अंक लेकर प्लेऑफ की दौड़ में सबसे आगे है। उसका एक मैच बारिश के कारण पूरा नहीं हो पाया था।

वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और राजस्थान रॉयल्स की टीम ने अपने-अपने चार-चार मुकाबले जीते हैं और 8-8 अंक लेकर प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई हैं। आरसीबी नेट रन रेट के मामले में आगे होने के कारण प्लेऑफ में पहुंचने की दूसरी बड़ी दावेदार है , वहीं रॉयल्स तीसरी। लीग में हिस्सा ले रही सभी दस टीमें 14-14 लीग मैच खेलेंगी और इनमें से शीर्ष चार टीमें प्लेऑफ में अपनी जगह बनाएंगी। कुछ टीमें ऐसी हैं जिन्होंने सत्र के शुरुआती चरण में ही दमदार खेल दिखाकर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी दावेदारी को मजबूत कर लिया है वहीं कुछ को अभी लंबा रास्ता तय करना है।

वहीं आईपीएल के नियमों के अनुसार, प्लेऑफ में पहुंचने के लिए आमतौर पर किसी भी टीम को लीग स्टेज में कम से कम आठ मैच जीतने होते हैं, जिससे उनके 16 अंक हो जाते हैं और वे नेट रन रेट के फेर में नहीं फंसती पर कुछ मामलों में सात जीत के साथ 14 अंक होने पर भी बेहतर रन रेट के आधार पर प्लेऑफ में जगह मिल सकती है।

पंजाब किंग्स प्लेऑफ की रेस में सबसे आगे दिखाई दे रही है। वहीं आरसीबी और राजस्थान रॉयल्स भी प्लेऑफ की रेस में बनी हुई है। यदि ये शीर्ष तीन टीमें अपनी मौजूदा लय बरकरार रखती हैं, तो प्लेऑफ में उनकी जगह लगभग पक्की मानी जा सकती है। ऐसे में, अंतिम दो प्लेऑफ स्थानों के लिए पांच टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी। सनराइजर्स हैदराबाद, दिल्ली कैपिटल्स, चेन्नई सुपर किंग्स, गुजरात टाइटंस और लखनऊ सुपर जायंट्स – ये पांचों टीमें इस समय चार-चार अंकों के साथ मध्य तालिका में हैं। इन टीमों को अब अपनी जीत की लय को बनाए रखना होगा और लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा, क्योंकि एक भी हार उन्हें प्लेऑफ की दौड़ से बाहर कर सकती है।

वहीं, टूर्नामेंट में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और मुंबई इंडियंस के लिए प्लेऑफ में पहुंचना कठिन है। केकेआर अभी तक एक भी जीत हासिल नहीं कर पायी है, जबकि मुंबई इंडियंस भी लगातार हारी है उसे एक ही मैच में जीत मिली है। उसके अभी सिर्फ दो अंक हैं। इन दोनों टीमों को अब अपने बचे हुए नौ मैचों में से कम से कम छह से सात मैच जीतने होंगे, और वह भी बेहतर नेट रन रेट के साथ, ताकि वे प्लेऑफ की दौड़ में वापस आ सकें।

डी कॉक आईपीएल में तीन अलग-अलग टीमों से शतक लगाने वाले पहले विदेशी खिलाड़ी बने

मुम्बई (ईएमएस)। इंडियान प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है और उसे अब तक केवल एक पांच में से एक ही मैच में जीत मिली है। गत दिवस पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में भी उसे हार का सामना करना पड़ा था हालांकि इस मैच में टीम के सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे क्विंटन डी कॉक ने शानदार शतक लगया था। डी कॉक के नाम इस शतक के साथ ही एक अनौखा रिकार्ड दर्ज हो गया है। वह तीन अलग-अलग टीमों से शतक लगाने वाले पहले विदेशी खिलाड़ी बन गये हैं। मुंबई इंडियंस से पहले, उन्होंने लखनऊ सुपर जाएंट्स और दिल्ली डेयरडेविल्स (जो अब दिल्ली कैपिटल्स है) के लिए भी शतक बनाए थे। उनकी यह हैट्रिक दिखाती है कि कि वह अलग-अलग आईपीएल टीमों से भी बेहतर प्रदर्शन करते आये हैं। इसके अलावा डी कॉक आईपीएल में बतौर विकेटकीपर भी तीन शतक लगाने वाले एकमात्र खिलाड़ी बने हैं। ये उपलब्धि उन्हें लीग के सबसे मूल्यवान खिलाड़ियों में से एक बनाती है। डी कॉक से संजू सैमसन ने ये रिकार्ड बनाया था। सैमसन ने चेन्नई सुपर किंग्स के लिए इस सत्र में जबकि इससे पहले राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली डेयरडेविल्स के लिए भी शतक लगाये थे। वहीं, केएल राहुल आईपीएल में यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी थे, जिन्होंने पंजाब किंग्स, लखनऊ सुपर जाएंट्स और दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलते हुए शतक लगाये हैं।

आईपीएल में आज दिल्ली कैपिल्स के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी आरसीबी

दोपहर 3:30 बजे से शुरु होगा मैच

बेंगलुरू (ईएमएस)। यहां के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में अपनी जीत का सिलसिला बनाये रखने उतरेगी। रजत पाटीदार की कप्तानी में आरसीबी का इस सत्र में काफी अच्छा प्रदर्शन रहा है और उसने पांच में से अपने चार मैच जीते हैं। जिससे वह अंक तालिका में दूसरे स्थान है। ऐसे में वह इस मैच में भी जीत की प्रबल दावेदार है। आरसीबी के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली सहित सभी खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। टीम के बल्लेबाजों के अलावा गेंदबाजों का प्रदर्शन भी अच्छा रहा है। इस सत्र में वह केवल एक मैच राजस्थान रॉयल्स से हार है। अब वह इस मैच को जीतकर अपने प्लेऑफ में पहुंचने की उनकी संभावनाएं और मजबूत करने उतरेगी। वहीं अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स की टीम का प्रदर्शन मिला जुला रहा है। चार मैचों में दो जीत के साथ ही वह पांचवें स्थान पर है। उसे गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है। टीम में निरंतरता की कमी है। उसकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी आरसीबी से कमजोर है। ऐसे में उसे अगर ये मैच जीतना है तो अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। टीम की बल्लेबाजी केएल राहुल पर निर्भर करती है जबकि गेंदबाजी की कमान लुंगी एनगिडी संभालेंगे। आंकड़ों की बात करें तो दोनो ही टीमों के बीच अबतक कुल 33 मैच हुए हैं। इसमें से आरसीबी को 20 बार जबकि दिल्ली कैपिटल्स को 12 बार जीत मिली है वहीं एक मैच को परिणाम नहीं निकला।

जयवर्धने ने माना मुम्बई को गेंदबाजी में सुधार की जरुरत पर, बुमराह का बचाव किया

मुम्बई (ईएमएस)। मुंबई इंडियंस क्रिकेट टीम के मुख्य कोच माहेला जयवर्धने ने पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली करारी हार के बाद माना है कि उनकी टीम के गेंदबाजी उम्मीद के अनुरुप नहीं रही है। ऐसे में उसे सुधार की जरुर है। इस सत्र में मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी खराब प्रदर्शन के कारण निशाने पर हैं पर कोच ने उनपर अपना पूरा भरोसा जताया है। जयवर्धने ने किा कि यह किसी एक खिलाड़ी की नहीं, बल्कि पूरी गेंदबाजी इकाई की जिम्मेदारी है कि वे अपने प्रदर्शन में सुधार करें। उन्होंने माना है कि टीम का गेंदबाजी आक्रमण एक इकाई के तौर पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहा है, जिससे विरोधी टीमें बड़े स्कोर बनाने में सफल रही हैं।

बुमराह, जो इस आईपीएल सीजन में लगातार पांच मैचों में विकेट लेने में असफल रहे हैं, पंजाब किंग्स के खिलाफ हुए मैच में भी बुमराह ने चार ओवर में 41 रन दिये जिससे मुंबई 196 रनों के लक्ष्य का बचावा नहीं कर पायी। मैच के बाद जयवर्धने ने कहा कि बुमराह अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं पर टीम पावरप्ले में विरोधी बल्लेबाजों पर दबाव नहीं बना पा रही जिससे उन्हें विकेट नहीं मिल रहे। उन्होंने यह भी माना कि विपक्षी टीमें यह जानती हैं कि बुमराह के खिलाफ अधिक जोखिम लेने की आवश्यकता नहीं है कोच ने ये भी कहा कि आईपीएल की शुरुआत में बुमराह को हल्की चोट लगी थी, लेकिन अब वह पूरी तरह ठीक हैं और पिछले कुछ मैचों में उनकी गति में भी सुधार हुआ है। उन्होंने का कि इसमें किस्मत की भी बात रहती है।

जयवर्धने ने इस बात पर जोर दिया कि असली मुद्दा टीम की गेंदबाजी इकाई का एक साथ मिलकर प्रदर्शन न कर पाना है। उन्होंने कहा कि विभिन्न पिचों पर एक इकाई के रूप में टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है, और यह कुछ ऐसा है जिस पर उन्हें गंभीरता से काम करने की आवश्यकता है।

इसके अलावा टीम के अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा की चोट को लेकर कि कि वह गंभीर नहीं है, और टीम प्रबंधन उन्हें टूर्नामेंट के शुरुआती चरण में अनावश्यक दबाव में नहीं रखना चाहता। उन्होंने कहा कि रोहित ने दौड़ना और बल्लेबाजी करना शुरू कर दिया है, और टीम उनकी प्रगति का हर दिन बारीकी से आकलन कर रही है।

वहीं लगातार चौथी हार के बाद कप्तान हार्दिक पंड्या पर दबाव बढ़ने की अटकलों को जयवर्धने ने सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, यह सिर्फ हार्दिक की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह हम सभी की जिम्मेदारी है। कोच ने स्पष्ट किया कि जब टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं करती है, तो यह किसी एक व्यक्ति की गलती नहीं होती है।

श्रेयस ने लक्ष्य का पीछा करने के मामले में विराट को पीछे छोड़ा

पंजाब किंग्स क्रिकेट टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने लक्ष्य का पीछा करने के मामले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को भी पीछे छोड़ दिया है। श्रेयस ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच में अपनी टीम को जीत दिलाने के दौरान 66 रनों की पारी खेलकर विराट को पीछे छोड़ा। इसी के साथ ही आईपीएल 2024 से अब तक लक्ष्य का सफल पीछा करते हुए सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में श्रेयस ने विराट कोहली को भी पीछे छोड़ दिया है। आईपीएल 2024 से लेकर अब तक के मुकाबलों को देखा जाये तो लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रेयस ने विराट से अधिक रन बना दिये हैं। उन्होंने 14 पारियों में कुल 621 रन बनाए हैं। वहीं इस सूची में अब विराट दूसरे नंबर पर खिसक गये हैं। विराट ने 2024 से अब तक आईपीएल में लक्ष्य का सफलता से पीछा करते हुए 11 पारियों में 618 रन बनाए हैं। जोस बटलर 11 पारियों में 549 रन बनाककर तीसरे जबकि प्रभसिमरन सिंह 14 पारियों में 500 रन बनाकर चौथे नंबर पर हैं। प्रभसिमरन ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ मुकाबले में पंजाब किंग्स की ओर से सबसे अधिक 80 रन बनाये थे।

मेसी पर इवेंट प्रमोटर ने 70 लाख डॉलर का मुकदमा दायर किया

मियामी (ईएमएस)। अर्जेंटीन के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी कानूनी शिकंजे में फंस गये हैं। एक इवेंट प्रमोटर ने अनुबंध को तोड़ने के लिएए मेसी पर मुकदमा दायर किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार मियामी स्थित एक इवेंट प्रमोटर ने उन पर पिछले साल एक प्रदर्शनी मैच में अपनी उपस्थिति दर्ज न कराकर 70 लाख डॉलर (लगभग 58 करोड़ रुपये) के अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दायर किया है। इससे मैसी विवादों में फंस गये हैं। विड म्यूजिक ग्रुप नामक इस प्रमोटर ने पिछले महीने मियामी-डेड सर्किट कोर्ट में मेसी और अर्जेंटीना फुटबॉल संघ (एएफए) दोनों के खिलाफ धोखाधड़ी और अनुबंध के उल्लंघन का गंभीर आरोप लगाते हुए मुकदमा दायर किया था। इस मामले में मेसी या एएफए की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया या टिप्पणी सामने नहीं आई है, जिससे मामले की गंभीरता और बढ़ गई है।

मेसी को विश्व के महानतम फुटबॉल खिलाड़ियों में से एक माना जाता है। अपनी असाधारण प्रतिभा और अद्वितीय खेल कौशल के कारण, वह मेजर लीग सॉकर क्लब इंटर मियामी और अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम दोनों के लिए एक अमूल्य खिलाड़ी हैं। उनके दुनियाभर में करोड़ों प्रशंसक हैं, जो उन्हें मैदान पर खेलते हुए देखने के लिए अक्सर मोटी रकम चुकाने को तैयार रहते हैं। यही कारण है कि उनकी अनुपस्थिति का सीधा असर आयोजकों की कमाई और दर्शकों की उम्मीदों पर पड़ता है, जिससे ऐसे अनुबंधों का उल्लंघन वित्तीय और प्रतिष्ठा दोनों के लिहाज से महंगा साबित हो सकता है। शिकायतकर्ता विड म्यूजिक ग्रुप ने दावा किया है कि उसने पिछले साल गर्मियों में अर्जेंटीना के वेनेजुएला और प्यूर्टोरिको के खिलाफ होने वाले दो मैत्री मैचों के लिए एएफए के साथ एक समझौता किया था। इस समझौते के तहत, यह स्पष्ट रूप से निर्धारित किया गया था कि मेसी को प्रत्येक मैच में कम से कम 30 मिनट खेलना अनिवार्य होगा, बशर्ते कि वह किसी चोट से ग्रस्त न हों। हालांकि, प्रमोटर का आरोप है कि इस शर्त का उल्लंघन करते हुए मेसी वेनेजुएला के खिलाफ होने वाले मैच में मैदान पर उपस्थित नहीं हुए। इस घटना के बाद, विड म्यूजिक ग्रुप का कहना है कि उन्हें भारी वित्तीय नुकसान हुआ है, जिसकी भरपाई के लिए वे 70 लाख डॉलर का दावा कर रहे हैं।

आईपीएल में बल्लेबाजों के लिए मुसीबत बनी एनगिडी की ये गेंद

नई दिल्ली (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी की विशिष्ट डिपिंग स्लोअर बॉल अब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भी बल्लेबाजों के लिए मुसीबत बननी जा रही है। इस प्रभावी गेंद पर काम करने की शुरुआत उन्होंने 2018 में चेन्नई सुपरकिंग्स के साथ जुड़ने के बाद टीम के साथी और दिग्गज ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो के सुझाव पर की थी। खेल के सबसे छोटे प्रारूप में इस महत्वपूर्ण कला में महारत हासिल करने में एनगिडी को बेशक थोड़ा समय लगा, लेकिन अब यह उनकी गेंदबाजी का एक अहम हथियार बन चुकी है। इसी को लेकर इस तेज गेंदबाज का कहना है कि एक ही जैसी गेंदबाजी कर आप अधिक समय तक नहीं टिक सकते। इसलिए उन्होंने इस गेंद को खोजा है।

दक्षिण अफ्रीका और आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स का प्रतिनिधित्व करने वाले इस तेज गेंदबाज को इस बात पर हैरानी है कि लोग अब उनकी गेंदबाजी विविधताओं के बारे में इतनी बातें कर रहे हैं, जबकि वे वर्षों से उनके खेल का अभिन्न हिस्सा रही हैं। हाल ही में एनगिडी ने अपनी इस प्रभावशाली गेंद के बारे में विस्तार से बताया। यह एक ऐसी धीमी गेंद है जो बल्लेबाज के पास पहुंचते-पहुंचते अचानक नीचे की ओर गिरने लगती है। इसकी खासियत यह है कि यह धीमी यॉर्कर, लेंथ गेंद या धीमी बाउंसर किसी भी रूप में डाली जा सकती है, जिससे बल्लेबाज को भ्रमित करना और भी आसान हो जाता है। गौरतलब है कि एनगिडी ने टी20 विश्व कप के दौरान भी इस गेंद का प्रयोग किया था, यह एक ही गेंद के साथ तीन अलग-अलग लेंथ हैं और बल्लेबाज को यह अंदाजा लगाना होता है कि अगली गेंद कौन सी आने वाली है। एनगिडी ने अपनी बात रखते हुए कहा, ऐसा लगता है कि हर कोई हैरान है, लेकिन मैं तो वर्षों से धीमी गेंदें डाल रहा हूं। शायद अब मैं उन्हें थोड़ी अधिक फ्लाइट दे रहा हूं। मैं आईपीएल से जुड़े मौजूदा ट्रेंड पर भी नजर रख रहा हूं। आजकल हर कोई तेज गेंदबाजी करना चाहता है। उन्होंने आगे जोर देते हुए कहा, इन जैसी बल्लेबाजी के लिए मददगार पिचों पर आपको कुछ अलग करना पड़ता है। यही एकमात्र तरीका है जिससे आप प्रासंगिक बने रह सकते हैं। बहुत से लोग मेरे से इसके बारे में (डिपिंग स्लोअर बॉल के बारे में) पूछते हैं। उन्हें लगता है कि यह आसान है।एनगिडी ने इस कला में महारत हासिल करने में लगी मेहनत का जिक्र करते हुए बताया, इस गेंद को सही तरीके से फेंकने में मुझे लगभग एक साल का समय लगा।

टी20 विश्व कप में कनाडा-न्यूजीलैंड मैच में फिक्सिंग के आरोपों की जांच कर रही आईसीसी

दुबई (ईएमएस)। भारत और श्रीलंका में हुए आईपीसी टी20 विश्वकप के एक मुकाबले में मैच फिक्सिंग के संदेह के बाद अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसी) की भ्रष्टाचार विरोधी इकाई (एसीयू) इस मामले की जांच कर रही है। इस मामले में कनाडाई क्रिकेट टीम के कप्तान पर भी आरोप है। इसमें टी20 विश्व कप के दौरान कनाडा के एक मैच में कथित तौर पर मैच फिक्सिंग का दावा किया गया है। इन सनसनीखेज खुलासों का आधार एक डॉक्यूमेंटी को बनाया गया है जो हाल ही में प्रसारित हुई थी। इस फिल्म में कनाडा क्रिकेट के प्रशासन और उसके भीतर व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर कई बड़े आरोप लगाए गए हैं।

एसीयू अभी दो सक्रिय मामलों की जांच कर रही है जो क्रिकेट कनाडा के कामकाज और अंतरराष्ट्रीय तथा घरेलू स्तर पर आईसीसी के भ्रष्टाचार विरोधी नियमों के उल्लंघन से जुड़े हैं। मैच फिक्सिंग का सबसे बड़ा आरोप कनाडा और न्यूजीलैंड के बीच हुए विश्व कप मैच से जुड़ा है। इससे न्यूजीलैंड की पारी के पांचवे ओवर पर संदेह जताया गया है। तब कनाडाई कप्तान दिलप्रीत बाजवा गेंदबाजी कर रहे थे। बाजवा को टूर्नामेंट शुरू होने से महज तीन हफ्ते पहले ही कप्तान बनाया गया था। ऑफ-स्पिनर होने के बाद भी वह समय समय गेंदबाजी करने आये जब तेज गेंदबाजों को गेंदबाजी संभालनी पड़ी। उस समय न्यूजीलैंड का स्कोर 2 विकेट पर 35 रन था पर इस ओवर में उन्होंने कुल 15 रन दिए, जिससे उनकी भूमिका पर संदेह गहरा गया है।

दूसरी जांच पूर्व कोच खुर्रम चौहान की एक टेलीफोन कॉल रिकॉर्डिंग से संबंधित है। इस रिकॉर्डिंग में चौहान दावा कर रहे हैं कि क्रिकेट कनाडा बोर्ड के वरिष्ठ सदस्यों ने उन पर कुछ खास खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम में चुनने के लिए दबाव डाला था। यह ऑडियो पिछले साल लीक हुआ था और तभी से जांच के घेरे में है।

गूगल ने भारत में 17 लाख एडवरटाइजर अकाउंट सस्पेंड किए:जेमिनी AI की मदद से 2025 में 48 करोड़ से ज्यादा भ्रामक विज्ञापन भी हटाए

नई दिल्ली: टेक कंपनी गूगल ने 2025 में भारत में नियमों का उल्लंघन करने वाले 48.37 करोड़ विज्ञापनों को हटाया या ब्लॉक किया है। इसी दौरान कंपनी ने अपने AI प्लेटफॉर्म जेमिनी की मदद से 17 लाख एडवरटाइजर अकाउंट्स भी सस्पेंड किए हैं। गुरुवार को जारी गूगल की 2025 एड्स सेफ्टी रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, ग्लोबल लेवल पर कार्रवाई और भी बड़े पैमाने पर हुई है। पिछले साल दुनिया भर में 830 करोड़ से ज्यादा खराब विज्ञापनों को हटाया गया। इसके साथ ही 2.49 करोड़ एडवरटाइजर अकाउंट्स को भी सस्पेंड किया गया है। कंपनी का दावा है कि हटाए गए कुल विज्ञापनों में से 99% को यूजर्स के देखने से पहले ही रोक दिया गया था।

जेमिनी AI ने गूगल की ताकत बढ़ाई

गूगल ने बताया कि जेमिनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉडल के जुड़ने से उसकी क्षमता में जबरदस्त सुधार हुआ है। आजकल स्कैमर्स भ्रामक विज्ञापन बनाने के लिए जेनेरेटिव एआई का इस्तेमाल कर रहे हैं। जेमिनी की मदद से ऐसे धोखेबाजों को रियल-टाइम में पहचानना और रोकना आसान हो गया है। इसकी कार्यकुशलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 2024 के मुकाबले 2025 में यूजर्स की रिपोर्ट पर चार गुना तेजी से एक्शन लिया गया।

की-वर्ड्स की जगह अब 'इरादा' समझता है सिस्टम

गूगल के एड्स प्राइवेसी एंड सेफ्टी विभाग के वीपी और जनरल मैनेजर कीरत शर्मा ने बताया कि उनकी टीमें 24 घंटे काम करती हैं। कंपनी के नए मॉडल्स अब केवल कीवर्ड्स पर निर्भर नहीं हैं, बल्कि वे विज्ञापनों के पीछे के इंटेंट यानी इरादे को भी समझते हैं। ये मॉडल अकाउंट की उम्र और व्यवहार जैसे अरबों संकेतों का एनालिसिस करते हैं। जिससे पकड़ में आने से बचने के लिए डिजाइन किए गए विज्ञापनों को भी पहले ही ब्लॉक कर दिया जाता है।

क्या होता है जेनेरेटिव एआई और एड्स सेफ्टी?

- जेनेरेटिव एआई: यह ऐसी तकनीक है जो टेक्स्ट, इमेज और वीडियो खुद बना सकती है। स्कैमर्स इसका उपयोग असली दिखने वाले फर्जी विज्ञापन बनाने में करते हैं।
- एड्स सेफ्टी रिपोर्ट: गूगल हर साल यह रिपोर्ट जारी करता है ताकि पारदर्शिता बनी रहे कि उसने अपने प्लेटफॉर्म को सुरक्षित रखने के लिए क्या कदम उठाए हैं।

कैसे सतर्क रहना चाहिए?

- भले ही गूगल 99% एड्स ब्लॉक कर रहा हो, लेकिन 1% भी बड़ा खतरा हो सकता है।
- बहुत ज्यादा लुभावने ऑफर (जैसे 1000 में iPhone) से बचें
- अनजान वेबसाइट पर बैंक/OTP जानकारी न दें
- URL और ब्रांड नाम ध्यान से चेक करें
- स्पॉन्सर्ड टैग देखकर ही भरोसा न करें
- याद रखें, आजकल फर्जी विज्ञापन असली जैसे ही दिखते हैं।

एडवरटाइजिंग इंडस्ट्री पर असर

इतने बड़े पैमाने पर अकाउंट सस्पेंड होने का असर दो तरह से पड़ता है...
फ्रॉड नेटवर्क: बड़े स्तर पर फर्जी नेटवर्क खत्म होते हैं
जेन्युइन बिजनेस: कभी-कभी असली छोटे बिजनेस भी गलती से प्रभावित हो सकते हैं

इसलिए गूगल लगातार अपने सिस्टम को और सटीक बनाने की कोशिश कर रहा है, ताकि गलत अकाउंट ही टारगेट हों।

सोने में आज 1748, चांदी में 3362 की गिरावट: सोना 8 हजार सस्ता, चांदी भी 19 हजार नीचे आई

नई दिल्ली: अमेरिका-ईरान जंग के बीच आज सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,748 रुपए घटकर 1.51 लाख रुपए आ गया है। इससे पहले गुरुवार को यह 1.53 लाख पर था। वहीं, एक किलो चांदी 3,362 रुपए घटकर 2.48 लाख रुपए रह गई, जो 16 अप्रैल को 2.51 लाख रुपए पर थी। अमेरिका-ईरान जंग के कारण सोना 49 दिन में 7,739 और चांदी 18,770 सस्ती हुई है। जंग शुरू होने से एक दिन पहले 27 फरवरी को सोना 1.59 लाख/10 ग्राम और चांदी 2.67 लाख/किलो थी।

अलग-अलग शहरों में सोने के दाम अलग होने की 4 वजहें

- ट्रांसपोर्टेशन और सिक्योरिटी: एक शहर से दूसरे शहर सोना ले जाने में ईंधन और सुरक्षा खर्च जुड़ता है, जिससे दूरी बढ़ने पर दाम बढ़ते हैं।
- खरीदारी की मात्रा: दक्षिण भारत में ज्यादा खपत (करीब 40%) के कारण ज्वेलर्स बड़ी खरीद करते हैं, लेकिन छूट का फायदा सीमित रहता है।
- लोकल ज्वेलरी एसोसिएशन: राज्य और शहर के ज्वेलरी एसोसिएशन स्थानीय मांग-सप्लाई के आधार पर रेट तय करते हैं।

तेल-गैस सेक्टर में उछाल, ओएनजीसी और ऑयल इंडिया को रिकॉर्ड मुनाफा!

मुंबई (ईएमएस)। भारत के तेल और गैस सेक्टर में काम करने वाली अपस्ट्रीम कंपनियों, खासकर ओएनजीसी और ऑयल इंडिया के लिए आने वाला समय बेहद मजबूत दिख रहा है। एंटीक स्टॉक ब्रोकरेज की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2027 में इन कंपनियों को कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और उत्पादन में अनुमानित वृद्धि के कारण रिकॉर्ड फायदा मिल सकता है। रिपोर्ट ने ब्रेंट क्रूड के वित्त वर्ष 27 के औसत अनुमान को बढ़ाकर 75 डॉलर प्रति बैरल कर दिया है, जो पहले 65 डॉलर था। रिपोर्ट बताती है कि वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें कई कारणों से मजबूत बनी हुई हैं। हालिया सप्लाई झटकों, विशेषकर होर्मुज क्षेत्र में बाधा के कारण बाजार में कच्चे तेल की कमी हुई है। मार्च और अप्रैल के दौरान करीब 500 मिलियन बैरल की आपूर्ति प्रभावित हुई, जिससे कीमतों में उछाल आया। लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन की दिक्कतों के चलते अगले 4 से 6 महीने तक कच्चा तेल 80 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बना रह सकता है, भले ही सप्लाई सामान्य होने लगे। इन अनुकूल परिस्थितियों का सीधा लाभ ओएनजीसी और ऑयल इंडिया को मिलेगा।

स्पेसएक्स का रिकॉर्ड आईपीओ, मस्क अंतरिक्ष के बाद अब शेयर बाजार में रचेंगे इतिहास?

वाशिंगटन (ईएमएस)। एलन मस्क की एयरोस्पेस कंपनी स्पेसएक्स ने अमेरिकी शेयर बाजार नेस्डेक में लिस्टिंग की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। कंपनी ने अपने बहुप्रतीक्षित आईपीओ के लिए गोपनीय दस्तावेज दाखिल कर दिए हैं, जिसका लक्ष्य लगभग 2 ट्रिलियन डॉलर के अभूतपूर्व मूल्यांकन के साथ बाजार में उतरना है। यदि यह सौदा सफल रहा, तो यह इतिहास का सबसे बड़ा प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बन सकता है। स्पेसएक्स अपनी कुल हिस्सेदारी का एक छोटा सा भाग बेचकर लगभग 75 अरब डॉलर जुटाने की योजना बना रही है। 2002 में स्थापित, इस कंपनी का मूल उद्देश्य मानवता को बहुग्रह बनाना है। उसने रॉकेट के दोबारा उपयोग की तकनीक विकसित कर अंतरिक्ष प्रक्षेपण की लागत को नाटकीय रूप से 5 फीसदी तक कम कर दिया है, जिससे 600 से अधिक

सफल रॉकेट लैंडिंग हुई हैं। कंपनी की आय का बड़ा हिस्सा उसके सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारलिंक से आता है, जिसके दुनिया भर में एक करोड़ से अधिक ग्राहक हैं। विस्तार और रणनीतिक विलय: फरवरी 2026 में ग्रोक का डेवलपर के साथ हुए 1.25 ट्रिलियन डॉलर के विलय ने इस आईपीओ की नींव तैयार की है। मस्क के मुताबिक आईपीओ से जुटाई गई रकम का उपयोग अंतरिक्ष में बड़े पैमाने पर सौर ऊर्जा संचालित डेटा सेंटर सैटेलाइट स्थापित करने के लिए किया जाएगा, ताकि पृथ्वी की ऊर्जा सीमाओं को पार किया जा सके। नेस्डेक के नियमों में बदलाव: स्पेसएक्स की संभावित लिस्टिंग को देखते हुए, नेस्डेक ने अपने कुछ नियमों में ढील दी है। इसमें आमतौर पर आवश्यक 10 फीसदी सार्वजनिक हिस्सेदारी की शर्त और इंडेक्स में शामिल होने की समय-सीमा को तीन महीने से घटाकर 15 ट्रेडिंग दिन करना शामिल है। इससे स्पेसएक्स तेजी से नेस्डेक 100 जैसे प्रमुख इंडेक्स का हिस्सा बन सकेगी, जिससे इंडेक्स फंड्स से स्वतः निवेश आकर्षित होगा। चुनौतियां और विशेषज्ञ सलाह: हालांकि, कंपनी की ऊंची वैल्यूएशन (पिछले साल का राजस्व करीब 15 अरब डॉलर बनाम 2 ट्रिलियन डॉलर का लक्ष्य) को लेकर सवाल उठ रहे हैं, जो टेस्ला जैसी महंगी कंपनियों के मुकाबले भी कई गुना अधिक है। स्पेसएक्स अपने 30 फीसदी शेयर खुदरा निवेशकों को उपलब्ध कराने की योजना बना रही है, जिससे भारी उत्साह की उम्मीद है।

एंथ्रोपिक के एआई मॉडल से फिनटेक पर साइबर खतरा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के वित्तीय सेवा क्षेत्र में एंथ्रोपिक के उन्नत एआई मॉडल क्लॉड मिथोस से जुड़े शुरुआती साइबर सुरक्षा खतरों को महसूस किया जा रहा है। फिनटेक स्व-नियामकीय संगठन फिनटेक एसोसिएशन फॉर कंज्यूमर एम्पावरमेंट (फेस) ने सबसे पहले इस पर कार्रवाई करते हुए अपने सदस्यों से आवश्यक रक्षात्मक उपाय मजबूत करने का आग्रह किया है। यह कदम ऐसे समय में आया है जब क्लॉड मिथोस प्रीव्यू ने सॉफ्टवेयर कमजोरियों, विशेषकर जीरो-डे वल्नरबिलिटी (जिनके बारे में डेवलपर्स को पहले से जानकारी नहीं होती) की पहचान करने और उनका फायदा उठाने की उल्लेखनीय क्षमता का प्रदर्शन किया है। फेस के सीईओ सुगंध सक्सेना ने सदस्यों को ईमेल भेजकर साइबर सुरक्षा मजबूत करने, संभावित कमजोरियों को दूर करने और खतरों की तत्काल सूचना देने की सिफारिश की है। यह चिंताजनक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसी नई तकनीकों की यह क्षमता गलत हाथों में पड़ सकती है, जिससे भारत और दुनिया भर में सॉफ्टवेयर प्रणालियों की स्थिरता पर गंभीर सवाल उठते हैं। इन चिंताओं के जवाब में, एंथ्रोपिक ने प्रोजेक्ट ग्लास विंग की घोषणा की है, जिसमें एमेजॉन, ऐपल, गूगल और माइक्रोसॉफ्ट सहित एक दर्जन प्रमुख कंपनियां रक्षात्मक सुरक्षा कार्यों के लिए मिथोस का उपयोग करेंगी।

2030 तक IPL में होगी पैसों की बारिश, खिलाड़ी कमाएंगे 150 करोड़: ललित मोदी

आईपीएल को लेकर एक बड़ी भविष्यवाणी सामने आई है। लीग के संस्थापक और पूर्व चेयरमैन ललीत मोदी का मानना है कि आने वाले कुछ सालों में आईपीएल में पैसा कई गुना बढ़ने वाला है और खिलाड़ियों की कमाई रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच सकती है। ललीत मोदी के मुताबिक, 2030 तक आईपीएल टीमों का प्लेयर पर्स यानी खिलाड़ियों पर खर्च करने की सीमा 100 मिलियन डॉलर यानी करीब 932 करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है। अभी 2026 में यह सीमा करीब 125 करोड़ रुपये है। यानी अगले कुछ सालों में यह सात गुना से ज्यादा बढ़ सकती है।

द ओवरलेप क्रिकेट में माइकल वॉन से बातचीत में उन्होंने कहा कि अगर ऐसा होता है तो बड़े खिलाड़ी एक सीजन में करीब 150 करोड़ रुपये तक कमा सकते हैं। उनका मानना है कि टॉप खिलाड़ी हर मैच के हिसाब से करीब 1 मिलियन डॉलर यानी करोड़ों रुपये कमा सकते हैं। साथ ही किसी टीम के 3 से 4 बड़े खिलाड़ी एक सीजन में 15 से 16 मिलियन डॉलर

तक की कमाई कर सकते हैं। इस बीच आईपीएल 2026 में मैदान पर भी रोमांच जारी है। गुरुवार को पंजाब किंग्स ने मुंबई इंडियंस को 7 विकेट से हराकर लगातार जीत का सिलसिला जारी रखा। मुंबई की टीम को यह लगातार चौथी हार झेलनी पड़ी।

पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई इंडियंस ने 20 ओवर में 195 रन बनाए। टीम के लिए क्विंटन डी कॉक ने शानदार नाबाद 112 रन बनाए, जबकि नमन धीर ने 50 रन की पारी खेली। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 132 रन की बड़ी साझेदारी हुई। लेकिन इसके बावजूद यह स्कोर पंजाब के लिए ज्यादा चुनौतीपूर्ण नहीं रहा। लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब किंग्स ने 198 रन बनाकर मैच 21 गेंद पहले ही जीत लिया। पंजाब की जीत के हीरो प्रभसिमरन सिंह और कप्तान श्रेयस अय्यर रहे। प्रभसिमरन ने 31 गेंदों पर नाबाद 80 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और 2 छक्के शामिल थे। वहीं श्रेयस अय्यर ने 35 गेंदों पर 66 रन की शानदार पारी खेली। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 139 रन की साझेदारी की।

मुंबई इंडियंस की गेंदबाजी एक बार फिर कमजोर रही। जसप्रीत बुमराह भी बिना विकेट लिए महंगे साबित हुए। टीम के लिए सिर्फ अल्लाह गजनफर ने 2 विकेट लेकर कुछ असर डाला। कुल मिलाकर, एक तरफ जहां आईपीएल का भविष्य और खिलाड़ियों की कमाई को लेकर बड़े दावे किए जा रहे हैं, वहीं मैदान पर भी मुकाबले उतने ही रोमांचक बने हुए हैं।

दैनिक पंचांग

18 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	**मेष**	05.25 बजे से
चंद्र	मेष में	**वृष**	07.09 बजे से
मंगल	मीन में	**मिथुन**	09.07 बजे से
बुध	मीन में	**कर्क**	11.21 बजे से
गुरु	मिथुन में	**सिंह**	13.37 बजे से
शुक्र	मेष में	**कन्या**	15.49 बजे से
शनि	मीन में	**तुला**	17.59 बजे से
राहु	कुंभ में	**वृश्चिक**	20.14 ब.से
केतु	सिंह में	**धनु**	22.30 बजे से
राहुकाल		**मकर**	00.35 बजे से
9.00 से 10.30		**कुंभ**	02.22 बजे से
बजे तक		**मीन**	03.55 बजे से

शनिवार 2026 वर्ष का 108 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास वैशाख **पक्ष** शुक्ल
तिथि प्रतिपदा 14.11 बजे को समाप्त।
नक्षत्र अश्विनी 09.43 बजे को समाप्त।
योग प्रीति 23.56 बजे को समाप्त।
करण बव 14.11 बजे तदनन्तर बालव 00.31 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 0.5 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 10° 45'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872683
जूलियन दिन 2461148.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल
तारीख 29
विशेष चन्द्रदर्शन, पराशर ऋषि जयंती।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	**लाभ**	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	**उद्वेग**	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	**शुभ**	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	**अमृत**	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	**चर**	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	**रोग**	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	**काल**	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	**लाभ**	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7258

बाएँ से दाएँ

1. प्रार्थना, खुशामद-4
4. श्मशान, शवदाहगृह-4
6. भ्रमर, चक्र-3
8. कामदेव, सुंदर-3
9. चांदी-3
11. सितारा-2
13. राजकुमार, मनोज कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-5
15. हालात, तबियत-2
16. फिजूल, व्यर्थ-3
18. डिपो-3
19. गमन, विदा-3
20. झगड़ा, अनबन-4
22. लुंगी-4

ऊपर से नीचे

1. आलता, माहुर-4
2. घाटा, नुकसान-2
3. कमल, जलज-3
4. अभिष्ट इच्छा, चाह-5
5. टक्कर, मुठभेड़-4
7. रात्रि, निशा-3
10. जरुरतमंद-5
12. हाथी साधने वाला-4
14. तरंग, हिलोर-3
17. कसरत, परेड-4
18. विश्राम, राहत-3
21. मार्ग, पथ-2

शब्द पहेली -7257 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अंकजाल - 6799

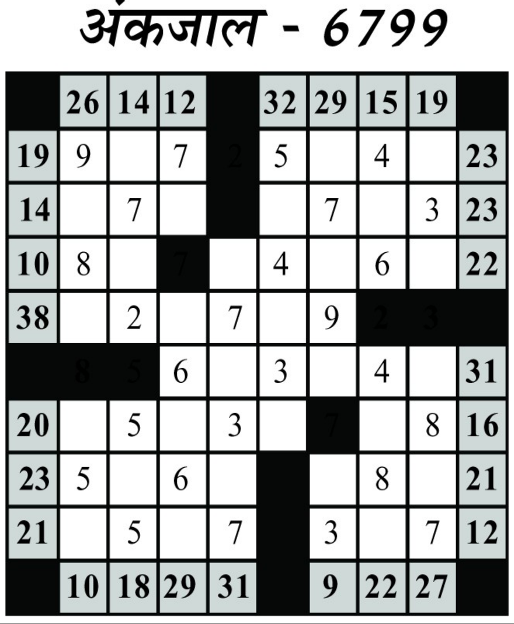

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

अंकजाल 6798 का हल

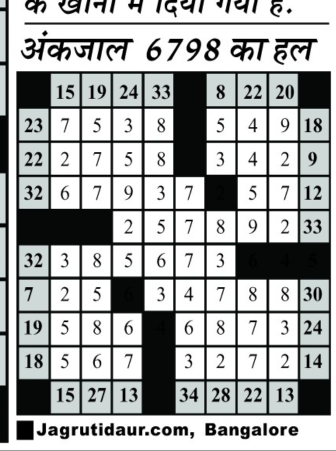

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-5743

	5	2	3	7		
1	33		40		34	6
7		4	6		2	3
	27	5	34	1	29	
2				4		5
	25	6	30		38	
	4		5	2		7

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5742 का हल

2	6	4	1	5	3	7
6	37	5	28	2	26	1
7	5	2	6	3	1	4
1	31	6	33	4	28	2
3	6	1	4	7	2	5
4	31	3	33	6	36	6
5	2	7	4	1	6	3

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

गणित पहेली - 5103

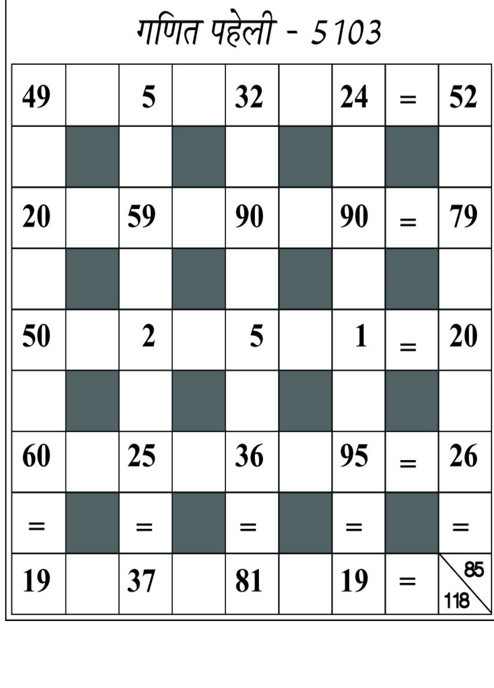

संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (x) व (÷) के निशान लगाने हैं जिनका उत्तर (=) पूर्णतः मेल खाता हो.

गणित पहेली - 5102

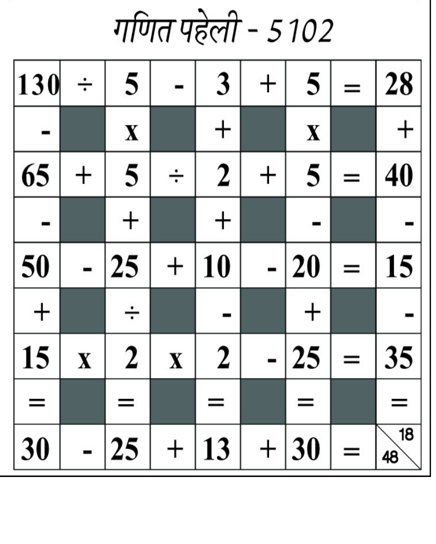

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 6790

प्र	अ	मे	रि	का	स	मा	न	न	प	क
न	का	क	वि	इं	डो	ने	ग	ति	मा	न
अ	दा	श	ल	मा	ग	स	द	ह	प	का
जी	ग	ल	मा	ब	न	स	पा	ह	लि	ल
त	अ	अ	सौ	न	जा	मे	ह	मा	न	दे
अ	भि	नु	मो	व	प	वा	स्ता	ह	यु	बां
ग	मा	ल	मा	व	प	ला	य	मा	न	ग
र	न	भा	र	न	प	स	रा	ल	वि	ला
क	या	बा	तें	व	न	ई	मा	न	जू	दे
र	प्र	ति	मा	न	सिं	ब्रा	स्र	अ	प	श
बां	स	ल	प	रु	स	स	त्ता	प	क	र

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'मान' लगा हो. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

अनुमान, प्रकाशमान, ईमान, मेहमान, प्रतिमान, विमान, पलायमान, समान, गतिमान, अभिमान

शब्दजाल - 6789 का हल

म	अ	मु	न	सी	ब	आ	ज	ग	ल	य
रा	वि	ली	प्रे	व	जी	स	द	ज	कां	ड़
चु	म	ल	बा	दी	छ	स	आ	ब	ख	क
इं	नौ	ब	न	बा	वा	स	ध	ल	श	क
डि	आ	ति	ल	ल	चा	न	क्रो	धी	झ	च
या	ल	द	र	रा	झ	ली	ती	ण	घ	र
द	ब	निं	ग	ट्रे	न	बै	स	बा	व	स
क	एं	ऊ	ई	द	ब	क	फ	चो	श	क
रा	म	ब	ल	रा	म	स	या	औ	र	आ
क	गॉ	ल	प	लि	जी	त	ऐ	म	प	द
क	ड	ल	प	या	क	र्त	व्य	ब	त	म

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आज का इतिहास

1968 अमेरिका ने एशिया के गैर कम्युनिस्ट देशों को संरक्षण देने की घोषणा की.
1973 कंबोड़िया के राष्ट्रपति लोन नोल ने इस्तीफा दिया.
1975 कम्युनिस्टों ने कंबोडिया पर कब्जा किया.
1975 भारत के राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का निधन.
1983 रोहिणी उपग्रह को एस. एल. बी. 3 राकेट ने कक्षा में स्थापित किया.
1989 अफगानिस्तान की फौजों ने विद्रोहियों की महत्वपूर्ण जमीनी मार्गों से हटा दिया.
1992 रूसी सांसदों ने हथियार नियंत्रण अधिनियम को मंजूरी देने से इंकार कर दिया.
1992 उज्जैन में सिंहस्थ कुम्भ मेला प्रारम्भ.
1996 चेचेन विद्रोंहियों के हमले में रूस के 26 सैनिक मरे और 51 अन्य घायल हुए.
1997 जनता दल नेता बीजू पटनायक का निधन.
1999 एक मत से विश्वासमत हारने के बाद अटलबिहारी वाजपेयी की सरकार ने त्यागपत्र दिया.

संक्षिप्त खबरें

16 वर्षों बाद राजहरा कोलियरी में फिर शुरू हुआ कोयला उत्पादन

पलामू: एशिया की चर्चित राजहरा कोलियरी से 16 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद एक बार फिर कोयला उत्पादन शुरू हो गया है। इस अवसर पर ग्रामीणों ने भव्य पूजा कर खुशी जाहिर की। वर्ष 2010 से बंद पड़ी इस कोलियरी का उद्घाटन जनवरी में कोयला राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे और पलामू सांसद विष्णु दयाल राम ने किया था। राजहरा में लगभग 4.9 मिलियन टन G-9 श्रेणी का कोयला भंडार है और 2027 तक उत्पादन प्रस्तावित है। उत्पादन शुरू होने से क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी, जिससे स्थानीय लोग काफी उत्साहित हैं।

कहीं ओलावृष्टि तो कहीं 42 डिग्री के करीब पारा, बढ़ा लू का खतरा

रांची: झारखंड में मौसम ने एक साथ दो अलग-अलग रूप दिखाए हैं। कहीं बारिश और ओलावृष्टि से राहत मिली, तो कहीं तेज गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ेगा तथा लू चलने की आशंका है। पिछले 24 घंटों में पश्चिमी सिंहभूम के चक्रधरपुर में 37.4 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि रांची जिले के बुंडू इलाके में ओलावृष्टि हुई। दूसरी ओर पलामू के डाल्टनगंज में अधिकतम तापमान 41.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो राज्य में सबसे अधिक रहा। मौसम विभाग ने आज रांची, बोकारो, हजारीबाग, धनबाद समेत कई जिलों में गरज के साथ बारिश, वज्रपात और तेज हवा को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। चेतावनी दी गई है कि 19 अप्रैल से गढ़वा, पलामू और चतरा में लू चल सकती है। राजधानी रांची में भी तापमान 41 डिग्री तक पहुंचने का अनुमान है। लोगों को दोपहर में सावधानी बरतने और पर्याप्त पानी पीने की सलाह दी गई है।

केंदुआडीह पहुंचे विधायक अरूप चटर्जी

भू-धंसान स्थल का किया निरीक्षण, बीसीसीएल को ठहराया जिम्मेदार

धनबाद : केंदुआडीह में अग्नि प्रभावित और भू-धंसान से जूझ रहे क्षेत्र का जायजा लेने शुक्रवार को निरसा विधायक अरूप चटर्जी पहुंचे. उन्होंने प्रभावित इलाकों का निरीक्षण किया और स्थानीय लोगों से मुलाकात कर घटना की विस्तृत जानकारी ली.

इस दौरान ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं, भय और रोजमर्रा की परेशानियों को विधायक के सामने रखा. निरीक्षण के बाद मीडिया से बातचीत में विधायक अरूप चटर्जी ने बीसीसीएल (भारत कोकिंग कोल लिमिटेड) पर गंभीर आरोप लगाए.

रोजगार और मुआवजा सबसे बड़ी चिंता: अरूप चटर्जी ने कहा कि सबसे बड़ी समस्या प्रभावित लोगों के रोजगार और आजीविका की है. विस्थापन के बाद लोग अपने पारंपरिक काम-धंधे से कट जाते हैं, जिससे उनके सामने जीवन यापन का संकट खड़ा हो जाता है. उन्होंने मांग की है कि पुनर्वास से पहले रोजगार की ठोस व्यवस्था सुनिश्चित की जाए.

उन्होंने कहा कि बीसीसीएल की नीतियां आम लोगों के हित में नहीं है,. बल्कि लोगों को उनके घरों से उजाड़ने का काम किया जा रहा है. इस घटना को लेकर विधायक ने सीधे तौर पर बीसीसीएल को जिम्मेदार ठहराया.

विधायक अरूप चटर्जी ने कहा कि खनन गतिविधियों के कारण ही क्षेत्र में आग और भू-धंसान की समस्या गंभीर हुई है, जिसका खामियाजा स्थानीय लोगों को भुगतना पड़ रहा है.

पुनर्वास योजना पर उठाए सवाल

विधायक ने बेलगढ़िया पुनर्वास योजना पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि वहां बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव है. उन्होंने कहा छोटे-छोटे कमरों में परिवार कैसे गुजारा करेगा. न रोजगार की व्यवस्था है और न ही पर्याप्त सुविधाएं. ऐसे में पुनर्वास योजना सिर्फ कागजों पर ही सीमित नजर आता है. उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बेलगढ़िया पुनर्वास के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च दिखाए जा रहे हैं. लेकिन जमीनी स्तर पर उसका लाभ लोगों तक नहीं पहुंच रहा है. इतना पैसा आखिर जा कहां रहा है, इसकी जांच होनी चाहिए.

भू-धंसान क्षेत्र को सुरक्षित बनाने की मांग

विधायक ने केंदुआडीह के भू-धंसान प्रभावित क्षेत्र को जल्द से जल्द भराई कर सुरक्षित बनाने की मांग की. उन्होंने कहा कि यहां कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है, इसलिए तत्काल कार्रवाई जरूरी है.

स्थानीय लोगों में डर और आक्रोश

केंदुआडीह क्षेत्र में लगातार हो रही आग और जमीन धंसने की घटनाओं से लोग दहशत में हैं. ऐसे में विधायक का दौरा, जहां लोगों के लिए उम्मीद लेकर आया, वहीं प्रशासन और बीसीसीएल पर कार्रवाई का दबाव भी बढ़ा है.

नोएडा हिंसा का झारखंड कनेक्शन, हजारीबाग-जमशेदपुर के युवक पाकिस्तानी हैंडलर्स के संपर्क में

रांची : नोएडा में 13 अप्रैल को हुई हिंसक घटना की जांच में अंतरराज्यीय और अंतरराष्ट्रीय साजिश के संकेत मिले हैं. पुलिस के अनुसार, इस पूरे मामले में झारखंड से जुड़े दो युवकों की भूमिका सामने आई है.

इसमें से एक हजारीबाग का निवासी बताया जा रहा है. जबकि दूसरा जमशेदपुर से जुड़ा है. दोनों पर सोशल मीडिया के माध्यम से माहौल भड़काने और भीड़ जुटाने का आरोप है. यह भी आरोप है कि दोनों पाकिस्तानी हैंडलर्स के संपर्क में हैं. पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपियों ने मजदूरों को संगठित करने के लिए अलग-अलग मैसेजिंग ग्रुप बनाए और वेतन वृद्धि के मुद्दे को लेकर प्रदर्शन की तैयारी की. इसी दौरान भड़काऊ संदेश और अफवाहें फैलाकर लोगों को इकट्ठा करने की कोशिश की गई.

जांच एजेंसियों का दावा है कि कुछ सोशल मीडिया अकाउंट से हिंसा के दौरान गलत आंकड़े और भ्रामक जानकारी प्रसारित की गई, जिनका तकनीकी विश्लेषण करने पर विदेशी लोकेशन के संकेत मिले हैं.

पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने बताया कि मामले में शामिल संदिग्धों की पहचान कर ली गई है और उनकी गतिविधियों की विस्तृत जांच की जा रही है. कुछ आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई है, जबकि मुख्य आरोपी फरार बताया जा रहा है. उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है. जांच एजेंसियों के अनुसार, आरोपियों की योजना प्रमुख मार्गों पर जाम लगाकर औद्योगिक क्षेत्र की गतिविधियों को प्रभावित करने की थी. फिलहाल पुलिस ने सुरक्षा बढ़ा दी है और सोशल मीडिया पर फैलाए गए संदेशों की भी निगरानी की जा रही है. मामले में सख्त कानूनी कार्रवाई की तैयारी की जा रही है.

राजरप्पा: दूसरे दिन भी चला अतिक्रमण हटाओ अभियान

रामगढ़: सिद्धपीठ मां छिन्नमस्तिका मंदिर परिसर के आसपास अतिक्रमण हटाने का अभियान दूसरे दिन भी जारी रहा। अमावस्या के अवसर पर सुबह मंगल आरती के बाद से ही भारी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। जैसे-जैसे दिन चढ़ा, तेज धूप और गर्मी ने लोगों की परेशानियां और बढ़ा दीं।

अतिक्रमण हटने के बाद मंदिर परिसर का स्वरूप पूरी तरह बदल गया है। पहले दुकानों और होटलों से श्रद्धालुओं को पानी-भोजन की सुविधा मिल जाती थी, लेकिन अब लोगों को इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। हालांकि मंदिर न्यास समिति की ओर से पीने के पानी की आंशिक व्यवस्था की गई है। कार्रवाई के दौरान बिजली आपूर्ति भी ठप कर दी गई, जिससे गर्मी में श्रद्धालु और स्थानीय लोग बेहाल रहे। रास्तों पर फैले मलबे और टूटे शीशों से आवाजाही में दिक्कत हुई।

इस अभियान से दुकानों में काम करने वाले मजदूरों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। चितरपुर अंचल अधिकारी ने बताया कि भैरवी नदी किनारे तक फैले अतिक्रमण को हटाया जा रहा है। पहले दिन 254 दुकानें हटाई गई थीं और अब मलबा साफ किया जा रहा है।

गढ़वा पुलिस व ग्रामीण झड़प : पथराव में 25 से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल, कई हिरासत में

गढ़वा : जिले के महुलिया मोड़ पर गुरुवार शाम पुलिस और ग्रामीणों के बीच हुई हिंसक झड़प के बाद इलाके में हालात तनावपूर्ण है. सड़क जाम हटाने पहुंची पुलिस टीम पर हुए पथराव में 25 से अधिक पुलिस पदाधिकारी और जवान घायल हुए हैं. सभी घायल पुलिसकर्मियों का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है.

घायलों की संख्या अधिक होने के कारण सदर अस्पताल में आपात स्थिति जैसी व्यवस्था करनी पड़ी. चिकित्सकों की टीम ने रातभर इलाज जारी रखा. प्राथमिक उपचार के लिए कई अधिकारी और जवान अस्पताल पहुंचे, जिनमें पुलिस अवर निरीक्षक, सहायक अवर निरीक्षक, चालक और महिला पुलिसकर्मी भी शामिल थे.

दो थाना प्रभारी समेत कई जवान घायल: इस घटना में दो थाना प्रभारी के अलावा सब-इंस्पेक्टर, एएसआई, चालक और कई जवान घायल हुए हैं, जिससे पुलिस विभाग में भारी नाराजगी देखी जा रही है. पुलिस अधीक्षक अमर कुमार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं.

अब तक एक दर्जन से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है. जबकि घटनास्थल से दो दर्जन से अधिक बाइक बरामद की गई है. बरामद वाहनों के कागजात और नंबर प्लेट के आधार पर संबंधित लोगों की पहचान की जा रही है.

किसी को नहीं बख्शा जाएगा-एसपी: पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पुलिस पर हमला करने वालों को चिन्हित किया जा रहा है. बरामद बाइकों के आधार पर छापेमारी जारी है और घटना में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा. इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर स्थिति पर नजर रखी जा रही है.

PR No. 377740 (Health Med Edu and Family Welfare) 26-27

झारखण्ड सरकार GOVERNMENT OF JHARKHAND

लू एवं गर्म हवाओं से बचाव

गर्म हवाओं के कारण स्वास्थ्य पर मौसम का दुष्प्रभाव :

- शरीर में पानी की कमी
- उल्टी, तेज बुखार
- कमजोरी, सिर दर्द, चक्कर आना
- हृदयाघात, मस्तिष्काघात
- कार्डियोवैस्कुलर जटिलता आदि लक्षण

ओ.आर.एस घोल बनाने की विधि एवं उपयोग

- साफ बर्तन में एक लीटर पानी (साधारण ग्लास से पाँच ग्लास) में ओ.आर.एस. का एक पूरा पैकेट घोल दें
- तैयार किए गए ओ.आर.एस. के घोल को कुछ-कुछ अंतराल पर चम्म्च से लू प्रभावित व्यक्ति को देते रहें
- बनाए गए ओ.आर.एस. घोल को 24 घंटे के बाद उपयोग न करें

इनका नियमित सेवन करें :-

नमक-चीनी का घोल
छाछ
नींबू-पानी
आम का शर्बत
लस्सी
तरबूज
खरबूजा
खीरा
ककड़ी

ओ.आर.एस. का पैकेट निकटतम सरकारी अस्पताल/ स्वास्थ्य उपकेन्द्र/ सहिया के पास निःशुल्क उपलब्ध है

- गर्मी में हीट स्ट्रोक से बचाव के लिए ज्यादा पानी पीएं।
- घर से बाहर निकलें, तो खुद को कवर करके ही निकलें।
- लू लगे व्यक्ति को छाँव में लिटा दें, अगर उनके शरीर के कपड़े तंग हों तो उसे ढीला कर दें अथवा हटा दें।
- ठंडे गीले कपड़े से शरीर पोछें या ठंडे पानी से नहलाएं।
- लू लगे व्यक्ति की हालत में एक घंटे तक सुधार न हो, तो उसे तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में ले जाएं।

तेज धूप और लू का शरीर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।सावधानियाँ हीं बचाव।

हल्के रंग के ढीले ढाले सूती कपड़े पहनें
धूप का चश्मा इस्तेमाल करें
सम्भव हो,तो तौलिया/गमछा रखें
जूते/चप्पल पहनें

NATIONAL HEALTH MISSION राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखण्ड
स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखण्ड सरकार

स्वस्थ झारखण्ड सुखी झारखण्ड

National Program on Climate Change and Human Health (NPCCHH)

झारखण्ड सरकार 104 चिकित्सा सलाह 24x7 Health Information Helpline

स्वास्थ्य संबंधी किसी भी जानकारी\ शिकायत हेतु 24/7 निःशुल्क राज्य हेल्पलाईन नंबर 104 (टॉल फ्री) पर कॉल करें

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटुआ, रांची से मुद्रित एवं फर्स्ट फ्लोर, 105, नायल कॉम्प्लेक्स, कांटाटोली, रांची-834001 (झारखण्ड) से प्रकाशित, आर.एन.आई. नं. JHAHIN/2013/50549 फोन नं. 8084372014, Email : koylanchalsamvad@gmai.com & koylanchal.hindi@gmail.com*समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट तहत जिम्मेदार।